राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 जसप्रीत बुमराह बने पिता, पत्नी संजना गणेशन ने बेटे को दिया जन्म ...

टखने की चोट के कारण भारत के खिलाफ वनडे श्रृखंला से हट सकते .. 11

वर्ष : 11 | अंक : 116 | पटना,मंगलवार, 05 सितंबर, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 31°C

न्यूनतम तापमान 27.0°C

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	59,340
चांदी	55,350
सेंसेक्स	63,327
निफ्टी	18,816

सीएम नीतीश ने डेंगू की रोकथाम को लेकर की उच्चस्तरीय बैठक, अधिकारियों को दिए कई निर्देश

बोलें- स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से अलर्ट रहे और अस्पतालों में सभी जरुरी चीजों का इंतजाम रखें

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज 1 अणे मार्ग स्थित संकल्प में डेंगू की रोकथाम के लिये किये जा रहे उपायों को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने निर्देश देते हुये कहा कि अस्पतालों में बेडों की संख्या पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहे और मरीजों को इलाज में किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो। ब्लड बैंक में प्लेटलेट्स की उपलब्धता सुनिश्चित करायें ताकि मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। सभी जगह डेंगू रोधी दवा का छिड़काव नियमित रूप से करायें। डेंगू रोधी दवा के छिड़काव में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिये। साथ ही कहा की सभी जगह साफ-सफाई की पूरी व्यवस्था रखें। लोगों को जागरूक करने के लिये व्यापक प्रचार- प्रसार करायें। होर्डिंग, समाचार पत्रों एवं अन्य प्रचार माध्यमों का उपयोग कर लोगों को डेंगू से बचाव के लिये सचेत करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से अलर्ट रहे और अस्पतालों में सभी जरुरी चीजों का इंतजाम रखें। अस्पतालों में बेड, चिकित्सक और दवा की कोई कमी नहीं होनी चाहिये। जिलों में भी पदाधिकारी इस पर नजर बनाये रखें। ताकि कोई मामला सामने आने के बाद तुरंत इलाज की व्यवस्था की जा सके। बैठक में मुख्यमंत्री को स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत

एवं नगर विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव अरूणीश चावला ने डेंगू के बढ़ते मामले और उसकी रोकथाम के लिये किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी। बैठक में मुख्यमंत्री को जानकारी दी गयी कि एंटी लार्वा छिड़काव नियमित रूप से किया जा रहा है। बैठक में उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, नगर विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव अरूणीश चावला, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, पटना प्रमण्डल के आयुक्त कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, नगर आयुक्त अनिमेष परासर सहित अन्य वरीय अधिकारी एवं चिकित्सक उपस्थित थे।

जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री, 51 लोगों की सुनी समस्याएं

जमीन संबंधित समस्याओं का शीघ्र निपटारा हो : नीतीश

सीएम ने अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जमीन संबंधित समस्याओं को शीघ्र समाधान करने का निर्देश दिया है। दरअसल, सोमवार को 4, देशरत्न मार्ग स्थित मुख्यमंत्री सचिवालय परिसर में आयोजित जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में जमीन विवाद से संबंधित शिकायतों का भरमार रहा। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में मौजूद राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अधिकारियों को शीघ्र कारवाई करने को कहा। सुपौल जिले से ही आये एक बुजुर्ग ने मुख्यमंत्री से निवेदन करते हुए कहा कि सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर लिया गया है, इसको मुक्त कराया जाए। वहीं, भागलपुर जिले से आए एक युवक ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुये कहा कि दबंगों द्वारा मेरी निजी जमीन को जबरन उनके नाम रजिस्ट्री कराने का दबाव बनाया जा रहा है और नहीं करने पर धमका रहे हैं। भागलपुर जिले से ही आये एक अन्य बुजुर्ग ने मुख्यमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि मेरी निजी जमीन पर पड़ोसियों द्वारा जबरन मकान बनाया गया है। इसकी शिकायत करने के बाद भी किसी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं हो रही है। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभाग को जांचकर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। भोजपुर जिले से आये एक युवक ने मुख्यमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि मेरी रैयती जमीन जो कि मेरे पिताजी के नाम से थी जिसका विभाग द्वारा दूसरे व्यक्ति के नाम से म्यूटेशन कर दिया गया है। इसकी शिकायत करने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुयी है। मुख्यमंत्री ने राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग को जांचकर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों को समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। मधेपुरा जिले से आए एक युवक ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि मेरी मां के नाम से डेढ़ कट्ठा जमीन है जब मैं अपने जमीन पर निर्माण कार्य कराने गया तो कुछ असमाजिक लोगों ने रोक लगा दिया। विभाग के द्वारा सारे कागजातों को सही पाए जाने के बाद भी किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। मुख्यमंत्री ने राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग को उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। वहीं अरवल जिले से ही आयी एक महिला ने आग्रह करते हुए कहा कि मेरी निजी जमीन को अतिक्रमणमुक्त कराया जाए। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों को उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बक्सर जिले से आए एक युवक ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि मेरा अपहरण कर मेरी जमीन की रजिस्ट्री जबरन करा ली गयी, जिसकी शिकायत करने पर किसी प्रकार की अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुयी है। वहीं बक्सर जिले से ही आए रिटायर्ड रेलवे अधिकारी ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि असमाजिक तत्वों द्वारा मेरे मकान को तोड़कर कब्जा कर लिया गया है और लाखों की संपत्ति लूट ली गई है। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों को उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। गोपालगंज जिले से आए एक व्यक्ति ने मुख्यमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि मेरे निजी मकान में रह रहे किराएदार द्वारा अनुचित हक जताया गया है, इसके लिए थाने में मामला दर्ज कराए जाने के बाद भी प्रशासन की तरफ से कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभाग को समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

10 विभागों से जुड़े मामलों पर हुई सुनवाई : जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 51 लोगों की समस्यायें सुनी व अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में सामान्य प्रशासन विभाग, गृह विभाग, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, निगरानी विभाग, खान एवं भू-तत्व विभाग, निर्वाचन विभाग, मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग एवं संसदीय कार्य विभाग से संबंधित मामलों पर सुनवाई हुयी।

ये रहें मौजूद : जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में वित्त, वाणिज्य कर एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री आलोक कुमार मेहता, खान एवं भूतत्व मंत्री डॉ रामानंद यादव, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन मंत्री सुनील कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव आमिर सुबहानी, पुलिस महानिदेशक आरएस भट्टी, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव सह मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, सचिव, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना राजीव मिश्रा, उप विकास आयुक्त, पटना तनय सुल्तानिया उपस्थित थे।

गुहार : ससुर की हत्या कर दी गई, अब जमीन हड़पने की कोशिश

पटना। जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए सहरसा जिले से आयी एक बुजुर्ग महिला ने कहा कि मैं बूढ़ी हूं, मेरे पति विकलांग हैं, मेरे ससुर की हत्या कर दी गई और दबंगों द्वारा मेरी जमीन को हड़पने को लेकर प्रताड़ित किया जा रहा है। मामले की शिकायत किए जाने के बाद भी किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। मुख्यमंत्री ने पुलिस महानिदेशक को उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। समस्तीपुर जिले से आयी एक महिला ने मुख्यमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि मेरे पति की हत्या कर दी गई। मामले में आरोपी के गिरफ्तारी के लिए लगातार गुहार लगाकर थक गया हूं लेकिन अब तक किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। वहीं समस्तीपुर जिले से ही आए एक अन्य फरियादी ने मुख्यमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि मैं जेपी आंदोलन में जेल जा चुका हूं लेकिन अब तक मुझे जेपी सम्मान पेंशन नहीं मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों को उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। जहानाबाद जिले से आयी एक महिला ने मुख्यमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि सास-ससुर द्वारा उसे घर से निकाल दिया गया है। मैं अपने दो बच्चों को लेकर दर-दर की ठोकर खा रही हूं। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभाग से जांचकर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

अरवल जिले से आये एक युवक ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि वर्ष 2019 से धानुक जाति का जाति प्रमाण पत्र नहीं बनाया जा रहा है, जिससे कोई भी फॉर्म भरने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। सुपौल जिले से आयी एक महिला फरियादी ने मुख्यमंत्री से फरियाद करते हुए कहा कि उनके शिक्षक पति द्वारा पत्नी और बच्चे को छोड़ दिया गया है, जिससे मैं दर-दर की ठोकर खा रही हूं।

बाबा हरिहरनाथ मंदिर पहुंचे राजद प्रमुख लालू प्रसाद, महादेव पर किया दूध का अभिषेक

प्रात : किरण

पटना। राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद सोमवार सुबह अचानक वह सोनपुर के हरिहरनाथ मंदिर पहुंच गए। उनके साथ पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी भी थीं। मंदिर में पंडितों के सामने विधि-विधान से लालू-राबड़ी ने पूजा-अर्चना की। महादेव पर दूध का अभिषेक करते हुए लालू प्रसाद दिखे। लालू-राबड़ी के आगमन की खबर जैसे ही फैलती गई वैसे ही भारी संख्या में लोग मंदिर के समीप इकट्ठा हो गए। पूजा अर्चना करने के बाद वह लालू और राबड़ी पटना लौट गये। जानकारी के मुताबिक लालू-राबड़ी ने हरिहरनाथ मंदिर में रुद्राभिषेक किया। अचानक से लालू राबड़ी हरिहरनाथ मंदिर पहुंचे थे। किसी को भी राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के आने की जानकारी नहीं थी। इससे पहले राजद सुप्रीमो गोपालगंज में मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की।

टाटा नगर दानापुर एक्स का आरा तक होगा विस्तार

केन्द्रीय मंत्री आर के सिंह की हो रही सराहना

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। आरा सहित आस-पास के क्षेत्र के लोगों को रेल के माध्यम से राज्य और देश के अन्य प्रान्तों से जोड़ने के लिए आरा सांसद सह केन्द्रीय मंत्री आर के सिंह का प्रयास जमीन पर उतर रहा है। अब 18183/84 टाटा नगर -दानापुर एक्सप्रेस का विस्तार आरा तक कर दिया गया है और इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया गया है। मंत्री श्री सिंह ने अभी कुछ दिन पहले ही रेलवे के सम्बंधित उच्च अधिकारियों से मुलाकात कर नई ट्रेनों के परिचालन और विस्तारीकरण की संभावना की फिजिबिलिटी स्टडी करने का निवेदन किया था, आरा जंक्शन पर वाशिंग पिट बनकर तैयार है, और यहाँ से नई ट्रेनों का परिचालन व विस्तारीकरण संभव हो गया है, मंत्री श्री सिंह ने ऐसे कई प्रस्तावों को रेलवे अधिकारियों के समक्ष रखा है, उन्होंने पटना-मडुआडीह जनशताब्दी एक्सप्रेस (15125/26) के बिहिया में ठहराव तथा राजेंद्र नगर दुर्ग साउथ बिहार एक्सप्रेस (13287/88), राजेन्द्र नगर-हावड़ा एक्सप्रेस (12351/52), पटना हटिया पाटलिपुत्र एक्सप्रेस (18621/22) तथा दानापुर-टाटानगर (18183/84) को आरा तक चलाने की संभावनाओं पर फिजिबिलिटी स्टडी करने का अनुरोध किया था। जिसमें दानापुर-टाटानगर (18183/84) का विस्तार आरा तक कर दिया गया है। मंत्री श्री सिंह ने आरा-धनबाद-जमशेदपुर के लिए एक नई ट्रेन शुरू करने के लिए फिजिबिलिटी स्टडी करने का निवेदन किया था, आरा-सासराम रेलवे लाइन के दोहरीकरण को लेकर भी बात की थी, उन्होंने अनुरोध किया था कि आरा-रांची जो प्रति सप्ताह तीन दिन चलती है उसे प्रतिदिन चलाया जाये। अपने किये गए वादे के अनुसार हसन बाजार हाल्ट पर ट्रेनों के ठहराव की भी बात की थी । आरा- सासाराम रूट पर कसाप हाल्ट बनाने तथा वहां ट्रेनों के ठहराव के सम्बन्ध में भी प्रस्ताव दिया है।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री ने शिक्षक दिवस के अवसर पर दी बधाई

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन को नमन करते हुए राज्य के शिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में शिक्षकों का बहुत बड़ा योगदान है। शिक्षक समाज के मेरुदंड हैं। इनको हर स्तर पर आदर एवं सम्मान मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि सभी शिक्षक राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। वे देश की भावी पीढ़ी को इस तरह तैयार करें कि उनके मन में देश प्रेम, भाईचारा और सद्भाव की भावना विकसित हो। उनके अंदर देश के लिए कुछ कर गुजरने की तमन्ना विकसित हो और वे अपनी योग्यता, ज्ञान, विज्ञान एवं व्यक्तित्व के सहारे देश का नाम उज्जवल करें।

बिहार प्रशासनिक सेवा के 28 अफसरों को बनाया गया प्रेक्षक

पटना। बिहार प्रशासनिक सेवा के 28 अधिकारियों को प्रेक्षक बनाया गया है। इन सभी अफसरों को बिहार विधानसभा की सुरक्षा प्रहरी परीक्षा को कदाचार मुक्त कराने को लेकर प्रेक्षक बनाया गया है। 10 सितंबर को पटना में 10 और मुजफ्फरपुर में 18 केंद्रों पर परीक्षा आयोजित है। इसके मद्देनजर बिहार प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को परीक्षा के सफल संचालन को लेकर यह जिम्मेदारी दी गई है।

भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान प्रबोध टिर्की कांग्रेस में हुए शामिल

भुवनेश्वर। पूर्व भारतीय हॉकी कप्तान प्रबोध टिर्की सोमवार को कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए हैं। टिर्की यहां ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी (ओपीसीसी) के अध्यक्ष शरत पटनायक, ओडिशा प्रभारी ए चेला कुमार और अन्य वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में कांग्रेस में शामिल हुए। उन्होंने अगला विधानसभा चुनाव तलसरा सीट से लड़ने की इच्छा जताई है। टिर्की ने कहा कि उन्होंने पार्टी में शामिल होने का फैसला किया क्योंकि वह राहुल गांधी के काम से काफी प्रभावित थे। प्रबोध ने 135 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। टिर्की को क्रमशः 2001 और 2009 में एकलव्य पुरस्कार और बीजू पटनायक राज्य खेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

कांग्रेस की नई कार्य समिति की पहली बैठक 16 सितंबर को हैदराबाद में होगी

नईदिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आगामी 16 सितंबर को हैदराबाद में नवगठित कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक बुलाई है। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ह्यकांग्रेस अध्यक्ष ने नई कार्य समिति की पहली बैठक 16 सितंबर को हैदराबाद में बुलाई है। इसके अगले दिन 17 सितंबर को विस्तारित कार्य समिति की बैठक होगी।ह्ल वेणुगोपाल ने बताया कि 17 सितंबर की शाम हैदराबाद के निकट एक विशाल जनसभा होगी। कांग्रेस ने गत 20 अगस्त को अपनी नई कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) का गठन किया था जिसमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और राहुल गांधी समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हैं।

जातीय हिंसा के चार महीने बाद मणिपुर को भूल गई केंद्र सरकार : कांग्रेस

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली/एजेंसी। कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि जातीय हिंसा भड़कने के चार महीने बाद केंद्र ने मणिपुर को भुला दिया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि पिछले चार महीने में दुनिया ने देखा है कि प्रधानमंत्री ने सबसे खराब संकट का सामना करने वाले मणिपुर को निराश किया है। रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, मणिपुर में तीन मई को जातीय हिंसा भड़कने के चार महीने बाद जब प्रधानमंत्री और उनकी वाह-वाह करने वाले, जी20 से जुड़े आयोजनों में लीन हैं, तब मोदी सरकार पूर्वोत्तर के इस राज्य को भूल गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने यह सुनिश्चित किया है कि मणिपुरी समाज आज पहले से कहीं अधिक विभाजित है। रमेश ने कहा, ह्यकेंद्रीय गृह मंत्री (अमित शाह) हिंसा को समाप्त करने और हथियारों और गोला-बारूद की बरामदगी सुनिश्चित करने में नाकाम रहे हैं। इसके बजाय कई और सशस्त्र समूह संघर्ष में शामिल हो गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने मणिपुर का दौरा करने, या सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने, या कोई विश्वसनीय शांति प्रक्रिया शुरू करने से इनकार किया है। रमेश ने आरोप लगाया, मानवीय त्रासदी के बीच, मणिपुर में संवैधानिक मशीनरी और समुदायों के बीच विश्वास पूरी तरह से टूट गया है। अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मैतेई समुदाय की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में जनजातीय एकजुटता मार्च आयोजित किए जाने के बाद मई की शुरूआत में मणिपुर में जातीय हिंसा भड़क गई थी, जिसमें 160 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है और सैकड़ों अन्य घायल हुए हैं। मणिपुर की आबादी में मैतेई लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं। वहीं, नगा और कुकी जैसे आदिवासियों की आबादी 40 प्रतिशत से कुछ अधिक है और वे ज्यादातर पहाड़ी जिलों में रहते हैं।

स्कूलों में छुट्टियों में कटौती का आदेश वापस

शिक्षा विभाग ने जारी की अधिसूचना

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। सरकारी स्कूलों में प्राथमिक से लेकर माध्यमिक शिक्षकों के छुट्टियों में कटौती को लेकर दिया गया आदेश वापस ले लिया गया है। शिक्षा विभाग ने सोमवार को छुट्टी कटौती के आदेश को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया है। दरअसल, शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव के के पाठक द्वारा एक चिट्ठी जारी कर प्राथमिक, माध्यमिक से लेकर उच्च माध्यमिक शिक्षकों तक की छुट्टियों में भारी कटौती कर दी गई थी। उसके बाद शिक्षक, शिक्षक संघ एवं भाजपा सहित अन्य दल के नेताओं ने इसका खासा विरोध किया था। बिहार राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारी डॉ भोला पासवान ,सूर्यकांत गुप्ता, प्रमोद कुमार आदि ने बयान जारी कर इसके खिलाफ आंदोलन करने की बात कही थी। शिक्षकों के विरोध के बाद शिक्षा विभाग ने यह बड़ा फैसला लिया है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक कन्हैया प्रसाद श्रीवास्तव ने सोमवार को अधिसूचना जारी की है। इसके तहत राजकीय राजकीयकृत, प्रारंभिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में छुट्टी की पुरानी व्यवस्था ही प्रभावी रहेगी। निदेशक ने इसकी जानकारी सभी जिला पदाधिकारियों, क्षेत्रीय शिक्षा उप

निदेशकों, बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के सचिव, सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के साथ-साथ सभी सरकारी विद्यालयों को भी दे दी है। इस आदेश के जारी होने के बाद विभिन्न शिक्षक संघों में खुशी देखी जा रही है। बता दें कि बिहार शिक्षक संघ ने सरकार के खिलाफ आंदोलन शुरू करने का फैसला लिया था। इसे लेकर रविवार को यूथ हॉस्टल में कई घंटे तक बैठक हुई थी। जिसमें 15 शिक्षक संघों ने हिस्सा लिया था। छुट्टियां रद्द करने का विरोध करने का फैसला लिया था। लेकिन इससे एक दिन पहले सरकारी स्कूलों में छुट्टियों में कटौती के आदेश को निरस्त कर दिया गया है। बता दें कि कल मंगलवार को शिक्षक दिवस है। सरकार के इस फैसले से शिक्षकों में खुशी देखी जा रही है। शिक्षक दिवस पर सरकार ने शिक्षकों को बड़ा तोहफा दिया है। बताते चलें की बिहार में इस साल के बचे हुए दिनों के लिए स्कूलों की छुट्टियां 23 से घटाकर 11 कर दी गई थी। इसको लेकर शिक्षा विभाग की ओर से नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया गया था।

सफलता अपने मिशन के उद्देश्यों को पूरा करने की दिशा में और आगे बढ़ गया विक्रम लैंडर

विक्रम लैंडर ने चंद्रमा की सतह पर एक बार फिर सॉफ्ट लैंडिंग की : इसरो

प्रात : किरण

बेंगलुरु/एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार को कहा कि विक्रम लैंडर उम्मीद भरे एक प्रयोग से सफलतापूर्वक गुजरा और इसने चंद्रमा की सतह पर एक बार फिर सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग की। इसरो ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि कमांड मिलने पर विक्रम (लैंडर) ने इंजनों को फायर किया, अनुमान के मुताबिक करीब 40 सेंटीमीटर तक खुद को ऊपर उठाया और आगे 30-40 सेंटीमीटर की दूरी पर सुरक्षित लैंड किया।

इसरो ने कहा कि विक्रम लैंडर अपने मिशन के उद्देश्यों को पूरा करने की दिशा में और आगे बढ़ गया। इसरो ने कहा कि अभियान की महत्वपूर्ण बात यह है कि इस प्रक्रिया से अब भविष्य में सैंपल वापसी और चंद्रमा पर मानव अभियान को लेकर आशाएं बढ़ गई हैं।

इसरो ने पोस्ट में कहा, विक्रम ने एक बार फिर चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग की। विक्रम लैंडर अपने उद्देश्यों को पूरा करने की दिशा में और आगे बढ़ा। यह उम्मीद भरे एक प्रयोग से सफलतापूर्वक गुजरा। कमांड मिलने पर इसने इंजनों को फायर

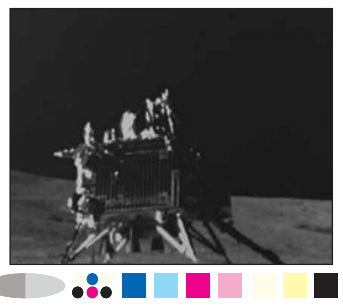

किया, अनुमान के मुताबिक करीब 40 सेंटीमीटर तक खुद को ऊपर उठाया और आगे करीब 30-40 सेंटीमीटर की दूरी पर सुरक्षित लैंड किया। अंतरिक्ष एजेंसी ने लिखा, महत्व क्या है? : इस प्रक्रिया से भविष्य में सैंपल वापसी और चंद्रमा पर मानव अभियान को लेकर आशाएं बढ़ गई हैं। विक्रम की प्रणालियां ठीक तरह से काम कर रही हैं और वे ठीक हालत में हैं, लैंडर में मौजूद रैम्प और उपकरणों को बंद किया गया और प्रयोग के बाद पुनः सफलतापूर्वक तैनात किया गया। भारत ने 23 अगस्त को चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर की सॉफ्ट लैंडिंग के बाद इतिहास रच दिया था। भारत चंद्रमा की सतह पर पहुंचने वाला चौथा देश और इसके दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश बन गया है।

संक्षिप्त खबरें

सीईओ देवांशु चौधरी को कर्मचारियों ने भावपूर्ण विदाई दी

दानापुर । नगर के अंतर्गत छावनी परिषद के सीईओ देवांशु चौधरी को कर्मचारियों ने भावपूर्ण विदाई दिए। श्री चौधरी का तबादला दिल्ली डीजी ऑफिस में डिप्टी डायरेक्टर जनरल के पद हो गया है। सोमवार को अपना पदभार आज डीओ ज्योति कपूर को सौप दिए। उन्होंने कहा कि आप सभी का सहयोग याद रहेगी। मैं अपने अधुरे कुछ काम करूंगा और ज्यादातार प्रोजेक्ट का टेंडर निकाल कर जा रहा हूं। यहां बहुत कुछ सीखने को मिला है। कार्यालय अधीक्षक एमडी फिरोज ने बताया कि सीईओ सर दो साल रहे।सभी कर्मचारियों को एक परिवार की तरह लेकर चले।मौके पर जेई छोटे लाल,मो परवेज समेत अन्य कर्मचारी थे।

छावनी परिषद को सौदियंकरण को लेकर बैठक की गई

दानापुर। नगर के अंतर्गत छावनी परिषद क्षेत्र को सौंदर्यीकरण किया जाएगा। क्षेत्र के विभिन्न जगहों पर स्थित पार्कों का कायाकल्प भी होगा।साथ ही कुड़ा कचरे को रिसाइकिल करने की भी रूप रेखा तैयार की जा रही है। उक्त बातें सोमवार को मुख्य कार्यकारी अधिकारी देवांशु चौधरी, आईडीईएस कही।बताया कि छावनी क्षेत्र में परमवीर चक्र पुरस्कार से सम्मानित सैनिकों के जीवन परिचय लिखा बोड लगाए जाएंगे। परिसर में 1962 में हुए भारत चीन युद्ध में शहीद परमवीर चक्र विजेता जोगिंद्र सिंह के बोर्ड लगाए गए हैं। इससे पहले छावनी परिषद में 48 किलोवाट ऑन-ग्रिड सौर ऊर्जा संयंत्र,डेंटल यूनिट और परमवीर चक्र पुरस्कार विजेता बोर्ड के साथ कार्डियक यूनिट का उद्घाटन बोर्ड के अध्यक्ष ब्रिगेडियर अमित शर्मा एसएम ने किया।प्रधान लिपिक मो परवेज ने बताया आईसीआई प्रोजेक्ट के तहत विकास कार्य किए जा रहे हैं।छावनी बोर्ड के मनोनीत सदस्य आशा देवी, सुधा वर्गिज,जई छोटे लाल,शंकर सिंह समेत अन्य गणमान्य थे।

पेड़ गिरने से यातायात हुई ठप

दानापुर। शाहपुर नगर के अंतर्गत रविवार की देर रात पीपल का पेड़ मुख्य मार्ग पर गिर पड़ा।जिससे दानापुर मनेर मार्ग पर यातायात ठप हो गया। पेड़ के चपेट में आने से एक बाईक और ठेला आ जाने से क्षतिग्रस्त हो गया।दोनों दिशाओं में गाड़ियों की कतारें लग गई।जो दिन के ग्यारह बजे के आसपास सामान्य हुई। लोगों ने बताया कि देर रात को आई तेज आंधी पानी के दौरान ही करीब बारह बजे के आसपास हाई स्कूल के उत्तर एक पुराना पीपल का पेड़ जड़ से उखड़ गया और सड़क पर जा गिरा।पेड़ के चपेट में आने से खासपुर निवासी लवकुश का बाईक और एक व्यक्ति का ठेला क्षतिग्रस्त हो गया।रात में गिरे पेड़ को दिन निकलने तक संबंधित विभाग और स्थानीय प्रशासन द्वारा हटाने का कोई नहीं पहल नहीं की गई। सड़क जाम लगातार बढ़ते जाने से दाउदपुर निवासी समाजसेवी ब्रिज कुमार ने लड़की काटने वाले अत्याधुनिक मशीन और मिस्त्री को लेकर पहुंचे और पेड़ को टूकड़ों में कटवाया।स्थानीय युवकों ने टुकड़ों को सड़क से हटाने में सहयोग किया।तब जाकर गाड़ियों का आना-जाना करीब सुबह नौ बजे शुरू हुआ।

छेड़खानी मामले में दो गिरफ्तार

पटना सिटी (प्राकि)। सुल्तानगंज थाना की पुलिस ने छेड़खानी के मामले में एक गार्ड को गिरफ्तार किया है। उक्त गार्ड सरयुग यादव को चौधरी टोला से गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष शेर सिंह यादव ने बताया कि नशा में छेड़खानी करते हुए खानमिर्जा मुहल्ला के मो आफताब को भी गिरफ्तार किया गया है। दोनों गिरफ्तार को जेल भेज दिया गया है।

मिलजूल कर मनाये त्योहार

पटना सिटी. जन्माष्टमी व चेहल्लूम को लेकर बहादुरपुर थाना में थानाध्यक्ष योगेशचंद्र की अध्यक्षता में शांति समिति के सदस्यों की बैठक हुई. इसमें थानाध्यक्ष ने सदस्यों ने मिलजूल कर त्योहार मनाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि सिपहर व ताजियों के लिए लाइसेंस अनिवार्य है. सदस्यों ने त्योहार को देखते हुए शनिचरा पुल, बकरी मंडी, शाहगंज नहर रोड और रामपुर पुल पर विशेष गश्ती और पुलिस बल की तैनाती करने पर बल दिया।

कार का शीशा तोड़ म्यूजिक सिस्टम, स्टेपनी चुराया, तोड़फोड़

पटना सिटी (प्राकि)। चौक थाना क्षेत्र के मुरारका परिसर में संजय केसरी रहते हैं। वह घर के पास ही अपनी कार, जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर बीआर 01बीजे 3696 को लगा रखे थे। सोमवार की अल सुबह करीब तीन बजे एक युवा सीसीटीवी कैमरे में आता दिखा। वह कार का शीशा तोड़कर वहां से साउंड सिस्टम, स्टेपनी आदि की चोरी कर लिया। इसके अलावा वाहन में तोड़फोड़ करते हुए तार को भी नोच डाला है। इस संबंध में संजय केसरी पिता स्व जयनारायण केसरी के द्वारा चौक थाना में मामला दर्ज कराया गया है। पुलिस पदाधिकारी मौके पर पहुंच कर छानबीन किए। पूरा मामला सीसीटीवी में भी कैद हो गया है।

नशे के लिए मां ने रुपया नहीं दिया तो मूसल से प्रहार कर मार डाला

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

नशे की हालत में मां से बेटा रुपए की मांग कर रहा था। मां ने नशापान के लिए रुपया देने से इनकार कर दिया। इसके बाद बेटे ने मां पर लोहे के मूसल से सिर पर प्रहार कर दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। सिर के पीछे से खासा खून बहने लगा। इस दौरान उसने किचेन का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया। मां के बेहोश हो जाने पर वह अपने कमरे में जाकर पत्नी के साथ बंद हो गया।

उसका बेटा आदित्य गौरव भी दादी के साथ किचेन में बंद था। मां को मारने के बाद वह घर से भागने की फिराक में था। इस दौरान सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी बेटे विकास भट्ट को गिरफ्तार कर लिया। घटना आलमगंज थाना क्षेत्र के पुरानी सिटीकोर्ट पेट्रोल पंप के समीप शेख बूचड़ की चौराहा मोहल्ला के पास की है। सर्वे कार्यालय, मुजफ्फरपुर में कार्यरत गोपाल भट्ट की पत्नी करीब 60 साल की तारा देवी की हत्या किए जाने के आरोपी बेटे विकास पर है। परिजनों ने बताया कि भांग और अन्य नशीले पदार्थ का वह आदी था। विकास बराबर मां से रुपए की मांग किया करता था। सोमवार को वह फिर मां से रुपए की मांग कर रहा था। मां रुपया नहीं होने की बात कह रही थी। इसी बात को लेकर मां-बेटे में कहा-सुनी होने लगी। इस बीच विकास ने नशे की हालत में मां तारा देवी के सिर पर मूसल से प्रहार कर दिया। वृद्ध मां खून से लथपथ होकर बेहोश हो गिर गई। घर में हंगामे की स्थिति बन गई। पोता आदित्य गौरव ने बताया कि दादी किचेन में थी, तभी पापा नशे की हालात में उससे रुपए की मांग कर रहे थे। रुपया नहीं दिए जाने पर मूसल से उसके सिर पर प्रहार कर दिया, जिससे बेहोश होकर दादी गिर गई। उसे और दादी को किचेन में बंद कर दिया गया। पोता आदित्य गौरव एवं अन्य के द्वारा शोर किए जाने पर मनोज भट्ट पहुंचे। घर का किवाड़ तोड़कर अंदर जाने पर देखा कि चाची के सिर से काफी खून बह रहा है और वह बेहोश पड़ी हैं।

घटना की जानकारी होने पर बड़ी संख्या में परिवार एवं समाज के लोग जुट गए। आनन-फानन में गंभीर रूप से जख्मी महिला को उपचार के लिए एनएमसीएच लेकर लोग गए। यहां जांच के दौरान चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर आलमगंज थाना की पुलिस पहुंची और बेटे विकास भट्ट को गिरफ्तार कर लिया है।

परिजनों ने बताया कि विकास को दो बेटा एवं एक बेटी है। विकास कुछ काम नहीं करता है और हाल के दिनों में नशे का आदी बन गया था। पिता उसे गुजारा करने के लिए हर माह रुपए दे रहे थे। लेकिन वह लगातार रुपया के लिए दबाव बनाता रहता था। सर्वे कार्यालय में कार्यरत पिता गोपाल भट्ट फिलहाल मुजफ्फरपुर में पदास्थापित हैं। रविवार को वह घर आए थे और सोमवार की सुबह मुजफ्फरपुर के लिए रवाना हुए हैं। एक छोटा बेटा अभिलाष भट्ट है। आलमगंज थाना के थानाध्यक्ष अभिजीत कुमार ने बताया कि हंगामा होने की खबर मिलने पर पुलिस पहुंची थी। मां की हत्या के अआरोप में बेटा विकास भट्ट को गिरफ्तार कर लिया गया है। पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद ही मामला स्पष्ट हो पाएगा। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

शराब के 30 व बीयर के चार कार्टन जब्त, दो गिरफ्तार

शराब 4 कार्टून को बड़े कार्टन में रख प्लास्टिक बोरा से किया पैक, कूरियर से मंगाया

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

उत्पाद विभाग की टीम ने बाइपास थाना क्षेत्र के इंद्रपुरी लोहा गोदाम गली में स्थित एक घर में छापेमारी कर विदेशी शराब और बीयर के 34 कार्टन बरामद किया है। सोमवार को उत्पाद विभाग के सहायक आयुक्त दीनबंधु को सूचना मिली कि यहां पर शराब लाया गया है। इसके बाद इंस्पेक्टर कुलबंत कुमार और सब इंस्पेक्टर नागेंद्र कुमार आदि के साथ टीम बनाकर यहां छापेमारी की गई।

पुलिस जब यहां पहुंची, तब एक मोटरसाइकिल से दो युवक शराब की पेटी (कार्टन) लेकर जा रहा था। मौके से दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार लोगों में आलमगंज थाना क्षेत्र के रहने वाले रोहित कुमार पिता अशोक सिंह एवं रोहित कुमार पिता विश्वनाथ है। दोनों गायघाट और चैली टाल का रहने वाला है। पुलिस दोनों गिरफ्तार से पूछताछ कर रही है कि आखिर कैसे शराब यहां लाया गया, कहां से लाया गया, इस नेटवर्क में कौन-कौन शामिल है। साथ ही एक मकान के नीचे में रहे गोदाम से 30 कार्टन विदेशी शराब और चार कार्टन बीयर भी बरामद किया गया है। एक मोटरसाइकिल को भी जब्त किया गया है। दरअसल शराब मंगाने का बिल्कुल नए तरीके से गोरखधंधा किया जा रहा था। शराब के चार कार्टन को एक बड़े से कार्टन में रखा गया था। फिर उसे बड़े कार्टन को प्लास्टिक के बोरा से ढंक कर सील दिया गया था, ताकि किसी को भी इसमें शराब होने के बारे में पता नहीं चल सके। यह सब धंधा कूरियर के माध्यम से किया जा रहा था, जो संभवतः किसी ट्रांसपोर्ट से लाकर यहां रखा गया था। उत्पाद विभाग की टीम गिरफ्तार दोनों से पूछताछ करने के साथ ही मिली जानकारी के आधार पर आगे कार्रवाई करने में लगी है।

नेता प्रतिपक्ष हरि सहनी का मसौढ़ी में जोरदार स्वागत

प्रात :किरण संवाददाता

मसौढ़ी। सोमवार को भाजपा कार्यकताओं ने बबन केवट के अध्यक्षता में विधानसभा के प्रतिपक्ष के नेता हरि सहनी का मसौढ़ी में जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर प्रतिपक्ष के नेता हरि सहनी ने राज्य सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा कि बिहार की सरकार तानाशाह रूप अपनाई हुई है।जिसके कारण बिहार के लोग परेशान हैं निषादों के आरक्षण पर जब पत्रकारों ने सवाल पूछा तो विरोधी दल के नेता सहनी ने जवाब देते हुए कहा कि भाजपा ने निषादों का आरक्षण नहीं छीना है मोदी जी ने विधानसभा चुनाव में निषाद और मल्लाह समाज को 11 टिकट देकर उनका हक दिया।लेकिन आज कल निषादों के आरक्षण के नाम परअपना बजूद बचाने में मुकेश साहनी लगे हुए है। नेता प्रतिपक्ष के काफिले में विकासशील इंसान पार्टी के कार्यकताओं ने कला झंडा दिखाकर रोकने की कोशिश किया।जब इस बात को लेकर पत्रकारों ने हरी सहनी से सवाल पूछा तो हरी सहनी ने बताया कि मुकेश साहनी को भाजपा चुनाव हारने के बाद भी विधान सभा में भेजना का काम किया।और उनके कार्यकर्ता इस तरह का घटिया काम करते हैं। निषाद समाज सब जान रही हैं।मौके पर पाटलिपुत्र सांसद रामकृपाल यादव ने कहा की पाटलिपुत्र के धरती पर नेता प्रतिपक्ष हरी सहनी जी का स्वागत करने का सौभाग्य मिला।साथ ही विपक्ष द्वारा नए गठबंधन इंडिया निर्माण किए जाने पर सांसद रामकृपाल यादव ने कहा की मोदी जी के विजय रथ को कोई रोक सकता है चाहे विपक्ष के लोग कितने ही गठबंधन बना ले लेकिन 2024 में आएंगे फिर मोदी जी विभिन्न भक्तों ने अपने-अपने बात को रखा। वही मौके पर नगर अध्यक्ष संजय केसरी ,टुनटुन शर्मा, शिव शंकर पांडे ,राकेश कुमार, विनोद यादव विजय यादव, अभिमन्यु पटेल, रविंद्र शर्मा , राकेश कुमार, नीरज शर्मा ,राजेंद्र पासवान ,रजनीश भारती एवं कई भाजपा नेता उपस्थित रहे।

अलम ले दहकते आग के अंगारे पर किया मातम

नौजरकटरा इमामबाड़ा में रात में किया गया आयोजन

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

नौजर कटरा स्थित इमामबाड़ा परिसर में सोमवार को आज का मातम का आयोजन रात में किया गया। अंजुमने पंजेतनी की ओर से आग का मातम का आयोजन किया जाता है। हजरत इमाम हुसैन व उनके 72 अंसारों की करबला के जंग में हुए शहादत पर आयोजित आग के मातम में मौलाना सैयद समर अब्बास के द्वारा तकरीर की गई।इसके बाद पंजेतनी के महासचिव सैयद अली इमाम, संयोजक सैयद अली अब्बास, तनवीरूल हसन तन्नू व सैयद जावेद अहमद बबलू आदि ने नौहाखानी की। इसके बाद अंजुमने पंजेतनी, अंजुमने अब्बासिया, दस्त ए सज्जादिया, अंजुमने हैदरी, अंजुमने हुसैनिया, अंजुमने सज्जादिया, अंजुमने हाशमियां, अंजुमने कासमियां आदि अंजुमन से जुड़े लोग दहकते आग पर नंगे पांव अलम लेकर चलते। इस दौरान धार्मिक जयकारा भी लगाया जाता। आयोजन में शिया बक्फ बोर्ड के चेयरमैन सैयद अफजल अब्बास, टीम सेवा के अध्यक्ष सैयद हसन अली, सैयद जिया उर्फ पन्ना, मौलाना अली इमाम, एकबाल हैदर, जावेद हुसैन के साथ महिलाएं व बच्चे इसे देखने को उपस्थित थे। आयोजकों ने बताया कि चेहल्लूम तक मजलिस और अलम का जुलूस निकलता रहेगा। मंगलवार को याहिया मंजिल से अलम के साथ मातमी जुलूस निकला जाएगा, जो नवाब बहादुर रोड हज्जन साहेब के फाटक तक आएगा। चेहल्लूम के दिन बावली इमामबाड़ा से दुलदुल का जुलूस निकलेगा, जो नौजर कटरा तक जाएगा। इसी दिन शाम को फिर बावली इमामबाड़ा से ही अलम का जुलूस निकलेगा, जो शाह बकार की तकिया चैलीटाल स्थित शाह बकार की तकिया कर्बला तक जाएगा।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी भक्तिभाव से कैसे मनाएँ एवं उसका महत्व

पूर्ण अवतार भगवान श्री कृष्ण ने श्रावण माह की कृष्ण पक्ष की अष्टमी को पृथ्वी तल पर जन्म लिया। उन्होंने बाल्यकाल से ही अपने असाधारण कर्तृत्व से भक्तों के संकट दूर किए । प्रतिवर्ष भारत में मंदिरों व धार्मिक संस्थाओं में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव बड़े स्तर पर मनाया जाता है। उत्सव मनाने की पद्धति भिन्न-भिन्न प्रांत के अनुसार भिन्न- भिन्न होती है। उत्सव के निमित्त अनेक लोग एकत्रित आकर भक्ति भाव से यह उत्सव मनाते हैं। इस वर्ष श्री कृष्ण जन्माष्टमी 6 सितंबर को है । इस लेख के माध्यम से हम श्री कृष्ण जन्माष्टमी का महत्व जानेंगे।

महत्व : जन्माष्टमी के दिन श्री कृष्ण तत्व हजार गुना अधिक कार्यरत होता है । इस तिथि को 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' यह नामजप तथा श्री कृष्ण की अन्य उपासना भावपूर्ण करने से श्री कृष्ण तत्व का अधिकाधिक लाभ मिलने में सहायता होती है । मासिक धर्म, अशौच एवं स्पर्शा-स्पर्श इनका स्त्रियों पर होने वाला परिणाम इस दिन व्रत करने से तथा ऋषि पंचमी का व्रत करने से न्यून होता है। पुरुषों पर होने वाला परिणाम क्षौर आदि प्रायश्चित कर्म से एवं वास्तु पर होनेवाला परिणाम उदक शांति से न्यून होता है ।

श्री कृष्णाष्टमी पर भजन संध्या व श्रृंगार पूजा 7 को

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

मच्छरहट्टा स्थित लगभग 400 वर्ष प्राचीन मंदिर श्री ठाकुर गोपीनाथ मंदिर न्यास समिति की ओर से श्री कृष्णाष्टमी की तैयारी के लिए मंदिर प्रांगण में जय जय श्री राधे के जयघोष के साथ बैठक शुरू हुई। इसकी अध्यक्षता करते मंदिर अध्यक्ष डॉ त्रिलोकी प्रसाद गोलवारा ने बताया कि श्री कृष्ण जन्मोत्सव इस वर्ष अनेक शुभ योगों के बीच पड़ रहा है। भादो के कृष्ण पक्ष अष्टमी को अर्द्धरात्रि चंद्रोदय के समय जब रोहणी नक्षत्र का संयोग होता है, तब जन्माष्टमी मनाने का शास्त्रोक्त परंपरा है। इस परंपरा को आत्मसात करते हुए श्री ठाकुर गोपीनाथ जी मंदिर में शास्त्रोक्त विधि से जन्माष्टमी मनाया जाएगा। मंदिर न्यासी सदस्य संजीव कुमार यादव ने बताया कि सात अगस्त गुरुवार को जन्माष्टमी पर भजन संध्या, रासलीला एवं कृष्ण झूलन का आयोजन किया गया है। सशमंदिर परिसर को श्री कृष्ण लीला के विभिन्न मुद्राओं की कलाकृति से सुसज्जित किया जाएगा। आयोजन को सफल बनाने के लिए राजेश राय, रतनदीप राय, शिव प्रसाद मोदी, मोहित मुरारका, अजय यादव, श्याम शर्मा, संजय केशरी, पप्पू मोदी आदि सक्रिय हैं। इधर गोविंद बाग मंदिर, चौधरी गली में सात एवं आठ सितंबर को दो दिवसीय जन्माष्टमी महोत्सव मनाया जाएगा। समिति के अध्यक्ष शशिशेखर रस्तोगी की अध्यक्षता में बैठक गोविंद बाग मंदिर में हुई। इसमें निर्णय लिया गया कि सात को श्री कृष्ण जन्मोत्सव मनाया जाएगा और शुक्रवार को सुबह आठ बजे नंदोत्सव और शाम छह बजे मुख्य समारोह कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के तहत भगवान श्री कृष्णा पर आधारित फूलों की होली, महारास, लठमार होली, गोदना मयूरी, सुदामा चरित्र जैसे कार्यक्रम की प्रस्तुति कलाकारों द्वारा की जाएगी। महोत्सव को लेकर मंदिर प्रांगण के साथ आसपास के क्षेत्र को रंगीन बल्ब और झार फानुस से सजाया जा रहा है। बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष संजय प्रकाश, उपाध्यक्ष संजीव देवड़ा, कोषाध्यक्ष सूरज कुमार, राजकुमार गुप्ता, अजय यादव, मनीष सिंह, मनोज यादव, भरत सुल्तानिया, राजू यादव और शशि सुल्तानिया मौजूद थे।

जनता को दिग्भ्रमित करने के लिए है वन नेशन-वन इलेक्शन का दांव : उमेश

पटना। बिहार जनता दलयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने सोमवार को बयान जारी कर केंद्र की मोदी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार द्वारा वन नेशन-वन इलेक्शन का नया शिगूफा पूरी तरह चुनावी राजनीति से प्रेरित है। 9 सालों तक केंद्र की सरकार सोई हुई थी लेकिन अब लोकसभा चुनाव नजदीक है तो जनता का ध्यान आवश्यक मुद्दों से भटकाने के लिए नए-नए दांव खेल रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रयास से जिस प्रकार मौजूदा जनविरोधी सरकार के खिलाफ विपक्षी एकता आकार ले रहा है, उससे भाजपा का शीर्ष नेतृत्व भयभीत और चिंतित है और इसी भय का परिणाम है कि मोदी सरकार कभी समान नागरिक संहिता लागू करने की बात करती है तो कभी वन नेशन-वन इलेक्शन की बात करती है। जनता की मूल समस्याओं से सम्बंधित मुद्दों पर बात करने के अलावे भाजपा उन सभी गैरजरूरी मुद्दों पर बात करती है, जिससे देश की जनता को दिग्भ्रमित किया जा सके। श्री कुशवाहा ने कहा कि मोदी सरकार को देश के युवाओं की चिंता नहीं है, देश के किसानों की चिंता नहीं है, मणिपुर में बिलखती महिलाओं की चिंता नहीं है, महंगाई से त्रस्त गरीबों की चिंता नहीं है। मोदी सरकार को चिंता है तो सिर्फ और सिर्फ अपने कुर्सी की चिंता है। अपने गिनेचुने उद्योगपति मित्रों को फायदा पहुंचाने की चिंता है। 9 सालों तक भाजपा ने देश की जनता को छलने और ठगने का काम किया है। भाजपा अब चाहे जितनी मर्जी षड्यंत्र रच ले मगर 2024 में जनता इनके बहकावें में नहीं आएगी।

सुख का श्रृंगार विपत्ति का आहार होता है आभूषण : अश्विनी

पटना। केन्द्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामले व सार्वजनिक वितरण विभाग के मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने कहा कि ज्वेलरी हर महिलाओं को प्रिय होता है और यह सुख का श्रृंगार व विपत्ति का आहार होता है। अश्विनी चौबे स्वर्णकार समाज विकास एवं शोध संस्थान(एसएसवीएएसएस) के तत्वावधान में राजधानी पटना के होटल पाटलीपुत्रा एक्सजोर्टिका में तीन दिवस राष्ट्रीय आभूषण प्रदर्शनी सह ज्वेलरी महोत्सव के दूसरे दिन स्टॉल का अवलोकन कर महोत्सव का शुभारंभ कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत सरकार उपभोक्ता के सरंक्षण व समृद्धि के क्षेत्र में काम कर रही है।

ग्रामीण एसपी सैयद ईमरान मसूद करेंगे वर्चुअल जनसुनवाई

प्रात : किरण संवाददाता

फतुहा। फतुहा और बाढ़ अनुमंडल के सभी थानों में एक साथ एसपी सैयद ईमरान मसूद जन शिकायतों और समस्याओं को ना सिर्फ सुनेंगे बल्कि निबटारा भी करेंगे। जानकारी अनुसार 5 सितंबर को वैसे सभी नागरिकों से अपील की गई है की वे अपने-अपने थाना में पहुँचे और अपनी समस्या सीधे एसपी साहब से साझा करें, वे 11 बजे से 1 बजे तक आपकी समस्याओं को सुनकर उसके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे। इसलिए बाढ़ और फतुहा अनुमंडल के सभी थाना क्षेत्रों के आम से लेकर खास नागरिकों को अपने-अपने थाना परिसर में उपस्थित रहने की खुद एसपी सैयद ईमरान मसूद व सभी थानाध्यक्षों ने अपील की है। एसपी सैयद ईमरान मसूद हर थाना में जूम के माध्यम से वर्चुअली उपस्थित रहेंगे जिसका समय 11 बजे से 1 बजे निर्धारित है, इस दौरान आप अपनी समस्या सीधे एसपी साहब से बता सकेंगे ताकि वे आपके समस्या के समाधान हेतु उचित कदम उठा सकें। मीडिया से बात करते हुए एसपी सैयद ईमरान मसूद ने कहा की वे हर थाना क्षेत्र में एक साथ लोगों से बात कर 11 से 1 बजे तक जन समस्याओं की सुनवाई और उसके सामाधान के लिये ठोस कदम उठाएंगे। सीधे पुलिस कप्तान द्वारा एक साथ सभी थाना में लोगों की समस्याओं को सुनें जाने व इसके समाधान का ये पहला और अनूठा उदाहरण होगा।

आरएमआरआई से वैज्ञानिक डॉ वीएनआर दास को दी गई विदाई

प्रात : किरण संवाददाता

पटना सिटी (प्राकि)। आरएमआरआई मैं वैज्ञानिक जी और उपनिदेशक के पद पर रहे डॉक्टर वीएनआर दास सेवा से निवृत्त हो गए।

आर मरी में आयोजित साढे समझ में डॉक्टर दास को विदाई दी गई इस दौरान निदेशक डॉक्टर कृष्णा पांडे ने उन्हें अंग वस्त्र प्रतीक चिन्ह पवित्र ग्रंथ गीता एवं अन्य समाज प्रदान किया गया। इस दौरान डॉ सीएस लाल, डॉ अभिक सेन, डॉ बीपी सिंह, डॉ गणेश चंद्र साहू, डॉ मेजर मधुकर, डॉ गोपाल विश्वास, डॉ शुभंकर, डॉ अनिता कुमारी, डॉ बहाव अली, डॉ आशीष के अलावा राकेश कुमार, अजीता कुजूर, संजय चतुर्वेदी, रैना सिन्हा, एसपी शर्मा, संजीत साहू आदि मौजूद थे।

अभाकाम के अवधेश सिन्हा प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत

प्रात : किरण संवाददाता

पटना सिटी (प्राकि)। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के बिहार प्रदेश इकाई में पूर्व पार्षद अवधेश कुमार सिन्हा को उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया है। इस संबंध में प्रदेश अध्यक्ष राजीव रंजन सिन्हा ने श्री अवधेश को पत्र जारी कर सूचित किया है। उनके उपाध्यक्ष पद पर मनोनयन पर प्रगतिशील कायस्थ समाज के अध्यक्ष लाला प्रकाश, महामंत्री प्रमोद सिन्हा, पंकज सिन्हा, रितेश रंजन, पटना सिटी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा, पूर्व अध्यक्ष नवीन कुमार सिन्हा आदि ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आशा जताई है कि श्री सिन्हा के नेतृत्व में अभाकाम बिहार प्रदेश में और मजबूत होगी। साथ ही चित्रांशों के हक की लड़ाई के लिए संघर्षशील रहेगी।

शशिशेखर को संस्था का बनाया संरक्षक

प्रात : किरण संवाददाता

पटना सिटी (प्राकि)। समाजसेवी शशिशेखर रस्तोगी को सामाजिक- सांस्कृतिक संस्था नई दिशा परिवार का संरक्षक मनोनीत किया गया है।

संस्था द्वारा आयोजित संगोष्ठी सह सम्मान समारोह में पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद, पूर्व मंत्री एवं विधायक नंदकिशोर यादव, पूर्व कुलपति प्रो रास बिहारी सिंह, नालंदा खुला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो केसी सिन्हा, समाजसेवी शिव प्रसाद मोदी, कमलनयन श्रीवास्तव डॉ ध्रुव कुमार, डॉ (प्रो) सुधा सिन्हा, डॉ आरती कुमारी की उपस्थिति में श्री रस्तोगी को संस्था का संरक्षक घोषित किया गया। यह जानकारी संस्था के संस्थापक सचिव राजेश ने दी।

मछुआरों का छीना जा रहा रोजी-रोटी : त्रिलोक निषाद

प्रात :किरण संवाददाता

पटना सिटी। बिहार निषाद संघ के अध्यक्ष त्रिलोक सिंह निषाद ने बयान जारी कर कहा कि बिहार में मछुआरों का लगातार शोषण और जीविका सरकार की गलत नीतियों के कारण छीना जा रहा है। नदियों पर पुल-पुलिया बनने से किश्ती का परिचालन बंद हो गया है। बालू पर भी माफिया का कब्जा हो गया। इसके कारण लाखों मछुआरा बेरोजगार हो गए। अब नीतीश सरकार की गलत नीतियों के कारण मत्स्य जलकर प्रबंधन अधिनिय 2006 का उल्लंघन करते हुए पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के द्वारा तालाबों, जलाशय एवं सदाबहार नदियों को खुले डाक के द्वारा बंदोबस्त किया जा रहा है, जबकि अधिनियम के अनुसार बिहार में प्रखंडों के मत्स्यजीवी सहयोग समिति के साथ बंदोबस्त करना है। ऐसा नहीं कर लाखों मछुआरों का रोजी-रोटी छिन कर बेरोजगार और हकमार हो रही है। मछुआ समाज इसे कभी बर्दाश्त नहीं करेगा और अपने अधिकार के लिए संगठित होकर बिहार में नीतीश सरकार की गलत नीतियों का विरोध करते हुए आंदोलन करेगा। सरकार से मांग है कि जलकर अधिनियम के अनुसार ही जलाशय, तालाबों और सदाबहार नदियों का बंदोबस्त मत्स्यजीवी सहयोग समिति के साथ कर लाखों मछुआरों को बेरोजगार होने से बचाए।

कैंप लगाकर किसानों के बीच बीज वितरण किया जाए:सर्वजीत

कृषि मंत्री ने नवादा जिला के सिरदला एवं मेसकौर प्रखण्ड का किया निरीक्षण

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

- अनुपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों पर कठोर कार्रवाई करने का दिया निदेश

कृषि मंत्री कुमार सर्वजीत ने सरकार किसानों को हर हाल में सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु प्रतिबद्ध है। किसी भी परिस्थिति में किसानों को परेशान नहीं होने दिया जायेगा। मंत्री उक्त बातें सोमवार को नवादा जिला के सिरदला प्रखंड एवं मेसकौर प्रखण्ड का औचक निरीक्षण के दौरान कही। उन्होंने कहा कि किसान, सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस खरीफ मौसम में अल्पवृष्टि के कारण किसानों के जो खेत खाली रह गए हैं, उनके लिए सरकार द्वारा आकस्मिक फसलों जैसे मक्का, मटर, सरसों आदि के बीज किसानों को निःशुल्क उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि किसानों को आसानी से बीज मिले तथा सही किसानों तक बीज पहुँचे यह सुनिश्चित करने के लिए मैं स्वयं विभिन्न जिलों के प्रखंडों में जाकर बीज वितरण कार्य की समीक्षा कर रहा हूँ। बीज वितरण में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। जो भी अधिकारी, कर्मचारी किसानों को परेशान करेंगे, उनके विरुद्ध कठोर अनुशासनिक कार्रवाई की जायेगी। मंत्री ने अधिकारियों को निदेश दिया कि कैंप लगाकर किसानों के बीच बीज वितरण कराया जाये तथा कैंप लगाने की सूचना संबंधित कृषि समन्वयक एवं किसान सलाहकार के माध्यम से किसानों को समय पर दी जाये, ताकि किसानों को कोई परेशानी नहीं हो। उन्होंने उर्वरकों के निर्धारित मूल्य पर एवं आसानी से उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु जिला कृषि पदाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि जहाँ से भी किसानों द्वारा कालाबाजारी या अधिक मूल्य पर उर्वरक विक्री की शिकायत प्राप्त हो, वहाँ जाँच कर अविलंब संबंधित विक्रेता पर प्राथमिकी दर्ज करते हुए कानूनी कार्रवाई की जाये।

निरीक्षण के क्रम में उन्होंने खरीफ फसलों की स्थिति, बीज वितरण, आकस्मिक फसलों का बीज वितरण सहित उर्वरकों की स्थिति की समीक्षा किया। सिरदला प्रखंड में कृषि पदाधिकारी, कृषि समन्वयकों, सहायक तकनीकी प्रबंधक, प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक, प्रखंड उद्यान पदाधिकारी एवं किसान सलाहकार सभी अनुपस्थित पाए गए। इसी तरह, मेसकौर प्रखंड के निरीक्षण में भी यही स्थिति पाई गई। माननीय मंत्री ने जिला कृषि पदाधिकारी को इन दोनों प्रखण्डों में सभी अनुपस्थित कर्मियों से स्पष्टीकरण पूछने एवं उन पर कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने पारस अस्पताल जाकर पटना के जिलाधिकारी की तबीयत का जाना हाल चाल

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को पारस अस्पताल में जाकर पटना के जिलाधिकारी चन्द्रशेखर सिंह का हाल चाल जाना। उन्होंने श्री चन्द्रशेखर सिंह से बातचीत की और उनके स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने पारस अस्पताल के चिकित्सकों से भी श्री चन्द्रशेखर सिंह के इलाज के संबंध में जानकारी ली। डेंगू से संक्रमित होने के बाद श्री चन्द्रशेखर सिंह का पारस अस्पताल में इलाज चल रहा है।

वन नेशन, वन इलेक्शन, भारत की मूल भावना पर प्रहार : भाकपा

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने कहा कि वन नेशन, वन इलेक्शन, भारत की मूल भावना पर प्रहार है। भारत की संविधान की आत्मा से खिलवाड़ है। यह मोदी सरकार द्वारा देश के लोकतंत्र को बर्बाद करने का एक और प्रयास है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी पहले हीं देश में लोकसभा और विधानसभाओं का चुनाव एक साथ कराने के केंद्रीय विधि आयोग के प्रस्ताव को खारिज कर चुकी है। इस संबंध में भाकपा केंद्रीय विधि आयोग को भी पत्र भेजी है। इसमें उन्होंने एक साथ चुनाव कराने पर व्यावहारिक कठिनाइयों को दशार्या है। भाकपा राज्य सचिव ने कहा कि अगर केंद्र में किसी भी एक पार्टी को बहुमत नहीं मिलती है और सरकार नहीं बन पाती है, और संसद भंग हो जाती है तो ऐसी स्थित में संसद के साथ-साथ सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव भी कराने पड़ेंगे जबकि राज्य सरकार के पास बहुमत होगा। बहुमत होने के बावजूद विधानसभा को भंग कर उप चुनाव कराने पर संवैधानिक संकट भी खड़ा हो जायेगा। इसलिए एक साथ लोकसभा और विधानसभा का चुनाव कराया जाना ठीक नहीं है। लोकसभा के साथ कई राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव भी कराये जाते हैं। वाबजूद इसके चुनाव खर्चे में कोई कमी नहीं आती है। भाकपा राज्य सचिव ने वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर गठित कमेटी में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को शामिल किए जाने पर भी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार पूर्व राष्ट्रपति को भी राजनीतिक फायदे के लिए इस्तेमाल करने लगी है। उन्होंने कहा कि भाजपा महगांई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, दलितों, आदिवासियों, महिलाओं, अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार से ध्यान हटाने के लिए एक देश एक चुनाव का मुद्दा उछाला है, जो अत्यन्त ही आपत्ति जनक है।

वन नेशन वन इलेक्शन देश की संघीय व्यवस्था पर बड़ा चोट : पप्पू

बीजेपी का सनातन दलित विरोधी है

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

जन अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सांसद पप्पू यादव ने उत्तरी मंदिरी स्थित आवास पर सोमवार को प्रेस वार्ता का आयोजन किया। मीडिया से बातचीत के दौरान पप्पू यादव ने कहा कि निकट भविष्य में आने वाला जो भी चुनाव होगा, उसमें जन अधिकार पार्टी के भूमिका के बगैर कोई सरकार नहीं बन सकती है। वहीं, पप्पू यादव ने वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर बीजेपी और मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन देश के संघीय व्यवस्था पर बड़ा चोट है, देश के संवैधानिक दायित्व पर बड़ा चोट है। वहीं, जातीय गणना को लेकर बीजेपी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जिस तरीके से कभी जाति गणना पर बीजेपी खिलाफ हो जाती है फिर बीजेपी ने अपना हलफनामा सर्वोच्च न्यायालय में बदल देती है। आखिरकार ये डर क्या दिखाता है। देश में जो दलित हैं, चंद्रवंशी हैं, पासवान हैं, केवट हैं, इन सबके अलावा कई जातियों जो आर्थिक और सामाजिक और राजनीतिक रूप से कमजोर हैं, जिनको लेकर बीजेपी हमेशा कहती है कि गणना होनी चाहिए, कभी कहती है नहीं होनी चाहिए। इतना कंफ्यूज देश की सरकार कैसे हो सकती है।

पप्पू यादव ने कहा कि केंद्र सरकार अपनी पीठ हमेशा थपथपाते रहती है, लेकिन उन्हें देश के युवाओं और बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था, महिलाओं की सुरक्षा पर भी बोलना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार से सवाल किया है कि वन नेशन वन इलेक्शन कमेटी में हरीश साल्वे, जो 70 साल की उम्र में तीसरी शादी करते हैं। जिंदगी भर चलने वाली शादी उनकी 3 साल भी नहीं चला पाते हैं ऐसे लोग 5 साल में ही देश को चलाना चाहते हैं। सोचिए जिसकी शादी 5 साल चली वे लोग वन नेशन वन इलेक्शन कमेटी में है। जिन्हें देश के संस्कृति का ज्ञान ही नहीं है। पप्पू यादव ने कहा कि जब देश से भाजपा मुक्त हो रही है। जब देश की 140 करोड़ की जनता ने मन बना लिया है। उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि, कभी आप अरविंद केजरीवाल, उद्धव ठाकुर, कभी स्टालिन को गाली देते हैं। वहीं, उन्होंने कहा कि तमिलनाडु सीएम के बेटे उदय स्टालिन ने कुछ गलत नहीं कहा है। उन्होंने कहा कि सनातनी सभ्यता संस्कृति हमारी ताकत है लेकिन जिस सनातनी धर्म के नाम पर कट्टरवादी सोच दलितों, पिछड़ों, अतिपिछड़ों को कमजोर कर रहा है। वह हमारे जीवन जीने के तरीके पर हमला कर रही है, वैसा कट्टरपंथ हमें नहीं चाहिए। पप्पू यादव ने कहा कि बीजेपी का सनातन दलित, अतिपिछड़ा और पिछड़ा विरोधी है, जो ऊंची जाति के लोग सनातन को मानते हैं जो कट्टरवाद को नहीं मानते हैं। देश के कानून व्यवस्था और संस्कृति पर चलने वाले 90 फीसदी लोग सनातनी हैं। देश के 140 करोड़ लोग दूसरे के विचारधारा विचार का धर्म का सम्मान करते हैं जो दूसरे के विचारधारा उनके धर्म को गाली देता है वह कभी भी सनातनी नहीं हो सकता बीजेपी और आरएसएस कभी सनातन नहीं हो सकते हैं। जाप कार्यालय में धनबाद से आए इसराइल आलम, मो खलील खां ,जियाउल हक ,सईद उमर फारुक ने जन अधिकार पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। जाप राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मुतुर्जा आलम, को जन अधिकार पार्टी के झारखंड का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया।

राष्ट्रीय लोजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष बनें मिन्टू यादव

पटना। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष प्रिंस राज नें वैशाली जिला के राघोपुर निवासी श्रीनाथ आर्य उर्फ मिन्टू यादव को प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किया। प्रदेश प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी ललन कुमार चन्द्रवंशी ने ने बताया कि श्री यादव लोक जनशक्ति पार्टी के संस्थापक स्व0 रामविलास पासवान जी समयकाल से सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में संगठन मजबूती के लिए लगन से काम करते आ रहे हैं इनकी कार्यक्षमता को देखते हुए प्रिंस राज ने प्रदेश कमिटी में उपाध्यक्ष पद पर मनोनयन किया। इनके मनोनयन पर पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष बिटू गुप्ता, दलित सेना प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम कुमार दाहा,युवा प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्र यादव, पारसनाथ गुप्ता, कामेश्वर सिंह,, प्रमोद सिंह, राजेश सिंह, विश्वनाथ पासवान, चन्दन गाँधी, मनोज सिंह, शिवम सिंह, राजू राजवीर, सहित तमाम लोगों ने मिन्टू यादव को बधाई दी और सभी ने कहा कि यादव के मनोनयन से पार्टी संगठन को मजबूती मिलेगी।

राजभाषा पखवाड़ा के अंतर्गत हिंदी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

पटना। पूर्व मध्य रेल मुख्यालय द्वारा आयोजित राजभाषा पखवाड़ा के दौरान सोमवार को हिंदी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों के कर्मियों ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि इस प्रतियोगिता के लिए पूर्व मध्य रेल के सभी विभागों को पूर्व में ही सूचित किया गया था। प्रतिभागियों को अपनी इच्छानुसार प्रतियोगिता में किसी एक विषय पर लिखना था। हिंदी निबंध प्रतियोगिता हेतु 02 विषय पूर्व में ही निश्चित किए गए थे। डिजिटल इंडिया मिशन.आयुष्मान भारत योजना.इस प्रतियोगिता का उद्घाटन उप मुख्य राजभाषा अधिकारी सह उप विसमुलेधि (वित्त एवं बजट) ने किया। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में राजभाषा विभाग द्वारा राजभाषा के प्रचार-प्रसार के निमित्त विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों सहित अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इससे रेलकर्मियों को राजभाषा में कार्य करने के लिए प्रोत्साहन मिलता है एवं रेल कार्यालय में सकारात्मक वातावरण का निर्माण होता है। प्रतियोगिता में कुल 06 पुरस्कार हैं : प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं प्रेरणा के 03 (तीन). आज के प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों के कर्मचारी प्रतिभागी के रूप में उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार पाने वाले प्रतिभागियों को 29 सितंबर को राजभाषा पखवाड़ा-2023 पुरस्कार वितरण समारोह सह सांस्कृतिक कार्यक्रम के अवसर पर महाप्रबंधक महोदय द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा।

सनातन में भाजपा की श्रद्धा नहीं, सिर्फ वोटों के लिए करते हैं उपयोग: राजीव

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

भाजपा पर हमला बोलते हुए जदयू के राष्ट्रीय महासचिव व प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा है कि भाजपा के नेता दिखावे के लिए सनातनी बनते हैं लेकिन सनातन की परंपराओं व मूल्यों में उनकी कोई आस्था नहीं है। इनके लिए सनातन धर्म सिर्फ लोगों की भावनाओं को भड़का कर वोट पाने का जरिया भर है। उन्होंने कहा कि पटनदेवी में माता की मूर्ति को गर्भ गृह से ऊपर लाकर रखा गया। उनके मन्दिर निर्माण के लिए वहां के पुजारी व लोग कई वर्षों से भाजपा के विधायकों व सांसद के चक्कर काटते रहें, लेकिन वर्षों से वहां चुनाव जीत रहे भाजपा के नेताओं ने कुछ नहीं किया। थक-हार कर लोग मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास गये। उन्होंने तत्काल अपनी पार्टी के कई विधायकों, विधानपार्षदों आदि से बात कर फंड इकट्ठा करवाया और आज वहां माँ पटनदेवी भव्यता से मन्दिर में विराजमान हैं। इस दौरान भाजपा के किसी व्यक्ति ने कोई मदद नहीं की। भाजपा के सनातन विरोधी होने का इससे बड़ा प्रमाण और क्या हो सकता है। जदयू महासचिव ने कहा कि वास्तव में सनातन का पालन कैसे करें, भाजपाइयों को यह मुख्यमंत्री से सीखना चाहिए। सनातनी परंपरा सभी धर्मों, पंथों आदि का सम्मान करने की शिक्षा देती है। इसी पालन करते हुए मुख्यमंत्री ने बिहार में बिना किसी भेदभाव के सभी धर्मों के धार्मिक स्थलों को विकसित कर वहां सुविधाएँ बढाई हैं। उनके नेतृत्व में अभी हाल ही में राजगीर का मलमास कितने भव्य तरीके से आयोजित हुआ, यह सभी ने देखा है। उन्होंने ही बिहारशरीफ स्थित मकबूल साहब के मकबरे को काफी अच्छे तरीके से बनवाया है। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में बिहार ने गुरुगोविन्द सिंह जी के 550 वें प्रकाश उत्सव को कितना धूमधाम से मनाया था इसका पूरा देश साक्षी है। इसके अतिरिक्त उन्होंने बौद्ध और जैन समाज के प्रमुख स्थलों का जीर्णोद्धार और विकास भी बखूबी करवाया है। वास्तव में भाजपा को समझना चाहिए कि सनातन प्रेम की शिक्षा देता है, उन्माद की नहीं. सनातन भाईचारे के संदेश देता है, विवाद का नहीं।

घमंडिया गठबंधन सनातन धर्म को समाप्त करने का कर रही प्रयास : सम्राट

पटना। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने उदयनिधि स्टालिन के सनातन को लेकर दिए गए बयान पर सोमवार को कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि घमंडिया गठबंधन में जितने लोग हैं, देश के सनातन धर्म को समाप्त करने का प्रयास कर रही है और तुष्टिकरण कर रही है। सोमवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुए श्री चौधरी ने जदयू, राजद और कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि आखिर ये लोग इस मामले पर चुप क्यों हैं। भाजपा नेता ने कहा कि कुछ लोगों द्वारा प्रोपेगेंडा फैलाया जा रहा है कि भाजपा जाति आधारित गणना के विरोध में है जबकि हकीकत है कि सरकार रिपोर्ट आने के बाद इसे जारी नहीं कर रही बल्कि इसे दबा कर बैठी है। सम्राट चौधरी ने कहा कि सरकार बताए कि कब जातीय गणना की रिपोर्ट जारी होगी। उन्होंने कहा कि सवर्ण आयोग की रिपोर्ट पर अब तक कोई काम नहीं हुआ, अतिपिछड़ा आयोग की रिपोर्ट अभी तक जारी नहीं हुई। उन्होंने साफ लहजे में कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति नहीं चलने वाली है। श्री चौधरी ने जदयू अध्यक्ष ललन सिंह द्वारा जदयू की एक टीम लद्दाख भेजे जाने पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जिस पार्टी की राजनीति हैसियत 43 सीटों की हो वह चीन की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चीन आपका सब्जेक्ट नहीं है। बिहार की बात कीजिए, बालू माफिया, जमीन माफिया और शराब माफिया को सरकार का संरक्षण प्राप्त है, उसे देखिए। उन्होंने कहा कि जदयू और राजद अवसरवादी राजनीति करती है। सवालिया लहजे में उन्होंने कहा कि मणिपुर की घटना पर हल्ला मचाने वाले राजस्थान और बिहार के बेगूसराय की घटना पर चुप क्यों हैं। भाजपा नेता ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि भाजपा सम्राट अशोक के साथ खड़ी है।

इंडिया शब्द पर सवाल उठाने वाले बाबा साहब का कर रहे अपमान : जदयू

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

जदयू प्रदेश प्रवक्ता और विधायक अजय चौधरी और प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम ने विपक्षी गठबंधन इंडिया शब्द पर उंगली उठाने वालों को नसीहत देते हुए कहा कि इस शब्द पर सवालिया निशान लगाने वाले लोग दरअसल हमारे संविधान के जनक बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का अपमान कर रहे हैं। दोनो प्रवक्ताओं ने कहा कि साल 1948 को संविधान सभा ने इंडिया दैट इज भारत का सर्वसम्मत प्रस्ताव पास किया था और ऐसे में इंडिया शब्द पर सवाल खड़ा करना डॉ भीमराव अंबेडकर, हमारे संविधान और राष्ट्र का अपमान है। पार्टी प्रवक्ताओं ने बीजेपी पर निशान साधते हुए कहा कि पिछड़ों और दलितों की विरोधी भाजपा हमेशा से बाबा साहब का अपमान करती रही है और संविधान की धज्जियां उड़ाती रहीं है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी से सवाल पूछते हुए कहा कि आखिर क्यों बीजेपी ने अति पिछड़ों के चलाई जा रही बाबू जगजीवन राम छात्रावास योजना को बंद करा दिया। दोनों प्रवक्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी को दलितों और पिछड़ों का विरोधी करार देते हुए कहा कि बीजेपी जान बूझकर राज्य में जाति आधारित गणना कराने में अपने सहयोगी संस्थाओं की मदद से अड़ंगा डाल रही है वहीं वो देश में जनगणना का काम भी नहीं करना चाहती है। पार्टी प्रवक्ताओं ने कहा कि देश में जनगणना नहीं होने से परिसीमन का काम रुक जायेगा जिससे देश में संवैधानिक संकट उत्पन्न हो जायेगा।

रेल कौशल विकास योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित 87 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पूर्व मध्य रेल द्वारा रेल कौशल विकास योजना के अन्तर्गत युवाओं को उद्योग आधारित प्रशिक्षण प्रदान कर कुशल एवं रोजगार के लिए सक्षम बनाने के प्रयास के तहत युवाओं को दिनांक 07 अगस्त से 29 अगस्त तक पर्यवेक्षक प्रशिक्षण केंद्र एवं यांत्रिक कारखाना/समस्तीपुर, सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना/हरनौत तथा इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन प्रशिक्षण केंद्र/पं. दीन दयाल उपाध्याय मंडल में 23वें बैच तथा सिगनल एवं दूरसंचार प्रशिक्षण केंद्र/दानापुर में 21वें बैच के रूप में प्रशिक्षण दिया गया । प्रशिक्षणोंपरांत कुल 87 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया तथा उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गयी। इस योजना के तहत पूर्व मध्य रेल के इन प्रशिक्षण केंद्रों द्वारा अब तक कुल 1641 युवाओं को प्रशिक्षण के उपरांत प्रमाण पत्र प्रदान किया जा चुका है। पर्यवेक्षक प्रशिक्षण केन्द्र तथा यॉत्रिक कारखाना समस्तीपुर में 23वें बैच में फिटर ट्रेड में प्रशिक्षण के उपरांत सुयोग्य एवं उतीर्ण 30 युवकों को प्रमाण पत्र दिया गया। इस दौरान उन्हें विभिन्न प्रकार के माप, कटिंग, फाइलिंग, ड्रिलिंग, चुड़ी कटिंग इत्यादि कार्य का प्रशिक्षण दिया गया। इसी क्रम में सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना, हरनौत में 23वें बैच के रूप में प्रशिक्षण के उपरांत सुयोग्य एवं उत्तीर्ण 30 युवकों को प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल के विद्युत कर्षण प्रशिक्षण केंद्र में 23वें बैच में प्रशिक्षण के उपरांत सुयोग्य एवं उत्तीर्ण 05 युवकों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान इन्हें विद्युत आयरन, विद्युत हीटर,स्टेयर केस वायरिंग, सीलिंग फैन, विद्युत बोर्ड बनाना एवं कनेक्शन करना, विभिन्न उपकरणों के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। सिगनल एवं दूरसंचार प्रशिक्षण केंद्र, दानापुर में 21वें बैच के 22 युवाओं को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस दौरान उन्हें डायोड, आईसी, पावर सप्लाई, सोल्डिंग, मल्टीमीटर ट्रांसफार्मर के उपयोग एवं मरम्मत इत्यादि कार्य का प्रशिक्षण दिया गया। इस पहल का मूल उद्देश्य युवाओं को विभिन्न ट्रेडों में गुणात्मक सुधार लाने के लिए प्रशिक्षण कौशल प्रदान करना है। यह कौशल युवाओं की रोजगार क्षमता में सुधार और उसे उन्नत करेगा । साथ ही युवाओं के रोजगार क्षमता में सुधार तथा स्वरोजगार के इच्छुक युवाओं के कौशल को भी उन्नत करेगा।

युवा हम ने अनिल कुमार को प्रदेश अध्यक्ष बनने पर किया भव्य स्वागत

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

हम से पार्टी के युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र शास्त्री की अध्यक्षता में डॉ अनिल कुमार का पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर युवा प्रकोष्ठ के द्वारा भव्य अभिनंदन समारोह आयोजित की गई। युवा प्रकोष्ठ के नेताओं ने नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष डॉ अनिल कुमार को पुष्प देखकर उन्हें सम्मानित किया। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिहार सरकार के पूर्व मंत्री डॉ संतोष कुमार सुमन ने कहा कि डॉ अनिल कुमार को संगठन में बिहार प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर कार्यकताओं में नई उमंग और जोश देखने को मिल रहा है। डॉक्टर अनिल कुमार का छात्र जीवन से संगठन को लेकर काफी लंबा अनुभव रहा है, जिसका लाभ बिहार संगठन की मजबूती में और बेहतर परिणाम देखने को मिलेगा। पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव राजेश पांडेय ने कहा कि पार्टी लोकसभा, विधानसभा 2024 और 25 को ध्यान में रखकर पार्टी ने डॉ अनिल कुमार को बिहार प्रदेश अध्यक्ष पद की महत्वपूर्ण जवाब देही सोपी है । पार्टी नेतृत्व संगठन की मजबूती को लेकर काफी गंभीर है। प्रदेश, जिला, पंचायत, प्रखंड और बूथ स्तर तक कमेटी का विस्तार, एक बुथ 5 यूथ का लक्ष्य पर हमें तेजी से कम करना होगा। हम से के संस्थापक पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के 12एम स्टैण्ड रोड आवास पर आयोजित अभिनंदन समारोह में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मंत्री डॉ संतोष कुमार सुमन, राष्ट्रीय प्रधान महासचिव सह राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेश पांडेय, संसदीय बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी वर्मा, युवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद कमल परवेज, अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश्वर मांझी को हम पार्टी नेताओं ने पुष्प और सॉल्व देकर सम्मानित किया।

उदयनिधी स्टालिन का बयान निंदनीय : लोजपा रा

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन पासवान ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि उदयनिधी स्टालिन के सनातन धर्म पर दिए गए बयान निंदनीय है। सनातन धर्म प्राचीन धर्म है, सनातन धर्म सदियों से चलाता आ रहा है और सदियों तक चलता रहेगा। ऐसे में उदयनिधी स्टालिन के दिए गए बयान का लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास पूरी तरह से खंडन करती है। पूछना चाहती है क्या जदयू राजद के लोग इस बयान से सहमत हैं। क्या इसी तरीके से सनातन धर्म के लोगों को, उनकी आस्था और उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचाने का काम किया जाना चाहिए। अगर नहीं सहमत है तो क्यों नहीं आपलोग गठबंधन के साथ अपना विचारधाराओं और सिद्धांतों को स्पष्ट करते हैं। हम लोग सभी धर्म की सम्मान की बात करते हैं, भारतीय एकता की बात करते हैं। जो लोग सभी धर्म की सम्मान की बात करेंगे, ऐसे में हर कोई उनसे सहमत होंगे। आज के तारीख में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत को एक विकसित देश बनाने की ओर ले जा रहे हैं। 2047 में भारत को विकसित देश बनाने का लक्ष्य प्रधानमंत्री द्वारा रखा गया है। ऐसे में इस तरह का बयान देकर देश को कमजोर करने का काम गठबंधन के लोग कर रहे हैं। ऐसे में देश की जनता इन्हें कदापि माफ नहीं करेगी।

साहित्यालोचन के प्रतिमान थे डा विष्णु किशोर झा बेचन

- जयंती पर साहित्य सम्मेलन में बेचन समग्र (खंड-1) का हुआ लोकार्पण
- अगले वर्ष से दिया जाएगा स्मृति सम्मान, आयोजित हुई लघुकथा-गोष्ठी

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

भागलपुर विश्वविद्यालय के पूर्व प्रतिकुलपति और बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष स्मृति-शेष साहित्यकार डा विष्णु किशोर झा बेचन आलोचना-साहित्य के प्रतिमान-पुरुष थे। उन्होंने साहित्यालोचन को निरसता से निकालकर सरसता प्रदान की। उनकी आलोचनात्मक टिप्पणी में भी किसी कथा-कहानी और काव्य का लालित्य पाया जाता है। वे एक बड़े कवि, कथाकार और नाटक कार थे। उक्त बातें सोमवार को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में आहूत हिन्दी पखवारा-सह-पुस्तक चौदस मेला के चौथे दिन आयोजित डा बेचन जयंती की अध्यक्षता करते हुए सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही। उन्होंने कहा कि डा बेचन बहु-आयामी सारस्वत गुणों से युक्त एक आकर्षक व्यक्तित्व के साधु-पुरुष थे। साहित्य सम्मेलन से उनका गहरा लगाव था। समारोह का उद्घाटन करते हुए, पूर्व केंद्रीय मंत्री डा सी पी ठाकुर ने कहा कि बेचन जी जैसे साहित्यकारों ने हिन्दी में बिहार का नाम गौरवान्वित किया। इस अवसर पर डा ठाकुर ने, साहित्यकार ब्रज किशोर प्रसाद द्वारा संपादित पुस्तक ह्यडा बेचन समग्र (खंड 1) का लोकार्पण किया। समारोह के मुख्य अतिथि और विश्वविद्यालय सेवा आयोग के अध्यक्ष डा राजवर्द्धन आजाद ने कहा कि डा बेचन के समग्र साहित्य के प्रकाशन का कार्य आरंभ कर, उनके यशस्वी पुत्र डा मनोज कुमार झा ने, जो बिहार लोक सेवा आयोग में सांयुक्त सचिव भी हैं, सच्चे अर्थों में अपने पिता के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की है। अपने बड़ों की स्मृतियों को संयोजन करना बड़ी बात है। बिहार लोक सेवा आयोग के सदस्य इम्तियाज अहमद करीमी ने कहा कि बेचन जी ने अपनी कृतियों के जरिए, हिन्दी के खजाने को भरा है। साहित्य-जगत उनका सदैव आभारी रहेगा। बिहार लोक सेवा आयोग के सदस्य यशस्पति मिश्र, प्रो रतनेश्वर मिश्र, प्रो कलानाथ झा, डा बेचन के पुत्र डा मनोज कुमार झा, प्रो रमा शंकर मिश्र तथा पुस्तक के संपादक ब्रज किशोर पाठक ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर आयोजित लघुकथा गोष्ठी में, डा पूनम आनन्द ने बंदर-बाँट शीर्षक से, डा पुष्पा जमुआर ने फैसला, डा विद्या चौधरी ने लाट साहब, ई अशोक कुमार ने पत्र ी का गुस्सा, डा मनोज गोवर्द्धनपुरी ने अनुचित नसीहत, विभा रानी श्रीवास्तव ने अमर धन, डा पूनम देवा ने कीमत या कीमती, प्रेमलता सिंह ने इच्छा के विरुद्ध, कमल किशोर कमल ने पटुआ, अर्जुन प्रसाद सिंह ने साहित्य समर्थक तथा जय प्रकाश पुजारी ने सुहानी रात शीर्षक से अपनी लघुकथा का पाठ किया। सम्मेलन के उपाध्यक्ष डा शंकर प्रसाद ने तथा धन्यवाद-ज्ञापन कृष्ण रंजन सिंह ने किया। मंच का संचालन किया कवि ब्रह्मानन्द पाण्डेय ने। इस अवसर पर, डा बेचन की विधवा केसर झा, सम्मेलन की उपाध्यक्ष डा मधु वर्मा, कुमार कृष्णन, प्रो सुशील कुमार झा, डा शैलेंद्र कुमार चौधरी, विवेकानंद ठाकुर, प्रो गणेश प्रसाद, चंदा मिश्र, बच्चा ठाकुर, मृणाल कांत पाठक, उमेंद्र प्रसाद सिंह, मीरा श्रीवास्तव, राजेश शुक्ला, डा प्रेम प्रकाश, कमल किशोर वर्मा, सदानंद प्रसाद, प्रो केषकर ठाकुर, उत्तरा सिंह, नूतन झा, मीरा ठाकुर तथा डा अशोक कुमार समेत बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

राज्य में चलेगा मिशन परिवार विकास अभियान

4 सितंबर से 10 सितंबर तक चलेगा दंपत्ति संपर्क सप्ताह

- 11 सितंबर से 26 सितंबर तक परिवार नियोजन सेवा पखवाड़ा का होगा संचालन

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

परिवार नियोजन के साधनों के इस्तेमाल और इसे लेकर जागरूकता फैलाने का काम सरकार एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा निरंतर किया जा रहा है. इसी क्रम में राज्य में 4 सितंबर से मिशन परिवार विकास अभियान के तहत दंपत्ति संपर्क सप्ताह एवं परिवार नियोजन सेवा पखवाड़ा का शुभारंभ किया जायेगा। इस संदर्भ में सचिव स्वास्थ्य सह कार्यपालक निदेशक, राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार संजय कुमार सिंह ने सभी जिलाधिकारी, सभी मेडिकल कॉलेज के निदेशक/अधीक्षक एवं सभी सिविल सर्जन को पत्र जारी कर आवश्यक निर्देश दिए हैं।

दो चरणों में संपादित किया जायेगा अभियान:

विदित हो कि अभियान दो चरणों में आयोजित किया जाएगा, जिसका समापन 26 सितंबर को होगा. इस

संक्षिप्त खबरें

शराब कारोबारी गिरफ्तार

सरायरंजन, समस्तीपुर। सरायरंजन थाना क्षेत्र के सरायरंजन डीह निवासी कामेश्वर राय के पुत्र पप्पू कुमार को शराब कारोबार के एक लंबित मामले में पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपित को सोमवार की दोपहर न्यायिक विरासत में समस्तीपुर भेज दिया गया।

कागजात की हुई चोरी

कल्याणपुर, समस्तीपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के धर्मपुर गांव में प्लास्टिक के थैला में रखें जरूरी कागजात का चोरी हो जाने का मामला प्रकाश में आया है। इस मामले में धर्मपुर गांव निवासी उपेंद्र प्रसाद के पुत्र संजय कुमार ने थाना में का आवेदन दिया है। जिसने उसमें कहा है कि धर्मपुर गांव में अपने पोल्ट्री फार्म पर सोया हुआ था। जब नींद टूटी तो बिछापन पर रखी पॉलिथीन गाय पाई गई। हमने काफी खोजबीन के बाद भी कुछ नहीं पता चल पाया। उसने कहा कि थैला में रखा हस्ताक्षर चेक आधार कार्ड बैंक के पासबुक एवं कुछ नगद रुपया रखा हुआ था जो चोरी कर लिया गया। पीड़ित व्यक्ति ने इस मामले में थाना में आवेदन देकर सना दर्ज करने की मांग किया है। वहीं प्रभारी थाना अध्यक्ष प्रिया कुमारी ने बताया कि आवेदन आने के बाद विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने युवक को किया गिरफ्तार

कल्याणपुर, समस्तीपुर। चकमेहसी थाना क्षेत्र के श्रीनाथ पारण गांव से पुलिस ने राम श्रेष्ठ ठाकुर के पुत्र रमाशंकर ठाकुर को को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं प्रभारी थाना अध्यक्ष दिवय ज्योति कुमारी ने गिरफ्तार युवक को जेल भेजने की बात कही है।

जल जमाव से निदान के लिए अंचलाधिकारी को दिया आवेदन

विभूतिपुर, समस्तीपुर। डीवाईएफआई के जिला अध्यक्ष महेश कुमार ने जल जमाव से निदान के लिए विभूतिपुर अंचलाधिकारी को एक आवेदन दिया है। जिसमें बताया गया कि चोरा टभका पंचायत में चांदसुरारी मध्य विद्यालय के पास से बन्हैती चौक जाने के रास्ते में जगह-जगह सड़क पर जल जमाव है। सड़क के दोनों और से पानी बहने नहीं दिया जा रहा है। जिससे आम लोगों एवं स्कूली बच्चों को आने-जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

18 कार्टन शराब के साथ एक धंधेबाज गिरफ्तार, प्राथमिकी दर्ज

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर थाना क्षेत्र के खदियाही से पुलिस में गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर दरवाजे पर खड़ी एक उजला रंग के कार से विभिन्न ब्रांड के 18 कार्टून में 480 बोतल जिसकी कुल मात्रा 160.560 लीटर विदेशी शराब बरामद किया है। वही धंधे में संलिप्त एक धंधेबाज देशरी वार्ड 13 निवासी शिवशंकर महतो के पुत्र विकास कुमार को गिरफ्तार किया गया है वही एक अन्य धंधेबाज खदियाही वार्ड 01 निवासी उमाकांत राय भागने में सफल रहा। थानाध्यक्ष संदीप कुमार पाल ने बताया की गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई। कार सहित शराब बरामद कर थाना लाया गया है। एक धंधेबाज को गिरफ्तार किया गया है वहीं दूसरे भागने में सफल रहा। पीटीसी विमल कुमार के बयान पर मध निषेध अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की प्रक्रिया जारी है।

गल्ला कारोबारी को गोली मारकर किया घायल

समस्तीपुर जिले के कपूर्रीग्राम और ताजपुर थाना क्षेत्र के आसपास बीते रविवार की रात अज्ञात बदमाशों के द्वारा एक गल्ला कारोबारी को गोली मारकर घायल कर दिए जाने काम वाला सामने आया है। घटना के संबंध में बताया गया ताजपुर नगर परिषद क्षेत्र के मोरवा रोड निवासी एक युवा गल्ला कारोबारी को अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर गंभीर रूप से घायल। कुछ लोगों का कहना है कि भेरोखरा-अधारपुर पथ पर गोली मारी गई है। घटना के पीछे के कारण का सही पता नही चल रहा है। घटना के पीछे पैसे की लेन-देन बताया जा रहा है। वहीं ताजपुर थानाध्यक्ष ब्रजकिशोर सिंह ने बताया इसकी सूचना प्राप्त नहीं हुई है लेकिन मिली जानकारी के अनुसार आधारपुर और जोगिया मठ के बीच में ऐसी घटना की जानकारी मिली है। वहीं कपूर्रीग्राम थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने बताया कि बताए गए घटनास्थल पर जाकर छानबीन करने पर ऐसी कोई जानकारी नहीं मिली है। वहीं उन्होंने बताया कि घायल कारोबारी मुसरीघरारी से बेहतर इलाज के लिए कहीं अन्यत्र बाहर गए हैं। घायल के आने और शिकायत करने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षक दिवस पर सरकार के खिलाफ आज होग आंदोलन

प्रात : किरण संवाददाता

दाऊदनगर (औरंगाबाद)। सरकार द्वारा शिक्षकों की छुट्टी काटे जाने और निरीक्षण के नाम पर शिक्षकों को गलत तरीके से अपमानित-प्रताड़ित करने के विरोध में 05 सितंबर 2023 को शिक्षक दिवस के दिन बिहार राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ (गोप गुट)मूल की राज्य कमिटी के आह्वान पर कल औरंगाबाद जिले में भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और अपर मुख्य सचिव के.के. पाठक का पुतला दहन किया जाएगा ! उक्त आशय का निर्णय कल रविवार रात्री में ऑन लाइन संपन्न हुई राज्य कमिटी की बैठक में लिया गया जिसमें राज्य कार्यकारिणी के पदधरकगण शामिल थे। इधर पुर्वघोषित कार्यक्रम के अनुसार आज चौथे दिन भी औरंगाबाद जिले में यहां के शिक्षकों ने संघ की राज्य कमिटी के आह्वान पर अपना आंदोलन जारी रखा तथा जिला के विभिन्न प्रखंडों में शिक्षकों ने सरकार द्वारा स्कूलों की छुट्टियों में भारी कटौती करने/निरीक्षण के नाम पर शिक्षकों को अपमानित-प्रताड़ित करने/ ह्यसरकार द्वारा शिक्षकों को सरकारी कर्मी का दर्जा देने के लिए परीक्षा पास करने की शर्त जोड़े जाने के विरुद्धह्न अपने-अपने विद्यालयों में काला-बिल्ला लगाकर दिनभर शिक्षण-कार्य किया तथा मध्यांतर में विद्यालयों के गेट पर खड़े होकर विरोध-प्रदर्शन किया।

अनेक विद्यालयों में शिक्षकों ने गेट पर प्रदर्शन करते हुए अपने विरोध-प्रदर्शन का वीडियो और फोटो भी सोशल-मीडिया पर पोस्ट किया तथा सरकार के इन नए आदेशों के खिलाफ रोष प्रदर्शित किया। पुनः दाउदनगर के ही रा कादरी मध्य विद्यालय,रा मध्य विद्यालय नगरपालिका संख्याः-01,रा बालिका मध्य विद्यालय,दाऊदनगर, रा मध्य विद्यालय पटना के फाटक, रा मध्य विद्यालय,रामनगर, रा ठाकुर मध्य विद्यालय,दाऊदनगर इत्यादि अनेक विद्यालयों में शिक्षकों ने काला-बिल्ला लगाकर शिक्षण कार्य किया तथा मध्यांतर के समय उक्त सभी विद्यालयों में शिक्षकगण एकजुट होकर अपने-अपने विद्यालयों के गेट पर प्रदर्शन करते हुए सरकार की ह्यशिक्षक-शिक्षा विरोधी नीतियोंह्न के खिलाफ जमकर नारेबाजी की । आज के इस आंदोलन में ग्रामीण क्षेत्रों के शिक्षकों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया ! इन प्रदर्शनों के दौरान आज भी सभी शिक्षक -ह्नछुट्टियों में कटौती का अनुचित आदेश वापस लो/ निरीक्षण के नाम पर शिक्षकों को अपमानित-प्रताड़ित करना बंद करो/शिक्षकों से बोरा बेचवाने का आदेश वापस लो/ शिक्षकों को सरकारी कर्मी बनाने के लिए परीक्षा पास करने की अनिवार्यता समाप्त करो /शिक्षकों को सरकारी कर्मी का दर्जा देना होगा/एनपीएस खत्म करो/पुरानी पेंशन लागू करो/ शिक्षक एकता जिंदाबाद/इत्यादिह्न नारे लगा रहे थे । दाऊदनगर में आज के कार्यक्रम का नेतृत्व संघ के राज्य महासचिव- सत्येन्द्र कुमार,जिला सचिव- अवधेश कुमार ,जिला कोषाध्यक्ष- प्रह्लाद प्रसाद, प्रखंड संयोजक- आफताब आलम,प्रखंड सचिव- शाहिद अंसारी, कार्यकारिणी सदस्य- सुरेन्द्र सिंह इत्यादि संघ के अनेक पदाधारक कर रहे थे ; जबकि ओबरा प्रखंड में संघ के जिला अध्यक्ष- संजय कुमार सिंह ने उपर्युक्त कार्यक्रमों का नेतृत्व किया। गोह में शिक्षकों के उक्त कार्यक्रमो का नेतृत्व जिला कार्यकारिणी सदस्य एवं गोह के प्रखंड अध्यक्ष- शैलेन्द्र कुमार सिंह तथा हसपुरा प्रखंड में प्रखंड संयोजक राजीव कुमार रंजन एवं जिला उपाध्यक्ष कमलेश प्रसाद जैसे शिक्षक नेताओं ने किया । इसी तरह से जिले के अन्य प्रखंडों में भी उक्त कार्यक्रमों का नेतृत्व संबंधित प्रखंडों के अध्यक्षों,सचिवों एवं अन्य पदाधारकों ने किया । आंदोलनों का यह कार्यक्रम कल 05 सितंबर तक चलेगा तथा अगले 06 सितंबर को होने वाली राज्य कमिटी की बैठक के बाद राज्य कमिटी के द्वारा आगे और भी ज्यादा जुझारू आंदोलन की घोषणा किए जाने की संभावना है । किसी न किसी रूप में शिक्षकों का यह आंदोलन तब तक चलता रहेगा जब तक राज्य सरकार शिक्षा-शिक्षक विरोधी अपनी गलत नीतियों को बदलते हुए छुट्टी में कटौती तथा निरीक्षण में अनुचित आदेशों से संबंधित पत्रों को वापस नहीं ले लेती है।

शराब कारोबारी किया गिरफ्तार, भेजा जेल

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

पुलिस ने शराब की खरीद-बिक्री किए जाने की गुप्त सूचना के आधार पर रविवार के देर रात मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के जितवारपुर निजामत सोनेलाल ढाला के पास छापेमारी कर एक शराब कारोबारी को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान जितवारपुर निजामत वार्ड नंबर 9 निवासी लक्ष्मी महतो के पुत्र सतीश कुमार (52 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया गया की छापेमारी करने पहुंची पुलिस टीम को देखकर वह भागने का प्रयास कर रहा था। जिसे पुलिस टीम ने तत्परता के साथ पकड़कर हिरासत में ले लिया। कड़ाई से की गई पूछताछ में शराब कारोबारी ने शराब की खरीद-बिक्री करने की बात स्वीकार की। उसकी निशानदेही पर एक घर से पुलिस ने पश्चिम बंगाल निर्मित हेवर्ड्स 5000 स्ट्रांग बियर 500एमएल का 19 केन बियर बरामद किया। जिसे पुलिस टीम के द्वारा जब्त कर लिया गया। इसको लेकर मुफ्फसिल थाने में थाना कांड संख्या 400/23 दर्ज किया गया है। वहीं मेडिकल के बाद गिरफ्तार शराब कारोबारी को जेल भेज दिया गया। इसको लेकर मुफ्फसिल थानाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई थी। मद्य निषेध अधिनियम के उल्लंघन के आरोप में शराब कारोबारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

यात्रियों की सुविधा हेतु 08 जोड़ी ट्रेनों का धनबाद मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर ठहराव

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर खलारी स्टेशन पर 12873/74 स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस एवं 18311/12 सम्बलपुर-बनारस-सम्बलपुर एक्सप्रेस का, गढ़वा टाउन स्टेशन पर 13025/26 हावड़ा-भोपाल-हावड़ा एक्सप्रेस तथा कतरासगढ़ स्टेशन पर 13403/04 वनांचल एक्सप्रेस, 18619/20 रांची-गोंडा-रांची एक्सप्रेस, 18621/22 पटना-हटिया-पटना एक्सप्रेस, 19413/14 अहमदाबाद-कोलकाता-अहमदाबाद एक्सप्रेस एवं 19607/08 कोलकाता-मदार-कोलकाता एक्सप्रेस का निम्नानुसार ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया हैः

खलारी स्टेशन पर : गाड़ी सं. 12873 हटिया-आनंद विहार स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस12 सितंबर से 17.22 बजे खलारी स्टेशन पहुंचेगी तथा 17.24 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। गाड़ी सं. 12874 आनंद विहार-हटिया स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस दिनांक 13 सितंबर से 14.36 बजे खलारी स्टेशन पहुंचेगी तथा 14.38 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। गाड़ी सं. 18311 सम्बलपुर-बनारस एक्सप्रेस दिनांक 13.09.23 से 23.40 बजे खलारी स्टेशन पहुंचेगी तथा 23.42 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। गाड़ी सं. 18312 बनारस-सम्बलपुर एक्सप्रेस दिनांक 14.09.23 से 23.50 बजे खलारी स्टेशन पहुंचेगी तथा 23.52 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी।

गढ़वा रोड स्टेशन पर :गाड़ी सं. 13025 हावड़ा-भोपाल एक्सप्रेस दिनांक 12 सितंबर से 00.04 बजे गढ़वा रोड स्टेशन पहुंचेगी तथा 00.06 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। गाड़ी सं. 13026 भोपाल-हावड़ा एक्सप्रेस दिनांक 07 सितंबर से 01.44 बजे गढ़वा रोड स्टेशन पहुंचेगी तथा 01.46 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी।

कतरासगढ़ स्टेशन पर : गाड़ी सं. 13403 रांची-भागलपुर वनांचल एक्सप्रेस दिनांक 09 सितंबर से 22.38 बजे कतरासगढ़ स्टेशन पहुंचेगी तथा 22.40 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। गाड़ी सं. 13404 भागलपुर-रांची वनांचल एक्सप्रेस दिनांक 09 सितंबर से 04.47 बजे कतरासगढ़ स्टेशन पहुंचेगी तथा 04.49 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। गाड़ी सं. 18619 रांची-गोड्डा एक्सप्रेस दिनांक 09 सितंबर से 00.58 बजे कतरासगढ़ स्टेशन पहुंचेगी तथा 01.00 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। गाड़ी सं. 18620 गोड्डा-रांची एक्सप्रेस दिनांक 09 सितंबर से 00.18 बजे कतरासगढ़ स्टेशन पहुंचेगी तथा 00.20 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। गाड़ी सं. 18621 पटना-हटिया एक्सप्रेस दिनांक 09 सितंबर से 00.40 बजे कतरासगढ़ स्टेशन पहुंचेगी तथा 00.42 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। गाड़ी सं. 18622 हटिया-पटना एक्सप्रेस दिनांक 09 सितंबर से 02.10 बजे कतरासगढ़ स्टेशन पहुंचेगी तथा 02.12 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। गाड़ी सं. 19413 अहमदाबाद-कोलकाता एक्सप्रेस दिनांक 15 सितंबर से 08.53 बजे कतरासगढ़ स्टेशन पहुंचेगी तथा 08.55 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। गाड़ी सं. 19414 कोलकाता-अहमदाबाद एक्सप्रेस दिनांक 09 सितंबरसे 17.45 बजे कतरासगढ़ स्टेशन पहुंचेगी तथा 17.47 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। गाड़ी सं. 19607 कोलकाता-मदार एक्सप्रेस दिनांक 14 सितंबर से 17.45 बजे कतरासगढ़ स्टेशन पहुंचेगी तथा 17.47 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। गाड़ी सं. 19608 मदार-कोलकाता एक्सप्रेस दिनांक 13 सितंबर से 08.53 बजे कतरासगढ़ स्टेशन पहुंचेगी तथा 08.55 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी।

सुमंत हत्याकांड को लेकर आज भी चचाओं का रहा दौर जारी, घर परिवार में छाया रहा मातम

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

सुमंत हत्याकांड को लेकर सोमवार को भी चचाओं का दौर जारी रहा। हत्या को लेकर लोग तरह-तरह की चर्चा कर रहे हैं। कहीं पैसे की लेनदेन के कारण हत्या की चर्चा हो रही है तों कही कर्ज की रुपए के कारण हत्या होना बताया जा रहा है। जितनी मुंह उतनी बातें। वैसे फिलहाल चचाओं का दौर जारी है। सबसे बड़ी बात तो यह हैं कि मृतक के दुधमुंहे पुत्र, जिसका पिता ठीक मुंह भी नही देख पाया। 31 अगस्त की संध्या पुत्र जन्म लिया और 1 सितंबर से मृतक गायब था। 3 सितंबर को पोखर के पानी तैरते शव मिला। बता दें कि मृतक सुमंत गिरी 3 वर्ष पूर्व एक सड़क हादसे के बाद एक पैर से विकलांग हो गया था। किराना दुकान चलाकर किसी तरह परिवार का भरण पोषण कर जीवन यापन कर रहा था। बता दे की मृतक सुमंत गिरी तीन भाइयों हेमंत कुमार और नीतीश कुमार से बड़ा था। दुधमुंहे पुत्र सहित बड़े पुत्र गोविंद कुमार 4 वर्ष एवं गोपाल कुमार 2 वर्ष का है। पिता की मौत के बाद अब इन नौनिहाल का देखकर कौन करेगा। बेटे की मुंह देखकर मृतक की पत्नी काजल कुमारी चित्कार मार-मार बेसुध हो रही थी। बता दे की कल्याणपुर उत्तर पंचायत के वार्ड 11 निवासी उमेश गिरी के 26 वर्षीय पुत्र सुमंत गिरी का हत्या कर शव को पोखर में फेंक दिया था। 3 सितंबर रविवार की अहले सुबह पोखर में तैरते शव मिलने बाद आक्रोशित लोगों ने दलसिंहसराय सिंघिया घाट एसएच 88 को कल्याणपुर महावीर चौक पर यातायात बाधित कर हत्यारा की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। सुबह 8 बजे से लेकर संध्या 5 बजे तक लोग रह-रह टायर जलाकर आक्रोश व्यक्त करते रहे। प्रशासन के आश्वासन के बाद लोग जाम समाप्त किया।

अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर लाखों रुपए मूल्य के समानों की चोरी

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के दुधपुरा वार्ड चार स्थित मध्य विद्यालय के पास एक बंद घर का ताला तोड़कर चोरों ने लाखों रुपए मूल्य के समानों की चोरी कर ली और फरार हो गए। घटना की जानकारी होने के बाद सोमवार की सुबह पड़ोस के एक रिश्तेदार ने इसकी सूचना मुफ्फसिल थाना पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलने के बाद थानाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार सिंह के निर्देश पर एसआई आनंद कश्यप ने पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर निरीक्षण किया। बताया गया कि चोर एस्बेस्टस के छत को तोड़कर घर में दाखिल हुए और कमरे का दरवाजा व गोदरेज के लॉक को तोड़कर आभूषण और कई कीमती समानों की चोरी कर फरार हो गए। बताया गया घर के मालिक परिवार के साथ मुंबई में रहते हैं। उन्होंने पड़ोस के अपने चाचा के परिवार को घर की देखरेख की जिम्मेदारी दी हुई थी। बता दें कि एक दिन पूर्व उसी वार्ड में अज्ञात चोरों के द्वारा एक बंद पड़े घर का ताला तोड़कर लाखों रुपए के सामानों की चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। वहीं मुफ्फसिल थानाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित के द्वारा आवेदन प्राप्त होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। वैसे पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

लोजपा (रा) जांच दल ने मृतक मानिक चंद्र के परिजनों से की मुलाकात

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान के निदेर्शानुसार प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी द्वारा गठित टीम सोमवार को जांच दल मधेपुरा पहुंचा। जांच दल का नेतृत्व प्रदेश प्रधान महासचिव संजय पासवान ने किया। पार्टी के प्रदेश प्रधान महासचिव संजय पासवान ने मृतक मानिक चंद्र पासवान के परिवार वालों से मिलकर संतावना दिए। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री चिराग पासवान ने फोन से मृतक के पुत्र से बात कर पूरी घटना की जानकारी लिए तथा न्याय दिलाने का भरोसा दिलाए। आगे श्री संजय पासवान ने एसपी से बात कर अविलंब अपराधियों को गिरफ्तार करने की मांग किया तथा परिवार को सुरक्षा दिलाने का भी मांग किया। आगे संजय पासवान ने कहा कि बिहार में अपराधियों का बोलबाला है, दिनदहाड़े रोज हत्या हो रहा है। पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन पासवान ने बताया कि जांच दल में प्रदेश उपाध्यक्ष विभूति पासवान, अभय कुमार सिंह, सरिता पासवान, महासचिव विवेक आनंद, प्रदीप ठाकुर मौजूद थे। कुछ दिन पूर्व मधेपुरा जिला के कुमारखंड थाना अंतर्गत लक्ष्मी चंडी स्थान चौकीदार मानिक चंद्र पासवान की हत्या अपराधियों ने 1 सितंबर को कर दी थी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में हुआ भारी विकास : विजय कुमार चौधरी

सरायरंजन, प्रात : किरण संवाददाता

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पिछले 18 साल के सासन काल में भारी विकास हुआ है। चाहे एनडीए गंठबंधन हो या महागठबंधन की सरकार में मुख्यमंत्री रहे हो। ये बातें रविवार की शाम अख्तेयारपुर पंचायत के विसहर स्थान के प्रागंण में ग्राम संसद संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुये राज्य के वित्त मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कह रहे थे। उनहोने कहा की बिहार में मुख्यमंत्री ने गांधी, जेपी, लोहिया, बाबासाहेब अंबेडकर, जननायक कपूर्री ठाकुर के सोच को आगे बढाने का काम किया। मुख्यमंत्री ने महिलाओं के मांग पर बिहार में शराबबंदी कानून लागु किया। शराब बंदी से हर वर्ग के लोगों को फायदा पहुंचा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का हीं देन है की कोई भी लोग अकेले किसी भी समय आ जा रहे है। और बिहार में सड़क की इतनी हालत सुधर गई है की पांच से छह घंटे में कही से भी पटना पहुंच रहे है। विधानसभा प्रभारी रामनाथ रमण ने कहा की केंद्र में एनडीए की सरकार है। यह सरकार जनहित में आजतक एक भी काम नहीं किया है। और जनता को बेबकूफ बनाकर हर व्यक्ति को पांच किलो सरा हुआ चावल दे रहे है। उन्होंने यह भी कहा की यह चावल खाने लायक है क्या। अगर खाने लायक है तो वहीं भाजपा बाले नेता एक दिन भी वह चावल खाकर दिखा दै। कार्यक्रम का अध्यक्षता पंचायत अध्यक्ष गनौर राय ने की। संचालन अरूण कुमार गुप्ता ने किया। कार्यक्रम को जदयू प्रखंड अध्यक्ष रामाश्रय प्रसाद, प्रमुख वीणा कुमारी, उपप्रमुख संजीव कुमार ठाकुर, दिनेश महतो, मो. रामजानी, शंभू झा, रामानंद झा, गौरीशंकर चौरसिया, उमेश रजक, राजीव मिश्र, रजनीकांत चौधरी, सुशील कुमार राय आदि ने संबोधित किया। मौके पर सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

ज्योति सीएनसी ऑटोमेशन ने सेबी के यहाँ डीआरएचपी किया दाखिल

प्रात : किरण संवाददाता

पटना।दुनिया की अग्रणी सीएनसी मशीन निमार्ताओं में से एक, और बाजार हिस्सेदारी की दृष्टि से भारत की दूसरी सबसे बड़ी एवं दुनिया की बारहवीं सबसे बड़ी कंपनी, ज्योति सीएनसी ऑटोमेशन लिमिटेड ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के यहाँ अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में 1000 करोड़ रुपये का ताजा निर्गम (फ्रेश इश्यू) शामिल है। कंपनी शुद्ध आय का उपयोग कंपनी द्वारा लिए गए कुछ उधारों की पूर्ण या आंशिक चुकौती और/या पूर्व-भुगतान, हमारी कंपनी की दीर्घकालिक कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉपारेंट उद्देश्यों के वित्तपोषण के लिए करने का प्रस्ताव करती है। ज्योति सीएनसी ऑटोमेशन वित्त वर्ष 2022 में भारत की दूसरी सबसे बड़ी सीएनसी मशीन निमार्ता थी और इसकी बाजार हिस्सेदारी लगभग 8 प्रतिशत थी। कंपनी भारत में साइमेल्टिनियस 5-एक्सिस सीएनसी मशीनों की प्रमुख निमार्ता है और यह भारत में सीएनसी मशीनों की एक सबसे विविधतापूर्ण पोर्टफोलियो की आपूर्तिकर्ता है (स्रोतः एफ एंड एस रिपोर्ट) जिनमें सीएनसी टर्निंग सेंटर, सीएनसी टर्न मिल सेंटर, सीएनसी वर्टिकल मशीनिंग सेंटर (वीएमसी), सीएनसी हॉरिजॉन्टल मशीनिंग सेंटर (एचएमसी), साइमेल्टिनियस 3-एक्सिस सीएनसी मशीनिंग सेंटर, साइमेल्टिनियस 5-एक्सिस सीएनसी मशीनिंग केंद्र और मल्टी-टास्किंग मशीनें शामिल हैं। कंपनी को एयरोस्पेस और रक्षा, ऑटो और ऑटो पार्ट्स, सामान्य इंजीनियरिंग, ईएमएस, डाई और मोल्ड्स और अन्य उद्योगों सहित विभिन्न उद्योगों में अपने ग्राहकों को अनुकूलित समाधान प्रदान करने के लिए 2 दशकों से अधिक की उपस्थिति और मजबूत आर एंड डी क्षमताओं में निर्मित अपनी विशेषज्ञता पर भरोसा है। ज्योति सीएनसी ऑटोमेशन के परिचालन वर्टिकल रूप से एकीकृत हैं, जिसे वे तकनीकी रूप से प्रासंगिक और अनुकूलित समाधान प्रदान करने की अपनी क्षमता के लिए आवश्यक मानते हैं, जिसके परिणामस्वरूप उनके ग्राहकों की सूची में अग्रलिखित नाम शामिल हैं; स्पेस एप्लिकेशन सेंटर - इसरो, ब्रह्मोस एयरोस्पेस तिरुवनंतपुरम लिमिटेड, एमबीडीए, तुर्की एयरोस्पेस, यूनिपार्ट्स इंडिया लिमिटेड, एवीटीईसी लिमिटेड, टाटा एडवांसेज सिस्टम लिमिटेड, टाटा सिकोरस्की एयरोस्पेस लिमिटेड, भारत फोर्ज लिमिटेड, सी.आर.आई. पंप्स प्राइवेट लिमिटेड, कल्याणी टेक्नोफोर्ज लिमिटेड, शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड, श्रीराम एयरोस्पेस एंड डिफेंस एलएलपी, रोलेक्स रिंग्स लिमिटेड, ऑर्बिट बियरिंग्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ओमनीटेक इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड, हर्ष इंजीनियर्स इंटरनेशनल लिमिटेड, बॉश लिमिटेड, एचएडब्ल्यूई हाइड्रोलिक्स प्राइवेट लिमिटेड, फेस्टो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एल्गी रबर कंपनी लिमिटेड, नेशनल फिटिंग्स लिमिटेड, और एकस प्राइवेट लिमिटेड।

सुमंत हत्याकांड में मृतक की पत्नी ने एक ज्ञात एवं चार पांच अज्ञात के विरुद्ध थाने में दिया आवेदन

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर थाना क्षेत्र के कल्याणपुर में सुमंत हत्याकांड को लेकर मृतक की पत्नी काजल कुमारी ने थाना में एक आवेदन दिया है। जिसमें एक ज्ञात एवं चार पांच अज्ञात को आरोपित किया है। आवेदन के माध्यम से पीड़िता ने बताया कि 1 सितंबर की संध्या मेरा पति, सास, ससुर घर पर थे। उसी समय गांव के ही एक ज्ञात व्यक्ति मेरे घर आया और मेरे पति सुमंत कुमार गिरी को बुलाकर ले गया। देर रात तक मेरे पति जब घर नहीं आया तो फोन पर संपर्क किया तो फोन रिसीव नहीं किया। रात्रि 10:00 के बाद उनका मोबाइल स्विच ऑफ बताया। जिसके बाद मैं अपने सास ससुर के साथ उस ज्ञात व्यक्ति घर गया तो वे व्यक्ति घर पर नहीं था। उसके परिवार के कोई भी लोग नहीं मिला। काफी खोजबीन किया लेकिन मेरे पति का पता नहीं चला। 3 सितंबर की सुबह सूचना मिली कि एक युवक का लाश धमूर्साह पोखर में उपला रही है। मैं अपने सास-ससुर एवं गांव के लोग के साथ पोखर पर गया तो अपने पति के लाश को पहचान किया। पीड़िता ने बताई की मुझे पूर्ण विश्वास है कि एक ज्ञात जो बुलाने आया एवं 4-5 अज्ञात व्यक्ति मिलकर षड्यंत्र रचकर मेरे पति की हत्या कर साक्ष्य छुपाने के उद्देश्य पोखर में फेंक दिया। मेरा पति का मोबाइल भी गायब है। वहीं थाना अध्यक्ष संदीप कुमार पाल ने बताया कि आवेदन मिला है प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है।

बाल विवाह की शिकार रहीं रोशनी परवीन ने मुख्यमंत्री से मिलने और अपने मिशन में मदद करने की अपील

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बाल विवाह की शिकार रोशनी परवीन के व्यक्तिगत अनुभव ने उन्हें ये हौसला दिया है कि वे युवा लड़कियों को शिक्षा, स्वायत्तता और मुखरता से अपनी बात कहने से वंचित करने वाले समाज से लड़ सकें। एक छोटे से गाँव से संबंध रखने वाली, रोशनी, न्युवु कलेक्टिव के ह्यशी क्रिएट्स चेंजह्य प्रोग्राम में अपने डिजिटल कैंपेनिंग ट्रेनिंग की मदद से, दुःख और प्रताड़ना के इस चक्र को तोड़ने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। और अब उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को एक खुला पत्र लिखकर उनसे मिलने का मौका देने और 2024 के अंत तक सीमांचल क्षेत्र में बाल विवाह को समाप्त करने के मिशन को सशक्त करने का अनुरोध किया है। रोशनी कहती हैं, 2017 में, गांधी जयंती के अवसर पर हमारे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बाल विवाह के खिलाफ राज्यव्यापी अभियान शुरू किया था। 2022 में अपने ह्यसमाज सुधार अभियानह्य के हिस्से के रूप में, उन्होंने बाल विवाह को समाप्त करने की जरूरत दोहराई। लेकिन अभी भी बाल विवाह बेरोकटोक जारी है। मुझे उम्मीद है, इस स्वतंत्रता दिवस पर, वह मुझे अपना अनुभव साझा करने के लिए समय देंगे ताकि मैं बता सकूं की व्यक्तिगत रूप से मैंने क्या झेला है, और साथ ही उन युवा लड़कियों की दुखद कहानियों को भी सुनेंगे जो मेरी ही जैसी नियति से गुजर रही हैं। हाल ही में बाल विवाह पर शुरू की गई अपनी एक ऑनलाइन पेटिशन में वह कहती हैं, 14 साल की एक मासूम लड़की अपना दिन इस डर में बिताती है कि फिर से रात होगी और उसके शरीर पर उसके अधेड़ उम्र के पति का अधिकार हो जाएगा। यह डर उसे मानसिक रूप से पंगु बना सकता है। अपनी याचिका के माध्यम से, मैं एक आंदोलन शुरू करना चाहती हूं जो युवा लड़कियों की किस्मत बदल दे। इस आंदोलन की शुरूआत मैं बिहार में सीमांचल से कर रही हूं, जहां मैं रहती हूं। भले ही किशनगंज, कटिहार और पूर्णिया जिलों में ह्यजिला बाल संरक्षण इकाइयोंह्य ने बाल विवाह पर अंकुश लगाने के प्रयास किए हैं, लेकिन रोशनी का कहना है कि ग्रामीण स्तर पर किया जाने वाला प्रयास पर्याप्त नहीं है।

बिजली उपभोक्ता संघर्ष मोर्चा ने विभिन्न मांगों को लेकर डीएम के समक्ष किया धरना : प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। स्मार्ट मीटर पर रोक लगाने, 200 यूनिट बिजली मुफ्त देने सहित बिजली से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर बिजली उपभोक्ता संघर्ष मोर्चा का जिलाधिकारी के समक्ष प्रदर्शन किया गया । प्रदर्शन के दौरान बिजली के निजीकरण पर रोक लग

संक्षिप्त खबरें

आयोजित हुआ जन्माष्टमी उत्सव समारोह

दिघवारा नगर। नगर पंचायत दिघवारा के चकनूर स्थित होली किड्स इंटरनेशनल स्कूल परिसर में सोमवार को जन्माष्टमी उत्सव समारोह का आयोजन किया जिसमें प्ले क्लास के बच्चों ने उमंग व उत्साह के साथ भाग लिया।छोटे छोटे बच्चों ने कृष्ण व राधा की भूमिका निभाई।विशेष परिधानों में सजे बच्चों का स्वरूप देखते ही बन रहा था और हर बच्चे मनोहारी दृश्य में हर किसी का ध्यान खींच रहे थे।कई बच्चों ने अपनी प्रस्तुति देकर भी हर किसी का ध्यान खींचा। कार्यक्रम में उत्कृष्ट व बेहतर रोल निभाने वाले बच्चों को निदेशक ए. के.अंसारी, प्राचार्य ब्रजकिशोर,प्रशासक अब्दुल कादिर,आयुषी सिंह व रिंकू शर्मा समेत कई शिक्षिकाओं ने पुरस्कृत किया।

परिणीति के 500 एपिसोड पूरे होने का मनाया जश्न

पटना। प्यार, धोखे और अप्रत्याशित ट्विस्ट ने छोटे पर्दे पर अपना जादू चला दिया है। क्योंकि कलर्स का लोकप्रिय शो परिणीति 500 एपिसोड की प्रभावशाली उपलब्धि तक पहुंच गया है। अपनी प्रभावशाली कहानी से दर्शकों का पसंदीदा बनते हुए, यह शो शादी और दोस्ती की पेचीदगियों को प्रदर्शित करता है और परिणीत (अंचल साहू), नीति (तन्वी डोगरा) और राजीव (अंकुर वर्मा) की आपस में जुड़ी नियति की कहानी सामने लाता है। इस उलझे हुए जाल के बीच, बेस्ट फ्रेंड परिणीत और नीति को एक चौंकाने वाली बात पता चलती है और उन्हें एहसास होता है कि उन दोनों ने एक ही आदमी संजू उर्फ राजीव से शादी की है, जिससे शो में एक बहुत ही जटिल प्रेम त्रिकोण बनता है। चूंकि शो 500 एपिसोड पूरे करने की इस अविश्वसनीय उपलब्धि का जश्न मना रहा है, यह दर्शकों को मनोरंजक कहानियों के सप्ताह में डुबोने के लिए तैयार है। इस सप्ताह के मनोरंजक एपिसोड में, परी का जीवन अधर में लटक जाने से तनाव बढ़ जाता है। नीति के परी को खत्म करने के मनहूस इरादे भयावह मोड़ लेते हैं, जिससे अस्पताल के कॉरिडोर में धोखे का खतरनाक खेल शुरू हो जाता है। जैसे-जैसे सच्चाई सामने आएगी, दर्शकों को सस्पेंस, रहस्यों और चौंकाने वाले खुलासों से घिरा एक बड़ा टकराव देखने को मिलेगा, जिससे दिल तोड़ने वाले ऐसे पल आएंगे जो कहानी को नई दिशा देंगे। अंकुर वर्मा कहते हैं मैं उन क्रिएटर्स को दिल से सलाम करता हूं जिनके अटूट समर्पण ने हमारे सफर को बढ़ावा दिया है, जिससे हम सभी को कथानक में उनके जुनून के अनुरूप काम करने के लिए प्रेरणा मिली है। दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया जबरदस्त हैय यह प्रमाण है कि कड़ी मेहनत का फल अच्छा होता है। आगे देखते हुए, हम परिणीति की कहानी बुनते रहने और अपने दर्शकों का मनोरंजन करते रहने के लिए उत्साहित हैं। हम उम्मीद करते हैं कि इसे दर्शकों का प्यार और समर्थन यूं ही मिलता रहे, जैसा कि शुरू से ही मिलता रहा है।

भूमि अधिग्रहण में मुआवजा कैम्प को किसानों ने किया बहिष्कार

कैमूर। चांद एन एच 219 बाईपास एवं चौरी करण में भूमि अधिग्रहण में कम मुआवजा को लेकर किसानों ने आंदोलन के पहले चरण में चांद गांव के किसानों के लिए आयोजित कैम्प का बहिष्कार किया। इसके पहले गोंई एवं सिहोरिया गांव में आयोजित कैम्प का किसानों ने बहिष्कार कर दिया था किसानों ने किसी तरह का दस्तावेज जमा नहीं किया। कैम्प में एम एल सी संतोष कुमार सिंह ने किसानों की बात रखने के लिए शामिल हुए। उन्होंने ने कहा भूमि अधिग्रहण में किसानों को बहुत कम मुआवजा दिया जा रहा है।एम एल सी संतोष कुमार सिंह ने किसानों को उचित मुआवजा देने एवं आंदोलन में किसानों को साथ देने का वादा किया। किसानों ने किसान एकता जिंदाबाद उचित मुआवजा नहीं तो सड़क नहीं नारे लगाते हुए भू अर्जन जिला पदाधिकारी के आयोजित कैम्प का बहिष्कार कर दिया कैम्प में किसानों ने मुआवजे के लिए किसी प्रकार की दस्तावेज जमा नहीं किया एवं मुआवजा लेने से साफ इंकार कर दिया। चांद प्रखंड में उत्तर प्रदेश से बिहार में सहबाजपुर जिगिना खैंटी सिहोरिया झझनी चांद एवं गोंई गांव की सैकड़ों किसानों की दर्जनों एकड़ भूमि अधिग्रहण की गई है। सात किलोमीटर लंबी सड़क के लिए किसानों की किमती भूमि अधिग्रहण की जा रही है। कैम्प में शामिल जिला भू अर्जन पदाधिकारी मो आमेर को किसानों ने स्पष्ट कह दिया इतने कम मुआवजा मे सड़क निर्माण के लिए भूमि नहीं दी जाएगी। किसानों ने कहा नहीं भूमि दी जाएगी नहीं सड़क का निर्माण होने दिया जाएगा। जिला भू अर्जन पदाधिकारी मो आमेर ने किसानों को समझाने का प्रयास किया। किसानों ने एक नहीं सुनी किसानों ने बिना दस्तावेज जमा किया कैम्प का बहिष्कार कर दिया।

चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग पर पटना एम्स में मनाया गया जश्न

चंद्रयान-3 की सफलता भारत के वैश्विक उत्थान को मजबूत करेगी : डॉ जीके पाल

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान , पटना ने चंद्रयान-3 की सफलता का जश्न मनाने के लिए, 4 सितंबर 2023 को पटना में संस्थान में चंद्रयान महोत्सव का किया आयोजने कार्यक्रम की उद्घाटन कार्यकारी निदेशक डॉ. गोपाल कृष्ण पाल द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया, इस कार्यक्रम की उद्घघाटन में चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सएम सिंह, डीन (अकादमिक) डॉ. उमेश कुमार भदानी, डीन स्टूडेंट अफेयर्स डॉ. पुनम प्रसाद भदानी, डीन रिसर्च डॉ. प्रेम , उप निदेशक (प्रशासन) नीलोत्पल बल और सभी संकाय सदस्य, नर्सिंग स्टाफ और स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरूआत इसके कार्यकारी निदेशक डॉ. गोपाल कृष्ण पाल के साथ हुई, जिन्होंने हमारे वैज्ञानिकों की महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए बधाई दी और सराहना भी की। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. पाल ने कहा, " हम चंद्रमा पर चंद्रयान-3 मिशन की ऐतिहासिक सफलता का जश्न मनाने के लिए यहां एकत्र हुए हैं, क्योंकि चंद्रयान-3 की विजयी लैंडिंग के बाद भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला पहला देश बन गया है। भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए गर्व का क्षण है।

इसरो के सभी वैज्ञानिक, जिन्होंने इस मिशन को संभव बनाने के लिए अपने विविध वैज्ञानिक हितों के साथ जबरदस्त काम किया है और वैश्विक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी पर भी मजबूत पकड़ स्थापित की है।' डॉ. पाल ने कहा, हम जल्द ही राज्य की परिधि में आवश्यक दवाओं, टीकों और एंटी-स्नेक वेनम की आपूर्ति के लिए एम्स, पटना की अंतरिक्ष स्वास्थ्य परियोजना शुरू करने जा रहे हैं, जो ड्रोन परियोजना है। . स्थायी वित्त समिति ने हमारी परियोजना को मंजूरी दे दी है और अब हम इस पर काम शुरू करेंगे।'

समारोह के हिस्से के रूप में, संस्थान ने 23 अगस्त को चंद्रयान-3 के चंद्रमा पर उतरने का एक वीडियो दिखाया। इस अवसर पर एक फिल्म "मिशन मंगल" भी दिखाई गई। छात्रों द्वारा "भारतीय अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की यात्रा" विषय पर एक प्रस्तुति दी गई और इसमें आर्यभट्ट, विक्रम साराभाई, सीवी रमन, एपीजे कलाम और अन्य प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की महत्वपूर्ण भूमिका शामिल थी।एक सेल्फी प्वाइंट भी लगाया गया था जहां प्रतिभागियों ने सेल्फी ली और अपनी तस्वीरें अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपलोड कीं और इसे संस्थान के सोशल मीडिया अकाउंट, माननीय प्रधान मंत्री, पीएमओ, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमओएस एंड टी), माननीय के साथ टैग किया। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री, राज्य सरकार और इसरो जैसी राष्ट्रीय एजेंसियां, आदि संस्थाओं को भी टैग की गई।

इस अवसर पर भारत के अंतरिक्ष विज्ञान और तकनीकी प्रगति को दशार्ती एक 'रंगोली' भी बनाई गई। 'रंगोली' में इसरो का लोगो, भारतीय मानचित्र और चंद्रयान -3 को चित्रित किया गया। संस्थान में एमबीबीएस और नर्सिंग छात्रों के छात्र क्लबों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए, जिसमें गायन, समूह नृत्य और अंतरिक्ष विज्ञान पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता शामिल थी।

आयुर्वेद से भी कैंसर का इलाज संभव: वैद्य (प्रो) दिनेश्वर प्रसाद

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज अस्पताल, पटना, बेगूसराय , दरभंगा, बिहार के पूर्व प्राचार्य एवं पटना ,शेखपुरा ,के पाल मार्केट स्थित अमृत आयुर्वेद का निदेशक सहः मुख्य चिकित्सक वैद्य प्रोफेसर दिनेश्वर प्रसाद ने हर घर, हर दिन आयुर्वेद कार्यक्रम के तहत आयुर्वेद के संदर्भ में कैंसर रोग का विवेचन एवं इलाज की संभावनाएं विषय पर जानकारी दी । अमृत आयुर्वेद के बगल में 65 नंबर पिलर के सामने पाल मार्केट में कार्यक्रम के तहत बताया की।

यह सत्य है कि आयुर्वेद के ग्रंथो में कैंसर रोग के नाम से कोई विवरण प्रत्यक्ष रूप से नही मिलता है,पर इस तरह के रोगों का विवरण सुश्रुत एवम चरक संहिता के साथ साथ अन्य ग्रंथो में भी यत्र तत्र उल्लेख मिलता है।चुंकी कैंसर जैसे रोगों के इलाज,बचाव,के लिए अभी तक आयुर्वेद के कॉलेजों/संस्थानों या अस्पतालों में अलग विभाग या इकाई व्यवस्थित रूप में उपलब्ध नहीं है, इसलिए इस क्षेत्र में कार्य करने की आपार संभावनाएं हैं।मेरे जानकारी में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान , सरिता विहार नई दिल्ली में साप्ताहिक वहीरंग विभाग प्रारंभ किया गया है,पर उसमें भी साधनों एवम वैज्ञानिक चिकित्सकों का आभाव है,बेहतर होता की कैंसर रोग के अस्पतालों में आयुर्वेद विभाग या इकाई की स्थापना कर कुछ एक आयुर्वेदके जुझारू एवम कर्मठ चिकित्सकों की नियुक्ति/प्रतिनियुक्ति /पदस्थापना की जाती तो पांच , सात वर्षो के अंदर कैंसर से पीड़ित तृतीय एवं चतुर्थ स्टेज के तकरीबन 25% प्रतिशत रोगियों का इलाज एवं बचाव निश्चित रूप से हो सकता है पर सरकार एवं आयुर्वेद के नीति निर्धारकों में सोच की कमी के कारण यह क्षेत्र आज तक अक्षुता है।

आयुर्वेद के ग्रंथो में मुख्य रूप से कैंसर को अर्बुद , दुष्ट ग्रंथि, दुष्ट वर्ण , ग्रंथि व्रण या कर्कटार्बुद रोग के नाम से जहां कहीं भी वर्णन आया है।उसे कैंसर माना जाना चाहिए और सुश्रुत संहिता के निदान स्थान / चिकित्सा स्थान के साथ साथ चरक संहिता के सुत्र स्थान , के साथ साथ चिकित्सा स्थान में यत्र तत्र इसका विस्तृत विवरण का उल्लेख मिलता है। चरक संहिता के अन्तर्गत चिकित्सा स्थान में रसायन चिकित्सा,संशोधन चिकित्सा के अतिरिक्त, सिद्धि स्थान इत्यादि में बहुतरे जगहों पर इसका वर्णन मिलता है।जिसके द्वारा कैंसर का सफलता पूर्वक इलाज किया जा सकता है,हवा कि आयुर्वेद में इस तरह के अधिकांश रोगों को असाध्य या कृचछ साध्य माना गया है।निदान के रूप में स्वस्थवृत के तहत सदवृत, दिनचर्या, रात्रि चर्या, ऋतु चर्या,अधारणीय वेगों का धारण करने तथा अहित आहार विहार का सेवन इसका मुख्य कारण कहा जा सकता है।

आयुर्वेद संहिताओं में अर्बुद रोग के कारणो का उल्लेख करते हुए मुख्य रूप से इस तरह के रोगों से निजात के लिए तीन तरह के चिकित्सा विधियों को लम्बे समय तक प्रयोग कर इसे ठीक करने की परिकल्पना की गई हैं।यथा (१) अंतः परिमार्जन चिकित्सा ,जिसका अर्थ होता है की ऐसे औषध जिनका शरीर में प्रवेश कराकर रोग का परिमार्जन (सफाई) कराया जाए ,यथा आवश्यकतानुसार पंचकर्म की समस्त विधियों का उपयोग जिसे चिकित्सालय में भर्ती कराकर इलाज कराने की सुविधा हो।

(२) वहिपरिमार्जन चिकित्सा,जिसका अर्थ होता है की शरीर के वाहय भाग ,अर्थात त्वचा के ऊपर विभिन्न प्रकार के तेलों एवं घृतों के द्वारा उपयोग (मालिस) स्वेदन,परिषेक , उवटन एवं विविध प्रकार के लेपो के प्रयोग से रोग का निवारन किया जाता है,इस तरह के रोगियों को बहिरंग विभाग में ही इलाज किया जा सके।

(३) शास्त्र प्राणिधान का अर्थ होता है,विविध प्रकार के शाश्त्र कर्म (छेदन, भेदन,लेखन,वेधन, एषण, आहरन, विश्रावण, सीवन, क्षार, अग्नि, तथा जलौका एवं अन्य प्रकार के रक्त मोक्षण इत्यादि के मध्यम से इलाज किया जाए,जो आज के कैंसर अस्पतालों में भी कई एक को छोड़कर विधिवत रूप से कराया जा रहा है।इन विधियों का समर्थन आचार्य चरक ने भी किया है। इसके अतिरिक्त आज कल

एडजुएनट थिरेपी का भी प्रयोग किया जा रहा है, इसमें रोग निरोधक क्षमता में वृद्धि कराने हेतु रसायन औषधियों का प्रयोग के साथ साथ निदान परिवर्जन (कारणो का परित्याग) कराकर एवं आहार, विहार में परीवर्तन कराकर समयक लाभ प्राप्त कराया जा सकता है।लेखक अपने 45 वर्षो के चिकित्सीय अनुभव के आधार पर ग्रांटी के साथ दावा कर सकता है की तकरीबन 25 रोगियों को जो तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी पर आ चुके हैं वैसे रोगियों को भी आयुर्वेदिक चिकित्सा के मध्यम से कैंसर को ठीक किया जा सकता है। एलोपैथ में वर्णित केमोथेरेपी ,रेडियम थिरेपी के बाद होने वाले उपद्रवों इत्यादि का भी आयुर्वेद में विकल्प उपलब्ध है , जो कम लागतएवं वर्तमान के उप द्रव में कमी लाकर लाभ प्राप्त किया जाता सकता है।

कीमोथेरेपी के दूसरे विकल्प के रूप में भलातक रसायन ,हीरक भस्म,स्वर्ण,मोती, गंधक भसम से बने रसोंषधियो के प्रयोग से भी लाभ प्राप्त किया जा सकता है।आहार द्रव्यों में कैंसर के विशेष कारणो में / हाइवृड, केमिकल, कीटनाशक दवाइयों एवं रासायनिक खादों के अतिसेवन एवं असंयमित जीवन शैली दिवानिद्रा, पैकेट बंद खाना , चाइनीज खाना,मसाहरी सेवन एवं महिलाओं में बार बार गर्भपात,स्तन के दुध का बच्चों, को पुरे समय तक न पिलाना, गलत रूप से सेक्स केलिए उत्तेजक दवाइयों का लंबे समय तक प्रयोग एवम गलत लाइफ स्टाइल मुख्य कारण माना जा सकता है।चिकित्सा के क्षेत्र में योग (आसन , प्रणायाम)एवं नेचरोपैथी या प्राकृतिक एवं मौसमी अन,फल, सब्जीयों का सेवन विशेष लाभ प्रद हो सकता है। आयुर्वेद में वर्णित सदवृत,आचार रसायन, दिन चर्या, रात्रि चर्या, ऋतु चर्या एवं नियमित योग के पालन से ही इस तरह के रोगों से छुटकारा मिल सकता है।

शिल्हौरी शीलानाथ मंदिर व मां गढ़देवी मंदिर में पूजा अर्चना करने पहुंची डॉ. प्रेरणा सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

मढ़ौरा ग्रामीण। मढौरा के प्रसिद्ध गढ़देवी के मंदिर में रविवार को देर शाम को एसडीओ डॉक्टर प्रेरणा सिंह पूजा अर्चना करने पहुंची और संध्या आरती में भी भाग लिया । इस दौरान एसडीओ ने माता के दर्शन पूजन के बाद यहा गायत्री मंदिर और बजरंगबली के मंदिर में भी माथा टेका और अनुमंडल वासियों के कल्याण के लिए देवी देवताओं से आशीर्वाद मांगा। इस मौके पर काफी संख्या में श्रद्धालु भक्त और गणमान्य लोग मौजूद थे। इससे पहले मंदिर में पहुंचने पर गढ़देवी मंदिर न्यास समिति के सदस्यों तथा पंडित पुजारियों के द्वारा नए एसडीओ का माला व चुंदरी प्रदान कर स्वागत किया गया। वहीं अगले दिन सोमवार की सुबह एसडीओ डा प्रेरणा सिंह शिल्हौरी स्थित प्रसिद्ध शिलनाथ के दरबार में पहुंची और वहां पूजा अर्चना कर भगवान शिलनाथ से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान पंडित पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विधिवत पूजा कराया और एसडीओ ने सपरिवार भगवान शिलनाथ का अभिषेक भी किया । इस मौके पर थाना अध्यक्ष आरके सिंह के साथ साथ मंदिर समिति के धर्मेंद्र उपाध्याय, डॉ जितेंद्र कुमार, संजय सिंह, कृष्णा सिंह आदि के साथ-साथ अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद थे।

शिक्षक अविनाश को बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता

अरवलःराष्ट्रीय खेल सम्मान समारोह भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में क्रीड़ा खेल प्रकोष्ठ के द्वारा पूरे बिहार के 160 खिलाड़ियों के सम्मानित किया गया, खेल सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि माननीय बिहार सरकार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी व वर्तमान राज्यसभा सांसद, बिहार राज्य के लिए राष्ट्रीय गटका प्रतियोगिता में भाग लिए थे अरवल जिले के उन सभी खिलाड़ियों को बीजेपी कार्यालय में सम्मानित किया गया, जिसका नाम इस प्रकार है, रमता वर्मा गोरख कुमार अनन्या कुमारी और दिल्ली पब्लिक स्कूल के शारीरिक शिक्षक सेस्टबॉल विश्व कप के सिल्वर मेडलिस्ट अविनाश कुमार को बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री वर्तमान राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने सम्मानित किया, यह अरवल के लिए बहुत खुशी की बात है खेल के क्षेत्र में अरवल जिले की लड़की/ लड़का आगे बढ़ रहे हैं, इस मौके पर दिल्ली पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य धर्मेंद्र कुमार ने अपनी शारीरिक शिक्षक को बधाई एवं शुभकामनाएं दिए हैं।

भभुआ प्रखंड के ग्रामपंचायत के पूर्व मुखिया के पिता कि नाहर में गिरने से हुई मौत

कैमूर।रविवार की शाम सोनहन थाना अंतर्गत ग्राम सैंथा में 65 वर्षीय बंशी बिंद की पानी में डूबने से मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुंचे जिला परिषद सदस्य सह बसपा नेता विकास सिंह ने बताया की सीओ पंचायत के पूर्व मुखिया वीरेंद्र बिंद के पिताजी बंशी बिंद मवेशी के लिए घास गढ़ने गए हुए थे जहां घास गढ़ने के क्रम में नहर के चाट में गिर गए काफी समय के बाद जब परिजनों ने खोज शुरू किया तो नाहर के चाट में मिले जिनको आनन फानन में भभुआ सदर अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों द्वारा उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। जिनका रविवार देर रात्रि पोस्टमार्टम कराया गया। वहीं सदर अस्पताल में मौजूद जिला परिषद सदस्य विकास सिंह ने कहा की सरकार से उचित मुवावजा दिलाया जायेगा।

अरवल रेड लाइट एरिया के दो थिएटर संचालक समेत 9 लोगों पर केस दर्ज

प्रात : किरण संवाददाता

अरवलःजनकपुर धाम स्थित रेड लाइट इलाके में गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस प्रशासन के द्वारा संयुक्त रूप से रविवार के दिन छापेमारी अभियान चलाई गई थी जिसमें कुल 8 महिला और पुरुष समेत 17 लोगों को हिरासत में लिया गया था। मिली जानकारी के अनुसार अरवल एसपी मोहम्मद कासिम अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजीव रंजन और अनुमंडल पदाधिकारी राजीव रौशन के नेतृत्व में हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ और जांच उपरांत 5 लोगों के विरुद्ध मध्य निषेध अधिनियम के तहत जेल भी दिया गया। वहीं आठ लड़कियों को भी हिरासत में लिया गया था जिसे पूछताछ को उपरांत अरवल अल्पआवास गृह में भेज दिया गया। और सभी से पूछताछ के उपरांत अवैध तरीके से लड़कियों से नाच गान के नाम पर देह व्यापार कराए जाने के मामले में दो थिएटर संचालक रेखा और मंजू की अलावे दो अन्य लोगों के विरुद्ध महिला थाने में प्राथमिक की दर्ज की गई है। अरवल एसपी मोहम्मद कासिम ने बताया कि जनकपुर धाम स्थित रेड लाइट इलाके में छापेमारी के दरमियान 17 लोगों को हिरासत में दिया गया था जिसमें आठ लड़कियां भी शामिल थी जिसे पूछताछ के उपरांत देह व्यापार जैसे संगीन धंधे में लड़कियों को बहला फुसलाकर लाने और रखने के मामले में कुल दो थिएटर संचालक के अलावे दो अन्य लोगों समेत कुल 9 लोगों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी। और नामजद आरोपियों के विरुद्ध अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजीव रंजन के नेतृत्व में टीम गठित कर छापेमारी अभियान चलाई जा रही है। यह अरवल पुलिस का 8 महीने में आधे दर्जन से अधिक बार की रेड लाइट इलाके में छापेमारी किए जाने का रिकॉर्ड है जो अरवल पुलिस का कहना है कि जिस्मफरोशी का अवैध तरीके से धंधा करने वाले लोगों विरुद्ध लगातार छापेमारी वाली सिस्टम चलती रहेगी। और हिरासत में लिए गए लड़कियों को उनके परिजनों के पास भेज दिया जाएगा।

आहर में डूबने से मजदूर की मौत, पुलिस ने शव का सदर अस्पताल में कराया पोस्टमार्टम

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले के चौरी थाना क्षेत्र के जनकपुरिया गांव स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय के समीप आहर में डूबने से एक मजदूर की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अपरा तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतक चौरी थाना क्षेत्र के जनकपुरिया गांव निवासी स्व. रामवृत राम के 42 वर्षीय पुत्र कृष्ण राम है एवं वह पेशे से मजदूर थे। इधर मृतक के ममेरे भाई जय राम पासवान ने बताया कि सोमवार की दोपहर वह बाजार से घर वापस लौट रहा था। इस दौरान गांव में ही स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय के समीप आहर के पास उनका पैर फिसल गया और वह आहर में गिरकर डूब गए। जिससे उसकी मौत हो गई। जिसके बाद स्कूल में मौजूद बच्चों ने इसकी सूचना उनके परिजनों को दी। सूचना पाकर परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और उनके शव को आहर से बाहर निकाला। इसके पश्चात परिजनों ने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने दो भाई व दो बहन में छोटे थे। मृतक के परिवार में पत्नी आशा देवी व एक पुत्र पिंटू कुमार एवं एक पुत्री विभा देवी है। हादसे के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। वही इस हादसे के बाद मृतक की पत्नी आशा देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

आरा में ऑटो ने बाइक सवार दो दोस्तों को मारी टक्कर,जख्मी

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। आर-सिन्हा मुख मार्ग पर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के गरैया मठिया के समीप सोमवार की शाम ऑटो ने बाइक सवार दो दोस्त को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद उसके अन्य दोस्तों द्वारा दोनों को इलाज के लिए आरा अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद दोनों को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार जख्मियों में मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महकमपुर गांव निवासी सरजू यादव का पुत्र सतीश कुमार एवं कोईलवर थाना क्षेत्र के गीधा ओपी अंतर्गत बीरमपुर गांव निवासी शारदा राय का पुत्र अमन कुमार शामिल है। वह दोनों दोस्त बताई जा रहे हैं। इधर सतीश कुमार ने बताया कि सोमवार की शाम वह दोनों बाइक से सरैया बाजार गए थे।

जब वह दोनों वापस आरा लौट रहे थे। उसी बीच गरैया मठिया के समीप विपरीत दिशा से आ रही ऑटो ने उनके बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद दोनों को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया।

भोजपुर में बाइक सवार ने पैदल जा रही वृद्ध महिला को मारी टक्कर

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले के चरपोखरी थाना क्षेत्र के बरहरा गांव में तेज रफ्तार से जा रहे बाइक सवार ने सड़क किनारे पैदल जा रही है वृद्ध महिला को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उनकी मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतका चरपोखरी थाना क्षेत्र के बड़हरा गांव निवासी स्व.इंद्रजीत कुमार सिंह की 57 वर्षीया पत्नी रामुना कुंवर है। इधर मृतका की पोती अनामिका कुमारी ने बताया कि सोमवार की सुबह वह गांव में ही कुछ दूर पर एक व्यक्ति को पैसा देने जा रही थी। उसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे हैं बाइक सवार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई। इसके बाद स्थानीय ग्रामीणों ने इसकी सूचना उनके परिजनों को दी। सूचना पाकर परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। तभी सरकारी एंबुलेंस भी वहां पहुंच चुकी थी। जिसके बाद परिजनों द्वारा उन्हें इलाज के लिए चरपोखरी पीएचसी लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उन्हें आरा अस्पताल रेफर कर दिया गया था। हालांकि परिजन अभी उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल ला ही रहे थे। तभी उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। बावजूद इसके परिजन उन्हें आरा सदर अस्पताल ले आए। जहां चिकित्सक ने देख उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके पश्चात परिजनों ने इसकी सूचना सदर अस्पताल में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी को दी। सूचना पाकर पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया। बताया जाता है कि मृतका को इकलौती संतान उपेंद्र कुमार सिंह है। हादसे के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। वही इस हादसे के बाद मृतका के परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

छत से पानी गिरने के विवाद को लेकर बाप-बेटे की पिटाई

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले के चांदी थाना क्षेत्र के बहियारा गांव में सोमवार को सुबह छत से पानी के विवाद को लेकर बाप-बेटे की जमकर पिटाई कर दी गई। जिससे दोनों जख्मी हो गए। उसके बाद उनका इलाज आरा सदर अस्पताल में कराया गया। जानकारी के अनुसार जख्मियों में चांदी थाना क्षेत्र बहियारा गांव निवासी 62 वर्षीय मो.शमीम अंसारी एवं 16 वर्षीय उनका बेटा मो.खारीस शामिल है। इधर मो.शमीम अंसारी में बताया कि उनके घर के बगल में ही एक व्यक्ति में अपना नया घर बनाया है और अपने छत का ढाल उनके घर के दीवार की तरफ कर दिया है। जिसके कारण जब भी बारिश होती है तो पूरा पानी उनके दीवार पर गिरता है और यह सिलसिला लगभग छह महीने से चल रहा है।जिसके कारण उनका दिवार में दरार पड़ गया है। रात में बारिश हुई और पानी के दीवार पर गिरने के कारण उनके भर के अंदर चला गया है। सोमवार की सुबह जब उन्होंने इसकी शिकायत पड़ोसी से की तो उसके बीच तीखी नोंकझोंक हुई। जिसके बाद उक्त व्यक्ति ने दोनों बाप-बेट की पिटाई कर दी। जिससे दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद उनका इलाज आरा सदर अस्पताल में कराया गया। वहीं दूसरी ओर जख्मी मो. शमीम अंसारी ने पड़ोस के ही उक्त व्यक्ति पर दोनों बाप-बेटे को पीट कर जख्मी करने का आरोप लगाया है।

आरा में अज्ञात युवक का शव हुआ बरामद

आरा। शहर के टाउन थाना क्षेत्र के गांगी पुल के नीचे से सोमवार की शाम एक अज्ञात 35 वर्षीय युवक का शव बरामद हुआ है। शव के मिलने से आसपास के इलाके में अफरा-तफरा आलम रहा। इसके बाद स्थानीय लोगों द्वारा इसकी सूचना टाउन थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदस्य अस्पताल में करवाया। इसके पश्चात पुलिस शव की पहचान करने एवं मामले की छानबीन में जुट गई है। वहीं पुलिस द्वारा बनाए गए मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार मृतक अज्ञात युवक की मौत बीमारी के कारण होना प्रतीत होता है।

समस्त जिले वासियों को शिक्षक दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निवेदक
राहुल शेखर
जिला अध्यक्ष युवा
कांग्रेस अरवल

सम्पादकीय

कहा न, अच्छे दिन तो एक स्लोगन था!

पूरन सरमा

नए-नए केन्द्रीय मंत्री थे। एक पार्टी में मिल गये। प्लेट में पांच-सात गुलाब जामुन रखे बारी-बारी से गटक रहे थे। मैंने भी अपनी प्लेट भरी और उनके पास पहुंच गया। गुलाब जामुन का एक पीस पेट में जमा कर मैंने मंत्री जी से पूछा-क्यों साब ये अच्छे दिनों की उम्मीद कब तक की जा सकती है। मेरी बात पर हंसने लगे और इससे बढिा अच्छे दिन क्या होंगे? हम लोग एक साथ गुलाब जामुन खा रहे हैं। मेरे मुंह का गुलाब जामुन बाहर आते-आते बचा, मैंने पूछा- सर, यह तो पार्टी है। इसमें तो सभी खा रहे हैं। लेकिन आम आदमी की जद में गुलाब जामुन कब तक आयेगा? मेरा मतलब महंगाई पर लगाम लगाने से है। वे बोले-मैं सब समझ रहा हूं। देखिये आलू-प्याज को तो हमने सुरक्षित कर लिया है।

चीनी के दाम बढ़ाकर उसे भी लगभग स्थिर कर दिया है। भाई चुनाव में हमने 15 हजार करोड़ खर्च किये हैं। जिनसे लिया है, उनको चुकाना भी तो है। एक बार यह देनदारी खत्म हो जाये, बाद में महंगाई को पूरी तरह काबू में कर लेंगे। मैंने कहा-यह तो बड़ा लम्बा प्रोसेस है। तब तक नये चुनाव आ जायेंगे और आप कार्पोरेट से फिर धन ले लेंगे और देनदारी हो जायेगी। इस तरह तो आपका घोषणा-पत्र रद्दी की टोकरी में चला जायेगा। मंत्री जी बोले- देखो भाई यह तो एक प्रोसेस है। अच्छे दिन तो हमारा एक स्लोगन था, जिसे जनता ने सच मान लिया। इसमें हमारी क्या गलती है। चुनाव जीतने के लिए पता नहीं क्या-क्या झूठे-सच्चे वायदे करने पड़ते हैं। मंत्री जी की बात सुनकर मैंने कहा सर, इससे तो आपका भी हश्र पहले वालों की तरह होगा। जनता आपको पटखनी दे देगी। चुनाव नागनाथ और सांपनाथ वाला खेल है। इसमें विकल्प तो कुछ होता नहीं। इसलिए ज्यादा परेशान होने की बात नहीं है।

वैसे भी हमने अच्छे दिनों के लिए जनता से दो टर्म मांगे हैं। हमारे नेताजी बोलने में इतने पटु हैं कि मुझे तो दो दशक तक गुलाब जामुन खाने से कोई रोक नहीं सकता। मंत्री जी ने कहा। यह तो सरासर धोखा है। आप इस तरह जनता की आंखों में धूल कैसे झोंक सकते है? मैंने कहा तो वे बोले -देखो शर्मा, ज्यादा देश की चिंता में अपने आप को दुबले मत होने दो। यह हमारा मामला है। जैसा भी होगा सलटा लेंगे। कांदा सस्ता है, रोटी उसी से खाओ। व्रत के दिन आलू उबाल कर खा लो। अब तुम चाहो कि जनता को दोनों टाइम गुलाब जामुन मिले तो भाई यह हमारे हाथ में नहीं है। महंगाई कम करने के लिए हम लोग कैबिनेट की मीटिंग धड़ाधड़ कर रहे हैं।

अब यह मरी सुरसा जैसी, महंगाई का तो हम अकेले कर भी क्या सकते हैं। मैं बोला-इसका मतलब तो अच्छे दिन नहीं आयेंगे?ह्ल वे बोले, मैंने कहा न, अच्छे दिन तो स्लोगन था। उसे सत्य मानना बेवकूफी। वैसे भी अच्छे दिन फील गुड की तरह हैं। महसूस करो तो हर दिन अच्छा है। रहा रात का सवाल, हमने इसके लिए शराब के ठेके बढ़ा दिये हैं। पी लो तो नींद अच्छी आयेगी। अब तुम्हारी अपेक्षाएं बढ़ गई हैं, तो पी. एम. क्या करें। मैंने कहा-पी.एम. उनका वादा था, अच्छे दिनों का। मंत्री जी झल्ला कर बोले-क्या अच्छे दिनों की रट लगा रखी है। एक बार बता दिया कि अच्छे दिन तो स्लोगन था। बिना मतलब माथा खा गये। हटो दूर में किसी और से मिलता हूं। यह कहकर मंत्री जी ने गुलाब जामुनों से फिर प्लेट को भरा और वे भीड़ में घुस गये। मुझे काटो तो खून नहीं।

जी-20 की मेजबानी में आवारा पशुओं का झंझट

रजनीश कपूर

जी-20 की शिखर बैठक को ले कर दिल्ली के कुछ इलाकों से आवारा कुत्तों को हटाने के आदेश भी जारी हुए थे, जिसे पशु प्रेमियों के विरोध के चलते रद्द किया गया। आदेश का विरोध कर, पशु प्रेमियों ने इसे आवारा कुत्तों के हित में बताया है। परंतु यहाँ सवाल उठता है कि इस समस्या से छुटकारा कैसे मिले? दुनिया भर में केवल नीदरलैंड ही एक ऐसा देश है जहां पर आपको आवारा कुत्ते नहीं मिलेंगे। यहाँ की सरकार द्वारा चलाए गये एक विशेष कार्यक्रम के तहत वहाँ के हर कुत्ते को सरकार द्वारा इकट्ठा कर उसकी जनसंख्या नियंत्रण करने वाले टीके लगाए जाते हैं। जी20 शिखर सम्मेलन की तैयारी में देश की राजधानी दिल्ली को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। केंद्र और दिल्ली की सरकार इस सम्मेलन को कामयाब करने की दृष्टि से हर वो कदम उठा रही है जिससे कि इसमें शिरकत करने वाले विदेशी मेहमानों को किसी भी तरह की असुविधा न हो। दिल्ली को सजाने के साथ-साथ सुरक्षा व्यवस्था के चलते भी कई कदम उठाए गये हैं। इस सिलसिले में दिल्ली के कुछ इलाकों से आवारा कुत्तों को हटाने के आदेश भी जारी हुए थे, जिसे पशु प्रेमियों के विरोध के चलते रद्द किया गया। आदेश का विरोध कर, पशु प्रेमियों ने इसे आवारा कुत्तों के हित में बताया है। परंतु यहाँ सवाल उठता है कि इस समस्या से छुटकारा कैसे मिले?

शहरों में आवारा कुत्तों की समस्या हर दिन बढ़ती जा रही है। आम जनता को हर गली मोहल्ले में आवारा कुत्तों से खुद को बचा कर निकलना पड़ता है। यदि इन कुत्तों से बचने के लिए हम इन्हें लाठी, डंडा या पत्थर का डर दिखाते हैं तो पशु प्रेमी इसका विरोध करते हैं। कुछ जगहों पर तो ये लोग नागरिकों को पुलिस की कार्यवाही की धमकी तक दे देते हैं। परंतु क्या कभी किसी पशु प्रेमी ने इस समस्या का हल खोजने की कोशिश भी की है? क्या कारण है कि आवारा कुत्तों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है? आवारा कुत्तों परिभाषित करें तो यह तीन प्रकार के होते हैं। पहले वो जो किसी भी इलाके में आराम से घूमते हैं और वहाँ के स्थानीय नागरिकों पर निर्भर रहते हैं और उनके दिये खाने पर जीवित रहते हैं। दूसरे वो जो पहले प्रकार की तरह ही होते हैं लेकिन वो किसी पर निर्भर नहीं रहते। वो इलाके के कूड़े आदि में से अपने खाने का इंतजाम कर लेते हैं। तीसरे वो, जिन पालतू कुत्तों को उनके स्वामी बेघर कर देते हैं।

पहले और दूसरे प्रकार के कुत्ते किसी न किसी तरह से जीवित रह पाते हैं क्योंकि वो सड़कों पर रहने के आदि हो जाते हैं। जो भी खाने को मिल जाए उससे संतुष्ट रहते हैं। जबकि तीसरे प्रकार के कुत्तों को इन सबकी आदत नहीं होती और वो या तो दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं या गंदा खाना खाने से बीमार पड़ जाते हैं। इनमें से किसी भी आवारा कुत्ते को रेबीज जैसी घातक बीमारी हो जाए और वो कुत्ता किसी को काट ले तो उस व्यक्ति की तो जान पर बन आती है।

जी20 शिखर सम्मेलन से पहले जब दिल्ली नगर निगम ने यह आदेश दिया कि आवारा कुत्तों को कुछ इलाकों से हटा कर किसी सुरक्षित स्थान पर भेजा जाएगा, तो लगा कि यह एक अच्छी पहल है। जिस तरह देश भर में कई सामाजिक संस्थाएँ गौवंश की सुरक्षा कि दृष्टि से गौशाला चलाती हैं। उसी तरह क्यों न आवारा कुत्तों के लिए भी ह्यडॉग शेल्टरह्ल जैसी कोई योजना बनाई जाए जहां आवारा कुत्तों को एक सुरक्षित माहौल में रखा जाए। यहाँ पर इन बेजुबानों के इलाज की भी उचित व्यवस्था हो। जिन भी पशु प्रेमियों को इन बेजुबानों के प्रति अपना वात्सल्य दिखाने की कामना हो वे समय निकाल कर वहाँ नियमित रूप से जाएँ और न सिर्फ.उनको खाना खिलाए बल्कि उनके साथ समय भी बिताएँ। ऐसा करने से न तो किसी पशु पर अत्याचार होगा और न ही ऐसे आवारा कुत्तों से किसी आम नागरिक को कोई खतरा होगा।

दुनिया भर में केवल नीदरलैंड ही एक ऐसा देश है जहां पर आपको आवारा कुत्ते नहीं मिलेंगे। यहाँ की सरकार द्वारा चलाए गये एक विशेष कार्यक्रम के तहत वहाँ के हर कुत्ते को सरकार द्वारा इकट्ठा कर उसकी जनसंख्या नियंत्रण करने वाले टीके लगाए जाते हैं। रेबीज जैसी बीमारियों से बचाव का टीकाकरण किया जाता है। उसके पश्चात या तो उन्हें उनके स्वामी के पास वापिस भेज दिया जाता है या उस इलाके में छोड़ दिया जाता है जहां से उसे लाया गया था। दुनिया भर के पशु प्रेमियों के संगठनों ने इस कार्यक्रम को सबसे सुरक्षित और असरदार माना है। इस कार्यक्रम से न सिर्फ.आवारा कुत्तों की जनसंख्या पर रोक लगती है बल्कि आम नागरिकों को भी इस समस्या से निजाद मिलता है।

इसके साथ ही नीदरलैंड सरकार ने एक नियम भी लागू किया गया। किसी भी पालतू पशु की दुकान से खरीदे गये कुत्तों पर सरकार भारी मात्रा में टैक्स लगती है। वहीं दूसरी ओर यदि कोई भी नागरिक इन बेघर पशुओं को गोद लेकर अपनाता है तो उसे आयकर में छूट भी मिलती है। इस नियम के लागू होते ही लोगों ने अधिक से अधिक बेघर कुत्तों को अपनाना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे नीदरलैंड की सड़कों व मोहल्लों से आवारा कुत्तों की संख्या घटते-घटते बिलकुल शून्य हो गई। मामला केरल का हो, आगरा का हो, दिल्ली एनसीआर का हो या मुंबई का हो, देश भर से ऐसी खबरें आती हैं जहां कभी किसी बच्चे को, किसी डिलीवरी करने वाले को या किसी बुजुर्ग को इन आवारा पशुओं का शिकार होना पड़ता है। अगर कोई अपने बचाव में कोई कदम उठाए तो पशु प्रेमी बवाल खड़ा कर देते हैं।

विपक्षी गठबंधन को तीन सवालों के जवाब जल्द से जल्द ढूँढ़ने होंगे

विपक्षी गठबंधन इंडिया की तीसरी बैठक हाल ही देश की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले महानगर मुंबई में संपन्न हुई। विपक्षी गठबंधन की ये तीसरी बैठक थी। पहली बैठक जून में पटना में, जबकि दूसरी बैठक जुलाई में बेंगलुरु में हुई थी। जहां इसे इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस (इंडिया) नाम दिया गया। तीन बैठकों के बाद भी विपक्ष तीन सवालों से लगातार मुंह चुरा रहा है या फिलवक्त वो इन सवालों का जवाव ढूंढ़ नहीं पाया है। पहला प्रश्न यह है कि प्रधानमंत्री पद का चेहरा कौन? दूसरा प्रश्न है, सीट बंटवारा कब तक? और अंतिम एवं तीसरा प्रश्न है कि गठबंधन का संयोजक कौन? मुंबई बैठक में एक बार फिर ये भाव उभरकर आया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सत्ता से हटाने के लिए गैर भाजपाई दलों की एकता ही एकमात्र उपाय है। विपक्ष की तीसरी बैठक में तीन संकल्पों पर सहमति बनी। इंडिया के सभी दल लोकसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ेंगे। सीट शेयरिंग के बारे में सभी दल जल्द ही सहमति से फैसला लेंगे। सभी पार्टियों के नेताओं से कहा गया कि वह सहयोगी दलों को कितनी सीटें दे सकते हैं, इस पर जल्द से जल्द अपना पक्ष रखें।

डॉ. आशीष वशिष्ठ
लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं

संयोजक के नाम पर आम राय और विपक्ष का चेहरा कौन होगा के अलावा ऐसी ही परेशानी सीटों के बंटवारे को लेकर है। दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने बैठक में ये मांग कर डाली कि इस मुद्दे पर तत्काल फैसला किया जाए। लेकिन उनकी बात अनसुनी कर दी गई। विपक्षी गठबंधन इंडिया की तीसरी बैठक हाल ही देश की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले महानगर मुंबई में संपन्न हुई। विपक्षी गठबंधन की ये तीसरी बैठक थी। पहली बैठक जून में पटना में, जबकि दूसरी बैठक जुलाई में बेंगलुरु में हुई थी। जहां इसे इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस (इंडिया) नाम दिया गया। तीन बैठकों के बाद भी विपक्ष तीन सवालों से लगातार मुंह चुरा रहा है या फिलवक्त वो इन सवालों का जवाव ढूंढ़ नहीं पाया है। पहला प्रश्न यह है कि प्रधानमंत्री पद का चेहरा कौन? दूसरा प्रश्न है, सीट बंटवारा कब तक? और अंतिम एवं तीसरा प्रश्न है कि गठबंधन का संयोजक कौन? मुंबई बैठक में एक बार फिर ये भाव उभरकर आया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सत्ता से हटाने के लिए गैर भाजपाई दलों की एकता ही एकमात्र उपाय है। विपक्ष की तीसरी बैठक में तीन संकल्पों पर सहमति बनी। इंडिया के सभी दल लोकसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ेंगे। सीट शेयरिंग के बारे में सभी दल जल्द ही सहमति से फैसला लेंगे। सभी पार्टियों के नेताओं से कहा गया कि वह सहयोगी दलों को कितनी सीटें दे सकते हैं, इस पर जल्द से जल्द अपना पक्ष रखें। इंडिया के नेता पूरे देश में एक साथ रैली करेंगे। विपक्षी गठबंधन की तीसरी बैठक से हासिल क्या हुआ ये कह पाना तो कठिन है लेकिन जुड़ेगा भारत जीतेगा इंडिया, जैसा नारा जरूर तय हो गया।

इंडिया गठबंधन की ये सबसे बड़ी चुनौती इस समय चल रही है। कैमरे के सामने सभी एकजुट होने का दावा जरूर कर रहे हैं, लेकिन अंदर खाने काफी कुछ चल रहा है। उन तमाम गतिविधियों की वजह से ही अब तक कई चीजों पर आम सहमति बनती नहीं दिख रही है। सबसे पहले इंडिया को ये तय करना था कि उसका संजोयक कौन बनने जा रहा है। कोई बहुत बड़ा सवाल नहीं था, इस पर ज्यादा विवाद भी नहीं होना था। लेकिन 26 पार्टियों वाला ये विशाल कुनबा इस सवाल का जवाब भी नहीं खोज पाया।

संयोजक के नाम पर एक राय न होने की वजह साफ है कि विभिन्न नेताओं की महत्वाकांक्षाओं में टकराव है। वैसे तो सभी नेता कहते रहे हैं कि वे इस पद हेतु दावेदार नहीं हैं किंतु वास्तविकता ये है कि कांग्रेस येन केन प्रकारेण अपना संयोजक बनाना चाहती है किंतु आम आदमी पार्टी जैसे छोटे दल भी कांग्रेस की अगुवाई में काम करने के इच्छुक नहीं हैं।

इंडिया गठबंधन के संयोजक के रूप में सबसे पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नाम चल रहा था। उनकी तरफ से क्योंकि इस विपक्षी एकता की रूपरेखा रखी गई, उन्होंने ही शुरूआत में कई नेताओं से मुलाकात कर सियासी पिच खड़ी करने की तैयारी की, ऐसे में उन्हें ये मौका मिल सकता था। लेकिन जब तक ये अटकलें और ज्यादा जोर पकड़तीं, नीतीश ने मुंबई बैठक से पहले ही साफ कर दिया कि उन्हें इस पद की कोई लालसा नहीं है। वे तो किसी भी पद की उम्मीद में नहीं बैठे हैं। उन्हें तो बस विपक्ष को एकजुट करना है। जबकि असलियत यह है कि नीतीश कुमार संयोजक बनने के लिए लालायित हैं। लेकिन अंदरूनी तौर पर बिहार सरकार में ही उनके सहयोगी लालू प्रसाद यादव उनके नाम पर तैयार नहीं हैं। लालू नीतीश को राष्ट्रीय नेता बनते नहीं देखना चाहते।

इसी कड़ी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नाम ने जोर पकड़ना शुरू किया। सूत्रों से यहां तक खबर मिलने लगी कि मुंबई बैठक में मल्लिकार्जुन खड़गे को ये अहम जिम्मेदारी दे दी जाएगी। लेकिन ऐन वक्त पर पता चला कि मुंबई बैठक में संयोजक का ऐलान नहीं किया जाएगा। एक परेशानी ये भी है कि यदि मल्लिकार्जुन खरगे या नीतीश संयोजक बनते हैं तो ये शरद पवार खेमे को ये नागवार गुजरेगा।

अभी तक हो रही देरी को लेकर कोई औपचारिक बयान नहीं दिया गया है, किसी तरह का कारण भी सामने नहीं आया है। इसी वजह से जानकार मान रहे हैं कि अंदरूनी झगड़ों से बचने के लिए अब तक इंडिया गठबंधन के संयोजक का ऐलान नहीं किया गया है। एक के नाम पर मुहर लगने का मतलब है दो अन्य का नाराज होना। इस स्थिति से लगातार बचने के चलते नाम के ऐलान से भी खुद को दूर रखा जा रहा है। ऐसे में इंडिया के लिए संयोजक तय करना मुश्किल होता जा रहा है।

इंडिया गठबंधन के साथ चेहरे को लेकर भी दुविधा खड़ी हो रही है। चेहरे से मतलब है कि पीएम मोदी के खिलाफ किसे विपक्ष अपना पीएम उम्मीदवार दिखाने वाला है। अब ये सवाल भी अपने आप में बड़े सियासी तूफान को जन्म दे सकता है। इस बारे में अनेक राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भले ही पचास से ज्यादा नेता इंडिया की बैठक में शामिल होते हैं किंतु जब मोदी के मुकाबले के लिए किसी को सामने लाने का सवाल उठता है तब एक खालीपन महसूस होने लगता है। गठबंधन में ये डर भी देखा जा रहा है कि संयोजक को प्रधानमंत्री पद का चेहरा मान लिए जाने से पूरा मुकाबला इकतरफा हो जाएगा क्योंकि चेहरे और व्यक्तित्व के मामले में प्रधानमंत्री मोदी पूरे विपक्ष पर भारी पड़ते हैं। संयोजक के नाम पर आम राय और विपक्ष का चेहरा कौन होगा के अलावा ऐसी ही परेशानी सीटों के बंटवारे को लेकर है। दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने बैठक में ये मांग कर डाली कि इस मुद्दे पर तत्काल फैसला किया जाए। लेकिन उनकी बात अनसुनी कर दी गई। जिस तरह की जानकारी अंदरखाने से आई हैं उसके अनुसार कांग्रेस संयोजक और सीट बंटवारे को मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के चुनाव तक टालना चाहती है। दरअसल उसे उम्मीद है कि वह कर्नाटक की तरह से ही उक्त तीनों राज्य जीतने जा रही है। और तब संयोजक और सीट बंटवारे के निर्णय में उसका हाथ ऊपर रहेगा। इस प्रकार भले ही राहुल गांधी कितनी भी उदारता दिखाते हुए विपक्षी एकता के प्रति समर्पण भाव व्यक्त करें किंतु गठबंधन का स्वरूप नेचुरल कम आर्टिफिशियल ज्यादा नजर आ रहा है। दूसरे शब्दों में कहें तो ये मजबूरी से उपजी जरूरत है। यही वजह है कि मोदी विरोध के नाम पर एक साथ बैठने के बाद भी नेता और सीटों के बंटवारे पर निर्णय नहीं हो पा रहा है।

सीटों के बंटवारे को जिस तरह से कांग्रेस टरका रही है उसकी वजह से भी अविश्वास बरकरार है। आम आदमी पार्टी जिस प्रकार से दबाव बना रही है उससे बाकी पार्टियां भी परेशान हैं क्योंकि केजरीवाल की महत्वाकांक्षा प्रधानमंत्री बनने की है जिसे न कांग्रेस भाव देगी, न ही ममता बैनर्जी और नीतीश कुमार। जिन तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव आगामी महीनों में होने जा रहे हैं उनमें आम आदमी पार्टी जिस प्रकार से पैर पसार रही है उससे कांग्रेस परेशान है। लेकिन केजरीवाल को रोकने का साहस भी नहीं बटोर पा रही। ऐसा लगता है संसद के विशेष सत्र की घोषणा ने गठबंधन को रुको, देखो और फिर आगे बढ़ने के लिए बाध्य कर दिया है। मुंबई में हुई बैठक के पहले जो माहौल बनाया गया उसे देखकर लग रहा था कि उसमें ठोस निर्णय होंगे किंतु ऐसा कुछ नहीं हुआ और पांच सितारा होटल में बैठकर गरीबी और बेराजगारी पर केंद्र सरकार की आलोचना कर बैठक खत्म हो गई। एक देश, एक चुनाव की चचाओं ने विपक्षी गठबंधन की चुनौतियां को बढ़ाने का काम किया है। जिस तरह से देश की राजनीति तेजी से करवट ले रही है, ऐसे में देश की जनता के समक्ष अपनी विश्वसनीयता और साख कायम रखने के लिए विपक्ष को इन सवालों का जवाब जल्द ढूंढ़ लेना चाहिए।

कांग्रेस विधानसभा जीतेगी तभी इंडिया मजबूत!

राजनीतिज्ञ तो राजनीतिज्ञ होते हैं बाकी लोगों से बहुत आगे की सोचने वाले। बुद्धिमान। बोले यूपीए का तो झंडा था नहीं। एनडीए का भी नहीं है। जनता पार्टी का था। 1977 में। जब सारे विपक्षी दल एक होकर विलय कर गए थे। क्या आज कोई ऐसा माहौल बनाने की कोशिश कर रहा है? कांग्रेस की पहचान खत्म करने का! बोले वैसे तो लोगो की भी जरूरत नहीं थी। क्या उपयोगिता है उसकी? दुरुपयोग के चांस ज्यादा हैं। लेकिन फिर भी चलिए एकता का बड़ा संदेश देने के लिए लोगो (प्रतीक चिन्ह) बना लेते हैं। मगर झंडा तो गठबंधन का कभी होता नहीं। यह आइडिया किसका है? जाहिर है हमारे पास एक ही जवाब था कि अपनी पार्टी में मालूम कीजिए। मगर सच यह है कि आज भी किसी को नहीं मालूम कि पार्टी में किस से पूछना है? कौन जानता है? फैसले कैसे लिए जाते हैं? कौन लेता है? सौ कम तेरह की बड़ी भारी सी डब्ल्यू सी बना दी। सब को भर लिया। किसी को नहीं छोड़ा। न राहुल को गाली देने वाले को और न गणेश परिक्रमा करने वाले को। खैर एक हफ्ते से ज्यादा हो गया। बधाइयों, धन्यवाद के दिन बीत गए। मुबंई जाने से पहले एक मीटिंग तो कर लेते! पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारक इकाई है।

शकील अख़्तर
लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं

कांग्रेस के एक बहुत वरिष्ठ नेता ने हमसे पूछा कि क्या विपक्षी दलों के गठबंधन इन्डिया का कोई झंडा भी होगा? हमारे पास इसका क्या जवाब था सिवाय इसके कि सुना तो है! राजनीतिज्ञ तो राजनीतिज्ञ होते हैं बाकी लोगों से बहुत आगे की सोचने वाले। बुद्धिमान। बोले यूपीए का तो झंडा था नहीं। एनडीए का भी नहीं है। जनता पार्टी का था। 1977 में। जब सारे विपक्षी दल एक होकर विलय कर गए थे। क्या आज कोई ऐसा माहौल बनाने की कोशिश कर रहा है? कांग्रेस की पहचान खत्म करने का! बोले वैसे तो लोगो की भी जरूरत नहीं थी। क्या उपयोगिता है उसकी? दुरुपयोग के चांस ज्यादा हैं।

लेकिन फिर भी चलिए एकता का बड़ा संदेश देने के लिए लोगो (प्रतीक चिन्ह) बना लेते हैं। मगर झंडा तो गठबंधन का कभी होता नहीं। यह आइडिया किसका है? जाहिर है हमारे पास एक ही जवाब था कि अपनी पार्टी में मालूम कीजिए। मगर सच यह है कि आज भी किसी को नहीं मालूम कि पार्टी में किस से पूछना है? कौन जानता है? फैसले कैसे लिए जाते हैं? कौन लेता है? सौ कम तेरह की बड़ी भारी सी डब्ल्यू सी बना दी। सब को भर लिया। किसी को नहीं छोड़ा। न राहुल को गाली देने वाले को और न गणेश परिक्रमा करने वाले को। खैर एक हफ्ते से ज्यादा हो गया। बधाइयों, धन्यवाद के दिन बीत गए। मुबंई जाने से पहले एक मीटिंग तो कर लेते! पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारक इकाई है। एक औपचारिक स्वीकृति तो ले लेते। विचार भी हो जाता कि संयोजक, 11 सदस्यीय समिति, और अब तो सैकेट्री भी कह रहे हैं वह, पर क्या राय है! और लोगो एवं झन्डे पर क्या? विवाद तो बड़ा प्रधानमंत्री पर बनाने की कोशिश कर रहे हैं। मीडिया शुरू हो गया है। मगर शुक्र है कि न कांग्रेसी न दूसरे दलों का कोई नेता इसे महत्व दे रहे हैं। खैर कांग्रेस ने सीडब्ल्यूसी में ले तो सबको लिया। मगर बात किसी से नहीं हुई। आश्चर्य है कि वे भी मनोनीत होकर अध्यक्ष खरगे जी और राहुल को धन्यवाद दे रहे हैं जो पत्र लिखकर कह रहे थे कि इस मनोनयन ने कांग्रेस को कमजोर कर दिया है और यह जो राहुल हैं वह अपने लोगों को आगे बढ़ा रहे हैं।

आनन्द शर्मा, मनीष तिवारी, शशि थरूर, मुकुल वासिनक सब उस जी 23 के सदस्य थे जिन्होंने उस समय की अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखकर यह सब सवाल उठाए थे। राहुल के विरोध में बयान दिए थे। और उस मनोनयन का विरोध किया था जिसके सहारे अभी भी सीडब्ल्यूसी के मेम्बर बने हैं और पहले तो हमेशा सोनिया गांधी की कृपा दृष्टि से पद पाए हैं। लेकिन यह कांग्रेस है सब चलता है। 2014 की हार के बाद उसे और गड्ढे में धकेलने में लगे लोगों को ईनाम मिलता है। और इन्दिरा गांधी से लेकर आज तक वफादार रहे लोगों को अपमान।

इन दिनों कांग्रेस में इस बात की बहुत चर्चा है कि मध्य प्रदेश में इंचार्ज के तौर पर इतना अच्छा काम कर रहे वरिष्ठ कांग्रेसी नेता जयप्रकाश अग्रवाल को हटाया क्यों गया? वह भी बिना सुचित किए। अचानक। जब वे कांग्रेस मुख्यालय के अपने आफिस में बैठे भाजपा द्वारा मध्य प्रदेश के लिए जारी किए टिकटों पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे तो अचानक सोशल मिडिया पर सर्कुलर आता है जयप्रकाश अग्रवाल अब मध्य प्रदेश के इन्चार्ज नहीं।

जेपी ने मध्यप्रदेश में कांग्रेस के कार्यकताओं के घर घर जाकर एक नया माहौल बना दिया था। सिर्फ मध्य प्रदेश में ही नहीं देश भर में कांग्रेसी कार्यकर्ता दुख और नाराजगी में घर पर बैठ गया है। मध्य प्रदेश में 15 महीने कांग्रेस की सरकार थी तब भी उसे किसी ने नहीं पूछा और केन्द्र में दस साल कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार रही तब भी उसे किसी ने नहीं पूछा। सोनिया गांधी कांग्रेस अध्यक्ष थीं कह सकती थीं तो दसियों बार कहा अपने मंत्रियों से संगठन के नेताओं से कि जनता से मिलो। कार्यकताओं की सुनो। मगर कांग्रेसी क्या किसी की सुनते हैं! या तो इन्दिरा गांधी के डंडे से डरते थे या अपने स्वार्थ की आवाज सुनते हैं। मगर जयप्रकाश मध्य प्रदेश में कार्यकताओं के घर घर गए। उन्हें मना कर बाहर निकला। कांग्रेस सक्रिय हुई। मध्यप्रदेश के अपने नेताओं में दिग्विजय सिंह यह काम कर रहे थे। उनके कार्यकताओं से पुराने संबंध हैं। कार्यकताओं के साथ उनकी 2017 -18 की नर्मदा परिक्रमा ने ही उस समय माहौल बदला था। 15 साल बाद कांग्रेस की सरकार आई थी। मगर 15 महीने ही चल सकी।

इस बार फिर वहां एक माहौल बनाने की कोशिश हो रही है। लेकिन कांग्रेस को ज्यादा आत्मविश्वास में नहीं रहना चाहिए। मेहनत के मामले में आज भी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह का मुकाबला कोई नहीं कर सकता। वे 24 घंटे सातों दिन वाले नेता हैं। और पार्टी की तरफ से चाहे जितनी अवहेलना की जाए मगर निराश नहीं होने वाले। हमेशा उत्साह से भरे। उनका मुकाबला कमलनाथ के लिए आसान नहीं है। कमलनाथ के लिए अभी तक कांग्रेस में सबसे अच्छी बात यह थी कि यहां राज्य के सब बड़े नेताओं ने अपनी गुटबाजी खत्म कर दी थी। किसी को भी उनके मुख्यमंत्री पद की दावेदारी पर आपत्ति नहीं थी।

मगर वह कांग्रेस क्या जो खुद अपने पांव पर कुल्हाड़ी नहीं मारे! अब चुनाव से ठीक पहले वहां इन्चार्ज को बदलना ऐसा ही खुद गलती करने वाला फैसला है। पिछले पांच सालों में वहां रणदीप सुरदेवाला पांचवें इन्चार्ज हैं। मोहन प्रकाश, दीपक बावरिया, मुकुल वासनिक और अब जय प्रकाश को वहां से हटाया। मध्यप्रदेश में कांग्रेस की स्थिति अच्छी है। मगर खुद उसकी वजह से नहीं। भाजपा की डबल इंजन सरकार की नाकामी की वजह से। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह यह शो करते हैं कि गलतियां शिवराज सरकार की हैं। और उपलब्धियां हमारीं। वैसे तो भाजपा में तो इन दिनों सभी हैं मगर शिवराज वाकई बहुत सहनशील नेता हैं। वे हंसते हुए सब आरोप अपने उपर लेते रहते हैं। खैर तो मध्य प्रदेश में भाजपा में कई गुट बना दिए गए हैं। 20 साल की इनकम्बेन्सी है। भ्रष्टाचार की सबसे बड़ी समस्या है। इतनी कि चुभ गई। प्रियंका गांधी के 50 प्रतिशत की सरकार कहने पर उन पर 41 एफआईआर करवा दी गईं। तो भाजपा की खराब स्थिति की वजह से वहां कांग्रेस की अच्छी स्थिति है। लेकिन छत्तीसगढ़ की तरह नहीं कहा जा सकता कि कांग्रेस जीत रही है। आज की तारीख में कांग्रेस भाजपा में जो कम गलती करेगा वह जीतेगा। भाजपा ने लगाम लगाई है। कांग्रेस ने गलतियां करना शुरू की है।

तो खैर बात इन्डिया से शुरू हुई थी और उसमें कांग्रेस की सावधानी, असावधानी से। बड़ी पार्टी वही है। जिम्मेदारी भी ज्यादा है और उदार किस हद तक होना है इसकी सावधानी भी। इस बात में कोई दो राय नहीं कि इन्डिया आज बड़ी ताकत बन गई है। कई दल और आना चाहते हैं। आएंगे भी। उद्देश्य बड़ा है। मगर कांग्रेस को अपनी पार्टी भी देखना है। अभी चारों राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान तेलंगाना के चुनाव में उसे अपनी ताकत दिखाना होगी। अगर जीत गई तो इन्डिया में उसकी ताकत बढ़ेगी। और नहीं तो गठबंधन में कमजोर हो जाएगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता इसीलिए इन्डिया के स्ट्रक्चर (ढांचे) को समझने की कोशिश कर रहे हैं। गठबंधन नई पार्टी नहीं होता। संगठन का ढांचा खड़ा नहीं करना है। कामन मिनिमम प्रोग्राम लाकर माहौल बनाना है। मुबंई से दो चार बड़ी घोषणाएं रोजगार, महंगाई, सराकरी शिक्षा, सरकारी स्वास्थ्य पर करके अजेंडा सेट करना है। झंडे और लोगो से यह सब नहीं होगा। नाम बहुत अच्छा चुन लिया क्ठउक्रअ, वह खूब तकलीफ दे रहा है। अब जरूरत है यह बताने की उन्होंने क्या नहीं किया और हम इन्डिया अगर सरकार में आ गए तो पहले दिन ही यह कर देंगे। जनता को यही बात पसंद आती है कि पहली कलम से यह लिख दिया जाएगा!

अकेले लड़ने की जिद पर अड़ीं मायावती के समक्ष बसपा को टूट से बचाने की चुनौती खड़ी है

अजय कुमार

बसपा सुप्रीमों मायावती की एकला चलो वाली थ्योरी ने कांग्रेस-समाजवादी पार्टी वाले आईएनडीआईए गठबंधन की धड़कनें बढ़ा दी हैं, सब जानते हैं कि उत्तर प्रदेश में यदि बीजेपी के खिलाफ सपा-बसपा को साथ लिए बिना कोई गठबंधन बनता है तो ऐसे गठबंधन की कोई अहमियत नहीं रह जाती है क्योंकि कांग्रेस का तो यूपी में वजूद ही नहीं बचा है। बीजेपी को सपा-बसपा से जरूर थोड़ी-बहुत चुनौती मिलती रही है, लेकिन बसपा का दर्द अलग है। उसका हमेशा से मानना रहा है कि जब भी उनकी पार्टी बीजेपी के खिलाफ अन्य किसी दल के साथ गठबंधन करती है तो उसका वोट तो दूसरे दल के प्रत्याशी के पक्ष में ट्रांसफर हो जाता है, लेकिन बसपा प्रत्यशी को गठबंधन में दूसरे दलों के वोट नहीं मिलते हैं। इसीलिए अपने पुराने अनुभव के आधार पर अबकी से बसपा ने अकेले चलने का निर्णय लिया है, यह बीएसपी का एक राजनैतिक निर्णय हो सकता है, लेकिन इससे फायदा भारतीय जनता पार्टी को होगा इसमें भी

संक्षिप्त खबरें

दुकानदार के सिर में गोली मारकर हत्या

मुजफ्फरपुर । जिले में में अपराध रुकने का नाम नहीं ले रहा है। इन दिनों अपराधी पुलिस को लगातार चुनौती दे रहै है। इसी कड़ी में फिर एक व्यवसायी को बीती रात अपराधियों ने गोली मार कर हत्या कर दी। मृत व्यवसायी रामपुर हरि थाना क्षेत्र के मझौलिया गांव निवासी 60 वर्षीय जय लाल प्रसाद था। वह मझौलिया मंदिर के निकट पशु आहार का दुकान विगत एक दशक से चलता आ रहा था। इसी दुकान में इनका रहना-सहना भी होता था। बीती रात अपराधियों ने पीछे से टट्टी काट घर में प्रवेश कर उसके सिर में गोली मार कर इनके पास का लगभग डेढ से 2 लाख रुपए लूट लिए। मृतक जय लाल प्रसाद का पुत्र जितेंद्र कुमार एवं उनके ग्रामीणों ने बताया कि वर्तमान में इन्हें किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। वह विगत 10 -15 वर्षों से पशु आहार बेचते थे। मझौलिया मठ मंदिर के निकट अपना दुकान खोल रखे थे। इन्हें पूर्व में कुछ विवाद हुआ था। हालांकि घटना क्यों हुआ यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। रामपुर हरि पुलिस सूचना पर दलबल के साथ पहुंचकर मामले की तहकीकात में जुट गई है। वहीं शव को पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया। जहां सूत्रों की माने तो जयलाल प्रसाद को सर में बाएं तरफ गोली लगी और दाहिने तरफ निकल गई है। जिसके कारण ही मौत हुआ है। उधर, पुलिस मामले की जांच के बाद ही कुछ बताना उचित माना रही है।

बैंक में अचानक सायरन बजने से मचा हड़कम्प

मुजफ्फरपुर । गायघाट थाना क्षेत्र के बेरुआ गांव स्थित उत्तर बिहार ग्रामीण बैंक में लगा सायरन अचानक रविवार की देर रात में बजने लगा। जिस वजह से पूरे गांव में हडकंप मच गया। ग्रामीणों को आशंका हुई की कहीं बैंक में कोई चोर तो नहीं घुस गया है। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने बैंक परिसर के चारो तरफ से घेर लिया और गहनता से जांच पड़ताल शुरू कर दी। थाना अध्यक्ष मोनू कुमार ने बताया कि रविवार की देर रात अचानक बैंक में लगे सायरन जोर जोर से बजने लगा। बैंक के बंद दरवाजे में लगे ताला भी सुरक्षित था। लोगों को आशंका था की बैंक में कोई अनहोनी घटना घट गई है। इसके बाद बैंक कर्मियों को इस घटना की सूचना दी गई। इसके बाद मौके पर पहुंचे बैंक कर्मियों ने बैंक का दरवाजा खोलकर अन्दर जांच पड़ताल किया। जहां सभी सामान सुरक्षित पाया गया। आशंका जताई जा रही है के सायरन के सेंसर के सामने कही चूहा आदि चला गया होगा जिस वजह से सायरन स्वतः चालू हो गया।

विश्वकर्मा पूजा को लेकर मेला समिति की हुई बैठक

बखरी, बेगूसराय। श्री विश्वकर्मा पूजा मेला समिति घाघड़ा की बैठक रविवार को आयोजित की गयी। बैठक वार्ड सदस्य व मेला समिति के अध्यक्ष चैतु पासवान की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सर्वसमिति से निर्णय लिया गया कि हर साल की भांति इस साल भी विश्वकर्मा पूजा मेला समिति घाघड़ा के द्वारा दो दिवसीय मेला आयोजित किया जाएगा। 17 सितंबर व 18 सितंबर को पूजा अर्चना होगी और रात्रि में विदेशिया नाच आयोजित होगी।वही मेला में टॉवर झूला, नाव झूला, बच्चों के लिए जंपिंग झूला की व्यवस्था की गई है। इस बैठक में सरपंच रामचंद्र पासवान, ग्रामीण चिकित्सक सत्यानारायण तांती, सामाजिक कार्यकर्ता रंजीत कुमार, गिरीश कुमार, अनिल कुमार, सुनील कुमार, अजय पासवान, मंटून पासवान, टेको शर्मा, नितेश कुमार पासवान, बबलू प्रसाद वर्मा के आलावा दर्जनों की संख्या में मेला समिति के सदस्य उपस्थित थे।

पुलिस ने दो वारंटीयों को सुगौना गांव से किया गिरफ्तार

मधुबनी रहिका थाना पुलिस ने न्यायालय द्वारा निर्गत अधिपत्र के आधार पर दो वारंटीयों को सुगौना गांव से किया गिरफ्तार.रहिका थाना अध्यक्ष ने बताया की गिरफ्तार अभियुक्त दहेज उत्पीड़न मामले में दो साल से न्यायालय मे फरार चल रहा था निर्गत अधिपत्र के आधार पर सुगौना गांव से पति रामदेव शर्मा पत्नी प्रमिला देवी को गिरफ्तार कर लिया गया है गिरफ्तार दोनों वारंटीयों को अग्रिम कार्रवाई हेतु व्यवहार न्यायालय मधुबनी भेज दिया गया। मौके पर एएसआई चंदन कुमार चौकीदार नित्यानंद पासवान,ललित पासवान के साथ अन्य महिला पुलिस बल तैनात थे।

2 करोड़ 40 लाख की लागत से गांधी स्टेडियम का निर्माण कार्य शुरू

- केन्द्रीय मंत्री ने बरौनी रिफाइनरी द्वारा कॉर्पोरेट पर्यावरण दायित्व के तहत गांधी स्टेडियम के नवीनीकरण कार्य का किया शिलान्यास

प्रात : किरण संवाददाता

बेगूसराय। 03 सितंबर को ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री, भारत सरकार सह सांसद, बेगूसराय, गिरिराज सिंह ने इंडियनऑयल, बरौनी रिफाइनरी के कॉर्पोरेट पर्यावरण दायित्व के अंतर्गत बेगूसराय के गांधी स्टेडियम के नवीनीकरण कार्य का शिलान्यास किया। गांधी स्टेडियम परिसर में जिला पदाधिकारी, रोशन कुशवाहा, महापौर, पिंकी देवी, विधायक कुंदन कुमार, राजकुमार सिंह, सुरेन्द्र मेहता, बरौनी रिफाइनरी के कार्यपालक निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख आरके झा, कार्यपालक निदेशक (तकनीक) सत्यप्रकाश, रिफाइनरी के अन्य अधिकारी, खेल प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि सहित अन्य अतिथि की गरिमामयी उपस्थिति में संपनन्न हुआ। इस अवसर पर श्री सिंह ने कहा कि सकारात्मक सोच के कारण यह कार्य हो रहा है। खेल राष्ट्रवाद का सबसे बड़ा प्रतीक है और इसमें बरौनी रिफाइनरी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। बेगूसराय में खेलप्रेमियों एवं युवाओं की बहुप्रतीक्षित मांग व खेल एवं खिलाड़ियों की प्रतिभाओं के सम्वर्धन हेतु गांधी स्टेडियम के जीर्णोद्धार के लिए बरौनी रिफाइनरी प्रबंधन द्वारा मूर्त स्वरुप देने में जुटे पूरी टीम को हार्दिक बधाई व आभार व्यक्त किया। बेगूसराय गांधी स्टेडियम का बहुत ही अच्छे स्तर पर सौंदर्यीकरण हो रहा है और इसके लिए हम बरौनी रिफाइनरी, कार्यपालक निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख आरके झा का हृदय से आभार देता हूं। उन्होंने कहा कि गांधी स्टेडियम बेगूसराय के खिलाड़ियों और आम लोगों की हृदयस्थली है। कई सालों से स्टेडियम जर्जर पड़ा हुआ था। बरौनी रिफाइनरी ने 2 करोड़ 40 लाख की लागत से निर्माण शुरू करवा रही है। अब यहां हर सुविधा होगी, जो दो छात्रवृत्ति योजनाओं - श्रीकृष्ण सिंह छात्रवृत्ति योजना एवं दिनकर उच्च शिक्षा सहायता योजना के तहत 01 लाख रुपये से कम पारिवारिक आय वाले 93 मेधावी बच्चों को छात्रवृत्ति का अनुदान प्रदान करना को साझा किया। गोविंदपुर स्कूल में चार कक्षाओं का निर्माण, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हेतु 25 एसी का योगदान, राष्ट्र कवि रामधारी सिंह दिनकर के निवास पर आदमकद प्रतिमा की स्थापना, टाउनशिप में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति की स्थापना इत्यादि शामिल है। सीईआर के अंतर्गत कुछ अन्य विकास कार्य किए जा रहे हैं। जैसे, कपसिया से हर-हर महादेव चौक और जुबिली पेट्रोल पम्प तक ग्रीन कॉरिडोर का निर्माण, बरौनी रिफाइनरी लगातार खेल और सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर विकास कार्य करने के लिए तत्पर है, चाहे वह खेल का मैदान हो, चाहे वह ग्रीन कॉरिडोर पार्क हो या अन्य विकास की योजनाएं हो बरौनी रिफाइनरी लगातार बेगूसराय जिले के सर्वांगीण विकास के लिए तत्पर है और आगे भी रहेगी। इसमे जिला प्रशासन का सहयोग लगातार मिल रहा है। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीएम रोशन कुशवाहा ने कहा कि बरौनी रिफाइनरी ना सिर्फ रिफाइनरी का अपना कार्य कर रही है। बल्कि बेगूसराय एवं आसपास के क्षेत्र में भी समाज कल्याण के लिए महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से मदद कर रही है तथा बरौनी रिफाइनरी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस अवसर पर कार्यक्रम को महापौर, पिंकी देवी, विधायक कुंदन कुमार, राजकुमार सिंह, सुरेन्द्र मेहता ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर सत्य प्रकाश, कार्यपालक निदेशक (तकनीक), जीआर के मूर्ति, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना), डॉ प्रशांत राऊत, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन), महाप्रबंधकगण, उपमहाप्रबंधकगण, संजीव कुमार, अतिरिक्त महासचिव, बीटीएमयू, पीयूष कुमार राय, सीईसी, आफिसर्स एसोसिएशन, बरौनी रिफाइनरी के अन्य अधिकारीगण, खेल प्रतिनिधि, अन्य अतिथिगण और पत्रकार उपस्थित थे। इसकी जानकारी रवि भूषण कुमार, वरिष्ठ प्रबन्धक (कॉपोरेट संचार) बरौनी रिफाइनरी ने दी।

देशी व विदेशी शराब के साथ दो बाइक जप्त,तस्कर फरार

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिला मुख्यालय से सटे रहिका थाना पुलिस दिवा गस्ती के दौरान कपीलेश्वर मे वाहन चेकिंग अभियान चला रहे थे कि गुप्त सुचना मिला कि रहिका के ओर तेजी से दो मोटरसाइकिल पर भारी मात्रा मे शराब की बड़ी खेप ककरौल की ओर जा रही हैं सूचना कि सत्यापन करने ककरौल पहुचे की रहिका पुलिस को देखते ही ककरौल रामपुर टोल स्थित प्रभात रंजन के घर के सामने ठल्ह 527बी पर पुलिस द्वारा रोकने का प्रयास किया गया तो शराब तस्कर बाइक पर लदे शराब को छोड़कर भागने लगा पुलिस बल के द्वारा पीछा कर उसे खदेरा गया लेकिन घनी आबादी रहने के कारण भागने मे सफल रहा। रहिका थाना पुलिस के द्वारा शराब के साथ दो बाइक को जप्त कर थाना परिसर लाया गया।रहिका थाना अध्यक्ष राज किशोर कुमार ने बताया कि अज्ञात शराब तस्कर के विरुद्ध उत्पाद मध्य निषेध अधिनियम के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है दो बाइक को जप्त कर थाना परिसर रखा गया शराब तस्कर केपहचान कर गिरफ्तारी को लेकरछापेमारी जारी हैं। मौके पर एसआई विनय शर्मा के साथ अन्य पुलिस बल मैजूद थे।

सैकड़ों लोगों के साथ नेतुला धाम से बाबा धाम के लिये निकली पैदल रथयात्रा

प्रात : किरण ब्यूरो चीफ

जमुई जिला के सिकंदरा प्रखंड क्षेत्र के कुमार गांव स्थित प्रसिद्ध माँ नेतुला धाम से बाबा बैधनाथ धाम के लिये सोमवार को पैदल रथयात्रा रवाना हुआ। इस अवसर पर रथ के साथ सैकड़ों लोग अखंड रामधुनी का जाप करते हुए भक्तिभाव में झूमते गाते बाबा धाम के लिये कूच किये। रथयात्रा कुमार स्थित प्रसिद्ध माँ नेतुला मंदिर से निकल कर सिकंदरा पहुंची। जहां मुख्य चौक स्थित जगदंबा मंदिर में नमन करते हुए देवघर के लिये रवाना हुआ। रथयात्रा के संबंध में मां नेतुला मंदिर न्यास समिति अध्यक्ष हरदेव सिंह, कुमार पंचायत के मुखिया शंभु सिंह व जद यू नेता अनुज सिंह ने बताया की प्रत्येक वर्ष निकलने वाले इस रथ यात्रा का सारा खर्च एक ही व्यक्ति के द्वारा वहन किया जाता है। इस वर्ष कुमार गांव निवासी नवलेश सिंह के द्वारा रथ यात्रा की जिम्मेवारी निभाई जा रही है। उन्होंने बताया कि पहली बार वर्ष 1996 में मंदिर समिति के द्वारा भाद्रपद महीने में नेतुला धाम से बाबा बैधनाथ धाम तक रथयात्रा की शुरूआत की गई थी जो कोरोना संक्रमण के दो वर्षों को छोड़ कर आज तक अनवरत रूप से जारी है। रथयात्रा में शामिल लोग अखंड रामधुन का जाप करते हुए बारी बारी से पैदल रथ खींचते हुए देवघर तक जाते हैं। उन्होंने बताया की रथयात्रा का सिर्फ धार्मिक महत्व ही नहीं है बल्कि एक सामाजिक संदेश भी है। रथयात्रा में हिन्दू धर्म के सभी वर्गों के लोग समान रूप से शिरकत करते हैं। साथ ही कुमार के अलावा धर्मपुर, तुलाडीह, धरसंडा, रामडीह, रवैय आदि गांव के लोग भी रथयात्रा में शामिल होते हैं। रथयात्रा में मां नेतुला मंदिर न्यास समिति के सचिव कृष्णनंदन सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष हरदेव सिंह, सुरेंद्र सिंह, नवलेश सिंह, अनिल सिंह, शशि सिंह, नवलकिशोर पांडेय, अनिल पांडेय, शंकर राम, हरी मांझी, संजय मांझी, गुलो राम, प्रमोद सिंह समेत सैकड़ों लोग शामिल थे।

अलीगंज प्रखंड क्षेत्र मे आकस्मिक फसल वितरण मे मनमानी की शिकायत

प्रात : किरण संवाददाता

अलीगंज। एक ओर इस्लामनगर अलीगंज प्रखंड क्षेत्र मे पर्याप्त बारिश नही होने से किसानो मे मायूसी है।और धान की फसल की रोपनी नगण्य के बराबर है। लेकिन सरकारी आंकडे पर गौर करे तो कागजी कोरम पुरा कर घोडा रिपोर्ट विभाग को सौंपकर प्रखंड कृषि पदाधिकारी अपना पीठ थपथपा रहे है।लेकिन अगर आपको प्रखंड क्षेत्र के किसानो की हकीकत जाननी है तो आप प्रखंड क्षेत्र के 13 पंचायतो के किसी भी गांव चले जाये तो आप प्रखंड क्षेत्र की किसानो की स्थिति व सुखा पडा खेतो की देखकर दंग रह जाएगे। प्रखंड क्षेत्र के किसान मनोज महतो,सिघेशवर महतो,मनोज यादव,मुकेश यादव,ब्रह्मदेव सिंह,अर्जुन सिंह,कामता सिंह,राजकुमार पासवान,जगदीश मांझी,मंटु सिंह,सुरेश यादव,गोरेलाल यादव सहित दर्जनो किसानो ने बताया कि सरकार के द्वारा आकस्मिक फसल बीज वितरण मे प्रखंड कृषि पदाधिकारी के मनमाफिक किया गया है। कागजी कोरम पुरा कर वितरण दिखा दिया गया है। उसी तरह धान बीज वितरण भी किसानो को न देकर कागजी कोरम कर वितरण करवाया गया है।उसी तरह आकस्मिक फसल का वितरण मनमाने ढंग से किया गया है। अधिकांश किसान आकस्मिक फसल बीज से वंचित रह गये है। किसानो ने जिलाधिकारी व जिला कृषि पदाधिकारी जमूई को लिखित शिकायत कर आकस्मिक फसल बीज वितरण मे मनमानी की जांच कराने की मांग किया है। कृषि विभाग के द्वारा धान बीज वितरण के लिए प्रखंड मे 40 क्विंटल धान बीज उपलब्ध कराया गया था। वही आकस्मिक फसल मे लगभग दस क्विंटल अरहर ,40 क्विंटल मक्का का बीज उपलब्ध कराया गया था। युवा शक्ति के प्रान्तीय नेता शशिशेखर सिंह मुन्ना,प्रदेश महासचिव महेश सिंह राणा ने बताया कि सरकार की योजनाओ का लाभ इस्लामनगर अलीगंज प्रखंड क्षेत्र मे किसानो के बीच यह बीज काफी कम मात्रा मे पहुच पाया है।सिर्फ खाना खाना पूर्ति विभाग के कर्मियो के द्वारा किया गया है। जिसकी सच्चाई जांच के बाद ही सामने आ पायेगी। आखिर कितने किसानों को आकस्मिक फसल बीज मिल पाया है। यहा चार वर्षो से पर्याप्त बारिश नही होने से किसान चिंतित व परेशान है। बता दे कि इस प्रखंड क्षेत्र मे लगातार चार वर्षो से सूखाड की स्थिति बनी हुई है। इस वर्ष तो बारिश नही होने सए खरीफ फसल की बुआई प्रखंड क्षेत्र मे नगण्य के बराबर है। लेकिन प्रखंड कृषि पदाधिकारी की आंकडे पर गौर करे तो शत-प्रतिशत रोपाई दिखाई गई है। इस्लामनगर अलीगंज प्रखंड क्षेत्र मे खरीफ फसल की अचछादन की लक्ष्य 4300 सौ हेक्टेयर धान की रोपनी होने का लक्ष्य है। जिसमे 4240 हेक्टेयर खरीफ फसल की बुआई अचछादित दिखाया गया है।और इस्लामनगर अलीगंज प्रखंड कृषि पदाधिकारी के द्वारा प्रखंड क्षेत्र मे 98,81 प्रतिशत दिखाया गया है। अगर सच्चाई पूर्वक इसकी प्रखंड क्षेत्र के किसानो की हालात देख लीजिए 10 प्रतिशत भी धान की रोपनी नही हो पाया है। इस्लामनगर अलीगंज प्रखंड क्षेत्र मे इस समय सुखा खेत मे हल भी लग पा रहे है। प्रखंड कृषि पदाधिकारी संजय कुमार ने पूछने पर कुछ भी रिपोर्ट बताने से इन्कार किया। लेकिन इनकी कागजी रिपोर्ट प्रतिशत खरीफ फसल की बुआई दिखाया गया है। जिससे किसानो मे काफी आक्रोश व्याप्त है।

सरकारी विद्यालय को नुरुल होदा ने दी नई पहचान

प्रात : किरण संवाददाता

आदापुर। प्रखंड स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय बसतपुर के वरीय शिक्षक मोहम्मद नुरूल होदा अपने परिश्रम, लग्न और समर्पण से देश भर में अपनी पहचान बनाई है। इनके कार्यों से प्रेरित होकर कई शिक्षकों ने अपने विद्यालयों की तस्वीर बदली है। मोहम्मद होदा ने अपने विद्यालय के चेतना सत्र को आकर्षक और प्रभावी बनाने के साथ-साथ विद्यालय में आनंददायी शैक्षणिक वातावरण स्थापित किया है। एक तरफ इनके मनोरंजक शैक्षणिक गतिविधियों एवं नवाचारों से विद्यालय में उपस्थिती और ठहराव में काफी वृद्धि हुई है तो दूसरे तरफ छीजन में भी कमी आई है। विद्यालय और बच्चों के प्रति उनके समर्पण ने विद्यालय को श्रद्धा का केंद्र बना दिया है। आए दिनों विद्यालय देखने लोग आने लगें हैं और निजी अनुदान भी मिल रहा है। मोहम्मद होदा के कार्यों से प्रभावित होकर पूर्ववर्ती छात्र एवं आम जन सहयोग के लिए आगे आ रहें हैं। इन्होंने समुदाय के सहयोग से विद्यालय के लिए बेंच- डेस्क जुटाया है तो अपने निजी अनुदान से विद्यालय में पुस्तकालय की स्थापना भी की है। पठन-पाठन के साथ-साथ पाठ्य सहगामी क्रियाएं के संचालन से विद्यालय के बच्चों के बहुमुखी प्रतिभा को निखारने में सफल रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए जिलाधिकारी सहित देश के कई संस्थाओं द्वारा लगभग दो दर्जन सम्मानों से सम्मानित हो चुके हैं।

भारत विकास परिषद का अन्नपूर्णा रसोई सेवा पाँचवे महीने भी जारी

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। शहर के पोस्ट ऑफिस के समीप भारत विकास परिषद शाखा रक्सौल के तत्वावधान में अन्नपूर्णा रसोई सेवा के तहत 500 से अधिक लोगों को निःशुल्क भरपेट भोजन कराया गया ! सर्वप्रथम माँ अन्नपूर्णा का भोग लगाकर लोगों के भोजन वितरित किया गया। परिषद के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सिंह एवं सचिव उमेश सिकारिया ने संयुक्त रूप से बताया कि परिषद सेवा, सहयोग, समर्पण एवं राष्ट्र सेवा के संस्कार के भाव को आत्मसात कर बीते चार महीने से सेवा कार्य में लगी हुई है। गौरतलब है कि परिषद द्वारा 4 मई 2023 को प्रारंभ अन्नपूर्णा रसोई सेवा के माध्यम से आज पाँचवे महीने की चार तारीख को समाज के गरीब, असहाय, जरूरत मंद, दैनिक मजदूर , रिक्शा, ठेला एवं टेंपो चालक के बीच निःशुल्क भरपेट भोजन वितरित किया गया ! परिषद के मीडिया प्रभारी रजनीश प्रियदर्शी ने बताया कि आज की रसोई सेवा परिषद के ऐच्छिक कोष से संपन्न हुआ। उन्होंने लोगों से अपील की परिषद के इस मुहिम में सहयोग कर सेवा भाव दे सकते हैं। इन जरूरतमंदों के चेहरे की मुस्कान बन सकते हैं।परिषद के संरक्षक अवधेश सिंह ने कहा कि परिषद द्वारा वितरित प्रत्येक महीने के भोजन के मेनू में कुछ बदले कर भोजन परोसा जा रहा है जिससे लोग पूरे चाव से भोजन ग्रहण कर रहे हैं। आज के इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सेवा देने वालों में नरेश मित्तल, अजय मस्करा, भगवती सर्राफ, विष्णु मस्करा, परिषद के संरक्षक अवधेश सिंह, मीडिया प्रभारी रजनीश प्रियदर्शी, सुनील कुमार अजय कुमार, सुरेश धनोठिया, मनोज कुमार सिंह, विनोद रौनियार, गोपाल सर्राफ, दिनेश प्रसाद समेत के कई सदस्यों का नाम उल्लेखनीय रहा।इसकी जानकारी परिषद के मीडिया प्रभारी रजनीश प्रियदर्शी ने दी है !

बिजली की समस्या को लेकर लोगों ने प्रदर्शन कर विद्युत विभाग के एसडीओ को सौंपा ज्ञापन

प्रात : किरण संवाददाता

झाझा-भीषण गर्मी में बिजली गुल की समस्या निरंतर बढ़ते जाने के खिलाफ जन अधिकार पार्टी के प्रदेश सचिव विनोद यादव की अध्यक्षता में ग्रामीणों ने विद्युत आपूर्ति प्रशाखा झाझा कार्यालय पहुँचकर एसडीओ को ज्ञापन देते हुये बिजली व्यवस्था में सुधार करने की मांग किया।प्रदेश सचिव ने कहा कि बिजली की समस्या से आम जनमानस काफी परेशान है।वर्तमान समय में दो दिन लोग भूखे रहना पंसद करेगे लेकिन बिजली गुल की समस्या बर्दाश्त नही कर पायेगें।बिजली गुल रहने के कारण छात्र-छात्राओं के शिक्षा व्यवस्था चैपट हो रही है।मरीज हो या किसान या दुकान या आम जनमानस बिजली की वर्तमान समय में दिख रही रवैया से काफी परेशान है।प्रदेश सचिव ने कहा कि शीघ्र ही बिजली गुल की समस्या में सुधार किया जाये अन्यथा चरणबद्धतरीके से आंदोलन किया जायेगा।जिसका जबाबदेही शासन प्रशासन की होगी।मौके पर रामसेवक सिंह,मनोज ठाकुर,नुनेश्वर यादव,संतोष कुमार,अरबिंद ठाकुर,विनोद शर्मा,शंभू सिंह सहित कई लोग मौजूद थे।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी को लेकर डीएम एवं एसपी ने की शांति समिति की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक कांतेश मिश्रा की संयुक्त अध्यक्षता में आगामी चेहल्लुम एवं श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व के शुभ अवसर पर विधि व्यवस्था संधारण हेतु जिला शांति समिति की बैठक डॉ राधाकृष्णन सभागार, मोतिहारी में आयोजित की गई। जिलेभर में आगामी पर्व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने हेतु सभी महत्वपूर्ण तथा संवेदनशील स्थलों पर दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। पर्व के अवसर पर विधि व्यवस्था एवं सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने हेतु जिला नियंत्रण कक्ष दूरभाष संख्या 06252 -242418 क्रियाशील रहेगा।

शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण, अमन चैन, आपसी भाईचारगी के साथ आगामी पर्व संपन्न कराने हेतु सभी माननीय सदस्यगणों ने अपने-अपने सुझाव साझा किए। जुलूसों का शत प्रतिशत लाइसेंस होना अनिवार्य है, डीजे पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे, जुलूस निर्धारित रूट के अनुसार निकाले जाएंगे। पुलिस अधीक्षक महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि पर्व के अवसर पर शरारती एवं असामाजिक तत्वों, सौहार्दपूर्ण वातावरण बिगाड़ने वालों पर ड्रोन से निगरानी की जाएगी। सोशल मीडिया के माध्यम से भ्रामक एवं धृणात्मक खबर फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभ्य समाज में एकता का परिचय दें, किसी प्रकार की घटना की पूर्व सूचना ससमय भेजें। जिलाधिकारी महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि आगामी पर्व शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया जाए, माता-पिता, अभिभावक अपने बच्चों पर निगरानी एवं नियंत्रण रखें, बच्चों को सभ्यता एवं शिक्षा का प्रेरणा दें। समिति के सभी सदस्यगण अपने क्षेत्रों में लोगों के बीच सदभावना पूर्वक पर्व मनाने के लिए प्रेरित करें। सख्त निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि शरारती तत्वों को बख्शा नहीं जाएगा ।

अटल सम्मान समारोह में 100 शिक्षकों को किया गया सम्मानित

- शिक्षक ही सही अर्थों में भाग्यविधाता : सम्राट

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित शिक्षक समागम में अटल सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमे 100 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि जीवन में मां, पिता के बाद भगवान का दर्जा शिक्षक को ही दिया जाता है। उन्होंने कहा कि सही अर्थों में सही रास्ता दिखाने वाला शिक्षक ही होता है। सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जिस प्रकार कुम्हार मिट्टी से एक अनमोल कृति को गढ़ता है उसी तरह गुरु बच्चे को सही शिक्षा देकर सही रास्ते के लिए तैयार करता है। उन्होंने शिक्षक को भाग्यविधाता बताते हुए कहा कि आज गुरु के बताए रास्ते पर चला जाए तो कुछ भी हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आज क्वालिटी नहीं के क्वांटिटी पर जोर है। उन्होंने कहा कि 1995 से पहले अधिकांश लोग सरकारी स्कूल से ही मैट्रिक पास करते थे, लेकिन आज स्थिति बदल गई। उन्होंने कहा कि गुरुजनों के सम्मान के बिना बेहतर शिक्षा की कल्पना नहीं की जा सकती। भाजपा विधान पार्षद जीवन कुमार ने कहा कि बिहार सरकार शिक्षक को अपमानित करना बंद करें। बिहार सरकार शिक्षकों के साथ गलत व्यवहार कर रही है। बिहार की जनता इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। शिक्षक के मुद्दे को हम सड़क से सदन तक उठाएंगे। प्रो गणेश प्रसाद सिंह के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम में पटना विश्वविद्यालय के पूर्व वीसी डॉ रासबिहारी सिंह, नालंदा खुला विश्वविद्यालय के वीसी के सी सिन्हा के अलावा सुरेश राय, कुमार अर्नज, प्रहलाद वर्मा, डॉ रामदयाल शर्मा, अरुण कुमार सिंह, रामनाथ सिंह, दीनू मांझी, विभा कुमारी, आशीष कुमार सहित 100 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से शिक्षक प्रकोष्ठ के सह संयोजक कौशल किशोर, मनीष रंजन, शूभेष कुमार सिंह उर्फ बबुआ जी आदि उपस्थित थे।

छात्रा यशी सिंह की सकुशल बरामदगी को लेकर डीजीपी से मिले पूर्व मंत्री

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।बीते दिसंबर माह में अपने घर साकेत नगर , बीबीगंज से भगवानपुर बिजनेस मैनेजमेंट कॉलेज के लिए निकली छात्रा यशी सिंह की सकुशल बरामदगी की मांग को लेकर भाजपा नेता व पूर्व मंत्री अजित कुमार ने डीजी पीसे मुलाकात की। उन्होंन डीजीपी को एक ज्ञापन भी सौंपा। पुलिस महानिदेशक को सौपे गए ज्ञापन में श्री कुमार ने इस मामले मेंआठ बिंदुओं पर गहराई से जांच करने की मांग करते हुए स्थानीय पुलिस पर कई गंभीर आरोप लगाया है। श्री कुमार ने डी जी को बताया कि इस अपहरण की घटना का आठ माह बीत गया है, स्थानीय पुलिस यशी सिंह को बरामद करने के बजाय 8 महीने से केवल जांच कर रही है। वही परिजन खासे परेशान है, उन्हें अनहोनी की आशंका सता रही है। इस मामले की जांच कर रहे अधिकारी से बात करने पर उनके द्वारा केवल आश्वासन पर आश्वासन दिया जा रहा है। जो गंभीर चिंता का विषय है। स्थानीय सामाजिक व राजनीतिक संगठनों के द्वारा इस मामले को लेकर पुलिस के आला अधिकारी से कई बार मिलकर सकुशल बरामदगी की मांग भी की गई है। इस क्रम में आंदोलन भी हुआ है, लेकिन अब तक मामला जहां का तहां पड़ा हुआ है। डीजीपी ने श्री कुमार की बातों को गंभीरता से सुनने के उपरांत इस मामले की जांच कराने तथा यशी सिंह का सकुशल बरामदगी का भी आश्वासन दिया। डीजे से मिलने वालों में श्री कुमार के अलावा सकरा के पूर्व विधायक सुरेश चंचल भी शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

पांच अपराधी असरगंज पुलिस के हत्थे चढ़े

असरगंज (मुंगेर)। असरगंज थाना क्षेत्र के सादपुर कच्ची कांवरिया पथ के एक होटल में भागलपुर जिला के सुल्तानगंज प्रखंड से दहशत फैलाने व घटना को अंजाम देने के उद्देश्य से आए पांच लोगों को असरगंज पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर लिया है ।इस संबंध में असरगंज थाना अध्यक्ष कौशलेन्द्र कुमार ने बताया कि सुलतानगंज थाना क्षेत्र के श्यामबाग गांव के रामधनी यादव के पुत्र 21 वर्षीय अंकित कुमार, रामजी यादव का 20 वर्षीय पुत्र सन्नी कुमार, उधाडीह गांव के लालधन मंडल के 18 वर्षीय पुत्र रूपक कुमार, सलखुआ गांव के कपिलदेव यादव का 20 वर्षीय पुत्र सुमन कुमार, सौपीचक गांव के 40 वर्षीय महेश कुमार को एक मासकेट, एक देशी पिस्टल, एक देशी कट्टा, जिंदा कारतूस 19, मिस फायर एक गोली सहित एक चार पहिया वाहन, एक बुलेट मोटरसाइकिल, 5 मोबाइल, एवं एक लाठी को बरामद किया गया है ।इन अपराधियों द्वारा फायरिंग करने की भी बात स्थानीय लोगों द्वारा बताई गई है ।

कांवरिया सेवा शिविर का हुआ समापन

सदर मुंगेर । भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी जमालपुर की उप शाखा बरियारपुर के द्वारा आशा टोला दुर्गा स्थान के प्रांगण में चल रहें कांवरिया सेवा शिविर का समापन किया गया, कावरिया सेवा शिविर का संचालन पूरे सावन माह में किया गया ।जिसके अंतर्गत देवघर जाने वाले कांवरिया को बेहतर सुविधा प्रदान करने की हर संभव प्रयास किया गय। इस अवसर पर सभी पदाधिकारी, सदस्य एवं गणमान्य बुजुर्गो, जनता का उपस्थिति सराहनीय रहा, और आगे इस संस्था के द्वारा बेहतर से बेहतर सेवा प्रदान करने के विषय में विशेष रूप से चर्चा की गई, मोके पर उपस्थित डॉ महादेव आनंद , डॉ दिवाकांत प्रसाद , डॉ रवि कुमार मोना, प्रमोद सिन्हा, गौतम, विनोद मंडल, राजीव रंजन, विजय कुमार सिन्हा, मुनीलाल, नागेश्वर सहित अन्य ग्रामीण बंधु उपस्थित रहे।

नौवागढ़ी क्षेत्र के बढ़ई विश्वकर्मा समाज ने किया बैठक आयोजित

सदर मुंगेर ।रविवार को सदर प्रखंड अंतर्गत क्षेत्र के नौवागढ़ी क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न गांव से विश्वकर्मा बढ़ई समाज के लोगों द्वारा एक बैठक नौवागढ़ी बाजार में मंटू शर्मा के घर पर आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता दशरथ प्रसाद शर्मा ने किया ।संचालन राजीव कुमार द्वारा किया गया ।बैठक में सभी लोगों ने अपनी-अपने विचार व्यक्त किया साथ ही अपनी जाति का उत्थान किस प्रकार से हो तथा अपने समाज को कैसे विकसित करें, इस पर विचार विमर्श किया गया ।वही अध्यक्षिय भाषण में दशरथ शर्मा ने काहे की शिक्षित बनो, संगठित हो, तब संघर्ष करो, तभी हम लोग अपने समाज या अपनी जाति की सफलता प्राप्त करेंगे। बैठक में अरविंद शर्मा ,शैलेंद्र शर्मा, जय किशोर शर्मा, संजय कुमार शर्मा, विपिन शर्मा, महेंद्र शर्मा सहित सैकड़ों विश्वकर्मा बढ़ई समाज के लोग उपस्थित रहें।

दैनिक भोगी कर्मी ने आत्मदाह का किया प्रयास, गिरफ्तार

छपरा सिटी ।जयप्रकाश विश्विद्यालय के अंगीभूत इकाई राजेन्द्र महाविद्यालय के कॉमर्स डिपार्टमेंट में दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी राजन राज उर्फ भोला श्रीवास्तव ने आत्म दाह करने का प्रयास किया पूरे शरीर पर किरासन तेल छिड़क लिया था जिसे मौके पर उपस्थित पुलिस बल ने रोक लिया और उसे थाना ले गई। अपनी आप बीती सुनाते हुए पीड़ित ने बताया कि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो हरिकेश सिंह ने 18 अप्रैल 2018 को एक आदेश के माध्यम से विश्वबिद्यालय के सभी दैनिक भोगी कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था लेकिन जैसे ही प्रो हरिकेश सिंह का कार्यकाल खत्म हुआ नौकरी से निकाले गए कर्मचारी पुनः बहाल हो गए लेकिन उन्हें बहाल नही किया गया जिसकी वजह से वह और उनका परिवार भूखों मरने को विवश है। तंग आकर उन्होंने आत्मदाह करने का फैसला किया लेकिन उन्हें मरने भी नही दिया जा रहा है ।बहरहाल, मुफ्फसिल थाने ने उन्हें हिरासत में ले लिया और आगे की कार्रवाई में जुट गई है ।उधर राजेन्द्र कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य ड़ॉ सुशील कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि कई साल से इस कॉलेज में कार्यरत नहीं है और न कोई काम दिया गया है ।इस कॉलेज में इसी तरह आता जाता है ।पुर्व प्राचार्य ड़ॉ आर एस राय के समय आया था उसके बाद गायब रहा ।पूर्व कुलपति ड़ॉ हरिकेश सिंह ने सभी दैनिक वेतन भोगियों को हटा दिए थे जिसमें यह भी शामिल था उसके बाद इसका कॉलेज से कोई नाता नहीं है ।

बरियारपुर के खडिया पूर्वी टोला में मां - बेटी लापता पति फरार, हत्या की आंशका

प्रात : किरण ब्यूरो , मुंगेर

मुंगेरः जिलें के बरियारपुर थाना क्षेत्र के खड़िया पूर्वी टोला में पत्नी की हत्या कर पति फरार हो जाने की सूचना मृतका के भाई ने बरियारपुर थाने में दिया है। जिसके आधार पर बरियारपुर पुलिस मामले की जांच करने घटनास्थल पर पहुंची। थानाध्यक्ष अमरेंद्र कुमार खड़िया पूर्वी टोला घटना की जांच करने पहुंचे। घटनास्थल पर कई जगहों पर से खून के धब्बे को फॉरेंसिक जांच के लिए एकत्रित किया। स्क्वाड डॉग को बुलाने के साथ-साथ फॉरेंसिक टीम को भी भेजने के लिए कहा गया एवं एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ किया जा रहा है। साथ ही साथ मृतका के शव को खोजने आसपास के पोखर तालाब में खोजबीन की जा रही है। मृतका के भाई भदौरा निवासी अमित कुमार ने थानाध्यक्ष के सामने बताया कि अपनी बहन से शुक्रवार की रात से बार-बार फोन करने के बाद भी मोबाइल स्विच ऑफ आ रहा है और ना ही उसके पति सुमित कुमार उर्फ बाबूलाल सिंह एवम् बहन गुड़िया कुमारी से कोई बात नहीं हो पा रही थी। इसलिए चचेरी मौसी की लड़की की भी शादी इसी गांव में हुई है। उससे फोन पर संपर्क करने पर बताया कि गांव में चर्चा है कि 25 वर्षीय गुड़िया कुमारी की हत्या कर उसका पति सुमित कुमार उर्फ बाबूलाल सिंह ने शव को गायब कर दिया है । साथ ही साथ उसकी 03 वर्षीय पुत्री दिव्या रानी को भी गायब कर दिया है। जब मैं इस तरह की घटना जानकर अपनी बहन के घर खड़िया पूर्वी टोला देर शाम शनिवार की शाम आया तो देखा कि घर में ताला लगा हुआ है। तब मैंने घर का मुख्य दरवाजा एवं कमरे का दरवाजा ताला तोड़कर घर के अंदर प्रवेश किया तो घर के अंदर जहां-तहां सीढ़ी के नीचे गली में एवं कमरे में रखे कुर्सी पर, बाल्टी पर एवं कंबल पर खून के धब्बे दिखे तब मैं पुलिस को सूचित किया। सूत्रों की माने तो दोनों पति-पत्नी में अक्सर इस बात को लेकर विवाद होता था कि पति अपनी पत्नी को दिल्ली ले जाना चाहता था, क्योंकि वह दिल्ली में ही मजदूरी करता है। परंतु पत्नी दिल्ली नहीं जाना चाहती थी। इस कांड का पूर्ण खुलासा तभी पूर्ण रूप से हो पाएगी जब गुड़िया कुमारी का पति सुमित कुमार उर्फ बाबूलाल सिंह पकड़ में आएगा । सोमवार को भी पुलिस को कोई सफलता हाथ नहीं लगीं हैं। लोग हत्या कर मां और मासूम बेटी की हत्या कर शव को गायब कर दिए जानें की आंशका जता रही है।

जदयू ने मसाल जुलूस निकाल कर भाजपा का जताया विरोध

प्रात : किरण ब्यूरो, मुंगेर

मुंगेर । जातीय गणना के विरुद्ध भाजपा के साजिश का पदार्फाश करने के लिए पोल खोल अभियान के तहत एक विशाल मसाल जुलूस मुंगेर के दिलीप धर्मशाला से निकलकर मुंगेर के विभिन्न चौक चौराहा से होते हुए सरदार वल्लभ भाई पटेल चौक पर जाकर सभा के रूप में तब्दील हो गया । इस का नेतृत्व जदयू जिला अध्यक्ष नचिकेता मंडल ने किया। सभा को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष नचिकेता मंडल ने कहा की बिहार सरकार के द्वारा जातीय गणना एवं आर्थिक सर्वेक्षण को रोकने के लिए भाजपा की बी टीम के रूप से कार्य करने वाली संस्थाओं ने काफी प्रयास किया, लेकिन भाजपा बिहार में जातीय गणना को रोक नहीं पाई , उनकी साजिश को बेनकाब करने के लिए मसाल जुलूस के माध्यम से जनता के बीच संदेश पहुंचाया गया है। तारापुर के विधायक राजीव सिंह ने कहा की जिस तरह से विभिन्न संगठनों के माध्यम से जातीय गणना को रोकने का प्रयास किया गया है , वह यह दशार्ता है कि भाजपा आरक्षण विरोधी, जाती गणना विरोधी, युवा एवं गरीब विरोधी है । मुंगेर के प्रमंडलीय प्रभारी मुकेश विद्यार्थी विद्यार्थी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि युथ फॉर इक्वलिटी संस्था वहीं संस्था है, जिसके संचालक भाजपा के समर्थक के रूप में कार्य करते हैं एवं विभिन्न मौके पर भाजपा के नेताओं के साथ मंच साझा करते हैं। ऐसी संस्थाओं का राजनीतिक दुरुपयोग भाजपा अपने विरोधियों के कार्य को रोकने के लिए करती है अब यह स्पष्ट हो चुका है। मुंगेर के विधानसभा प्रभारी रंजन बिंद ने कहा की गरीब और अति पिछड़ा विरोधी नरेंद्र मोदी की सरकार अब ज्यादा दिन तक टिकने वाली नहीं है । जमालपुर के विधानसभा प्रभारी राजेश राणा ने कहा की नरेंद्र मोदी की जुमलाबाज सरकार सिर्फ लोगों को सपने दिखाकर वोट लेने का काम कर रही है, बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में लगातार विकास के कार्य से घबराकर जातीय गणना को रोकने का प्रयास किया गया है। जिसे हम लोग दम भर विरोध करते हैं। प्रदेश सचिव सौरव निधि ने कहा जातीय गणना एवं आर्थिक सर्वेक्षण से समाज के सभी वर्गो को इसका लाभ मिलेगा और भाजपा यह चाहती है कि किसी को कोई लाभ न मिले, सिर्फ चंद अमीर लोगों के लिए काम करने वाली भाजपा सरकार की जल्दी विदाई होगी । इस मसाल जुलूस में जमालपुर प्रखंड अध्यक्ष मुनीलाल मंडल, बरियारपुर प्रखंड अध्यक्ष कृष्णदेव मंडल, हवेली खड़कपुर प्रखंड अध्यक्ष प्रोफेसर राजेंद्र मंडल , सदर प्रखंड अध्यक्ष शालिग्राम सिंह, धरहरा प्रखंड अध्यक्ष नवीन सिंह, नगर अध्यक्ष शाहिद अख्तर उर्फ गुड्डू राइन, तारापुर प्रखंड अध्यक्ष जय कृष्णा सिंह, संग्रामपुर प्रखंड अध्यक्ष कमल नयन सिंह, असरगंज प्रखंड अध्यक्ष दारा सिंह, टेटिया बम्बर प्रखंड अध्यक्ष संजय सिंह, अति पिछड़ा प्रकोष्ठ अध्यक्ष मिथिलेश मंडल, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष पूनम देवी, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष विक्की गुप्ता के नेतृत्व में हजारों की संख्या में पार्टी के कार्यकताओं ने केंद्र सरकार होश में आओ, आरक्षण विरोधी भाजपा सरकार हाय हाय, जातीय गणना विरोधी भाजपा हाय हाय इत्यादि के नारे लगाते रहे । इस कार्यक्रम में पार्टी के जिला प्रवक्ता विमलेंदु राय, प्रणव कुमार, राजीव रंजन, एवं सैकड़ों जदयू कार्यकताओं ने शिरकत किया ।

भाजपा आरक्षण विरोधी, जातीय गणना विरोधी, युवा एवं गरीब विरोधी : राजीव सिंह

प्रात : किरण ब्यूरो, मुंगेर

मुंगेर। जिला जदयू मुंगेर की ओर से जिलाध्यक्ष नचिकेता मंडल के नेतृत्व में जातीय गणना के विरुद्ध भाजपा के साजिश का पदार्फाश करने के लिए पोल खोल अभियान के तहत एक विशाल मसाल जुलूस शहर के दिलीप धर्मशाला से निकलकर विभिन्न चौक चौराहा से होते हुए सरदार वल्लभ भाई पटेल चौक पर जाकर सभा के रूप में तब्दील हो गया ।पोल खोल अभियान के सभा को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष नचिकेता मंडल ने कहा की बिहार सरकार के द्वारा जातीय गणना एवं आर्थिक सर्वेक्षण को रोकने के लिए भाजपा की बी टीम के रूप से कार्य करने वाली संस्थाओं ने काफी प्रयास किया, लेकिन भाजपा बिहार में जातीय गणना को रोक नहीं पाई , उनकी साजिश को बेनकाब करने के लिए मसाल जुलूस के माध्यम से जनता के बीच संदेश पहुंचाया गया है। तारापुर के विधायक राजीव सिंह ने कहा की जिस तरह से विभिन्न संगठनों के माध्यम से जातीय गणना को रोकने का प्रयास किया गया वह यह दशार्ता है कि भाजपा आरक्षण विरोधी, जातीय गणना विरोधी, युवा एवं गरीब विरोधी है । मुंगेर के प्रमंडलीय प्रभारी मुकेश विद्यार्थी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि युथ फॉर इक्वलिटी संस्था वहीं संस्था है, जिसके संचालक भाजपा के समर्थक के रूप में कार्य करते हैं एवं विभिन्न मौके पर भाजपा के नेताओं के साथ मंच साझा करते हैं। ऐसी संस्थाओं का राजनीतिक दुरुपयोग भाजपा अपने विरोधियों के कार्य को रोकने के लिए करती है अब यह स्पष्ट हो चुका है। मुंगेर विधानसभा प्रभारी रंजन बिंद ने कहा की गरीब और अति पिछड़ा विरोधी नरेंद्र मोदी की सरकार अब ज्यादा दिन तक टिकने वाली नहीं है । जमालपुर के विधानसभा प्रभारी राजेश राणा ने कहा की नरेंद्र मोदी की जुमलाबाज सरकार सिर्फ लोगों को सपने दिखाकर वोट लेने का काम कर रही है, बिहार में सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में लगातार विकास के कार्य से घबराकर जातीय गणना को रोकने का प्रयास किया गया है, जिसका हम लोग भर विरोध करते हैं। प्रदेश सचिव सौरव निधि ने कहा जातीय गणना एवं आर्थिक सर्वेक्षण से समाज के सभी वर्गो को इसका लाभ मिलेगा और भाजपा यह चाहती है कि किसी को कोई लाभ न मिले, सिर्फ चंद अमीर लोगों के लिए काम करने वाली भाजपा सरकार की जल्दी विदाई होगी । मसाल जुलूस में युवा अध्यक्ष विक्की गुप्ता के नेतृत्व में युवा जदयू के 300 से ज्यादा सभी कार्यकर्ता मजबूती से कार्यक्रम को सफल बनाने में लगे रहे। जमालपुर प्रखंड अध्यक्ष मुनीलाल मंडल, बरियारपुर प्रखंड अध्यक्ष कृष्णदेव मंडल, हवेली खड़कपुर प्रखंड अध्यक्ष प्रोफेसर राजेंद्र मंडल , सदर प्रखंड अध्यक्ष शालिग्राम सिंह, धरहरा प्रखंड अध्यक्ष नवीन सिंह, नगर अध्यक्ष शाहिद अख्तर उर्फ गुड्डू राइन, तारापुर प्रखंड अध्यक्ष जय कृष्णा सिंह, संग्रामपुर प्रखंड अध्यक्ष कमल नयन सिंह, असरगंज प्रखंड अध्यक्ष दारा सिंह, टेटिया बम्बर प्रखंड अध्यक्ष संजय सिंह, अति पिछड़ा प्रकोष्ठ अध्यक्ष मिथिलेश मंडल, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष पूनम देवी, नेतृत्व में हजारों की संख्या में पार्टी के कार्यकताओं ने केंद्र सरकार होश में आओ, आरक्षण विरोधी भाजपा सरकार हाय हाय, जातीय गणना विरोधी भाजपा हाय हाय इत्यादि के नारे पूरे शहर में गूँजते रहे। इस कार्यक्रम में पार्टी के जिला प्रवक्ता विमलेंदु राय, प्रणव कुमार, राजीव रंजन, सनी कुमार, राकेश रंजन, शिवम मंडल, राजू नेता, निरंजन सिंह, जियाउर रहमान, विपिन सिंह ,गोपाल कृष्ण सिंह, रोहित कुमार, महिला प्रकोष्ठ से बबीता राय , रीता महतो, रेखा देवी एवं सैकड़ों कार्यकताओं ने शिरकत किया ।

पालीगंज में मद्धनिषेध विभाग के खिलाफ अनुमण्डल कार्यालय पर प्रदर्शन

प्रात : किरण ब्यूरो,

पालीगंज। सोमवार को स्थानीय अनुमण्डल कार्यालय परिसर में माले कार्यकर्ताओ ने मद्धनिषेध बिभाग के खिलाफ नारेवाजी करते हुए जमकर प्रदर्शन किया ।जानकारी के अनुसार सोमवार को पालीगंज स्थित माले कार्यालय में सैकड़ो कार्यकर्ता जमा हुए। जहां से कार्यकताओं ने अपनी हाथों में पार्टी के झंडे लेकर पालीगंज बिधायक संदीप सौरभ के नेतृत्व में जुलूस निकाला। जिसके दौरान सभी कार्यकर्ताओ ने अपनी हाथों में पार्टी के झंडे लेकर मद्धनिषेध बिभाग के खिलाफ नारेवाजी करते हुए पूरे बाजार की सड़कों से होते हुए अनुमण्डल कार्यालय पहुंचा। जहां जोरदार प्रदर्शन करते हुए मद्धनिषेध बिभाग के खिलाफ जमकर नारेवाजी किया। उसके बाद जुलूस सभा मे तब्दील हो गयी। सभा का संचालन करते हुए माले के राज्य कमिटी सदस्य अनवर हुसैन ने बताया कि शराबबंदी के नाम पर मद्धनिषेध बिभाग दलितों, गरीबों और आम लोगों को प्रताड़ित कर रही है। जिसे हमारी पार्टी सहन नही करेगी।

आज हमसभी माले कार्यकर्ता इसके खिलाफ प्रदर्शन करते हुए अनुमण्डल कार्यालय पहुंचे है यदि मद्धनिषेध बिभाग की पुलिस अपनी मनमानी नही छोड़ी तो कल अनुमण्डल कार्यालय के भीतर भी पहुंचकर प्रदर्शन करेंगे। वही पालीगंज बिधायक संदीप सौरभ ने 26 अगस्त को पालीगंज प्रखण्ड क्षेत्र के नरौली मठिया गांव में मद्धनिषेध बिभाग के पुलिस द्वारा गरीबो व दलितों पर किये गए दमन की निंदा करते हुए कहा मद्धनिषेध बिभाग के छापेमारी के दौरान नरौली मठिया गांव के मुशहरी में तमाम महिला पुरुष पर बर्बरता पूर्वक बगैर महिला पुलिस के लाठी से पीटा। जिसमें संगीता देवी बुरी तरह से घायल हो गई और घायल अवस्था में ही उसे जेल भेज दिया गया। साथ ही लगभग 50 लोगों को नामजद व 50 अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया। वही उन्होंने कहा कि एक सप्ताह के अंदर फर्जी मुकदमा वापस नही लिया गया व संगीता देवी को बिना शर्त रिहा नही किया गया तो इससे भी बड़ा आंदोलन अनुमण्डल कार्यालय परिसर में किया जाएगा। वही बिधायक ने दलित नौजवानों के लिए रोजगार व मुशहरी के सभी बच्चों को शिक्षा से जोड़ने की मांग किया है। साथ ही नरौली मठिया मुशहरी टोले में हुए लाठी चार्ज में शामिल सभी मद्धनिषेध बिभाग के अधिकारियों को तत्काल मुअत्तल करने की मांग भी किया है। मौके पर बिनेश चौधरी, राजेश कुमार, अविनाश कुमार, सुरेंद्र पासवान, अमरसेन दास, बिनेश चौधरी, आशा देवी, पालीगंज मुखिया संघ के अध्यक्ष आनंद कुमार, राम नारायण यादव व मंगल यादव सहित अन्य लोग मौजूद थे।

पीएन कालेज में छात्रों का हंगामा

प्रात : किरण संवाददाता

परसा ।पी एन कॉलेज परसा में इंटरमीडिएट के लिए भरे जा रहे फर्म पर आवेदन नही करने को लेकर छात्र छात्राओ द्वारा मुख्य द्वार पर प्रदर्शन किया गया ।प्रदर्शन के दौरान छात्रों द्वारा परीक्षा फर्म पर किसी शिक्षक द्वारा हस्ताक्षर नही किया जा रहा था ।छात्र इधर उधर भटक रहा था ।कोई विकल्प नही मिलने पर छात्रों द्वारा कॉलेज के शिक्षकों के खिलाफ प्रदर्शन किये जाने लगा ।प्रदर्शन कि खबर पर प्राचार्य डॉ पुष्प राज गौतम ने छात्रों से मुलाकात कर समस्या की जनकारी लिया ।और मामले की जांच कर सभी छात्रों की फर्म पर खुद हस्ताक्षर किया ।इस संबंध में प्राचार्य डॉ पुष्प राज गौतम ने बताया कि सभी विषय के शिक्षक को फर्म पर हस्ताक्षर करने की जिम्मेवारी दिया गया था ।75 फीसदी उपस्तिथि को लेकर कोई शिक्षक हस्ताक्षर नही कराना चाहते थे ।सभी छात्रों को नियमित क्लास करने की नसीहत दिया गया ।और एक चेतावनी दिया गया कि जो छात्र की उपस्थिति कम होगी उसको एडमिट कार्ड नही दिया जाएगा।

जिला समन्वय समिति की बैठक में जिला पदाधिकारी ने दिए कई निर्देश

छपरा नगर ।जिला समन्वय समिति की बैठक जिला पदाधिकारी अमन समीर की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में आहूत की गई ।बैठक में जिला स्तरीय पदाधिकारी सभागार में सदेह उपस्थित रहे तो वहीं अनुमंडल व प्रखंड/अंचल स्तरीय पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

बैठक में सर्वप्रथम उच्च न्यायालय में लंबित मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखकर प्रति शपथ दायर करने का निदेश देते हुए जिला पदाधिकारी ने कहा कि इसमें थोड़ी भी शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी ।तत्पश्चात सभी विभागों के कार्यालय प्रधान को अपने-अपने कार्यालय के लिपिक एवं प्रधान लिपिक के द्वारा संधारित लॉगबुक का नियमित रूप से जांच करने हेतु निदेशित किया ।समय से संचिकाओं को प्रस्तुत नहीं करने वाले सहायकों पर कार्रवाई करने की भी बात कही। बैठक में विभिन्न कार्यालय से संबद्ध महत्वपूर्ण गतिविधियों की समीक्षा की गई ।जिलाधिकारी श्री समीर ने जिला लोक शिकायत निवारण में दायर परिवाद, माननीय उच्च न्यायालय में सी डब्ल्यू जे सी एवं एम जे सी से संबंधित चल रहे मामलों, मानवाधिकार आदि से संबंधित मामलों पर बैठक में विस्तृत समीक्षा की ।सभी संबंधित विभागों के कार्यालय प्रधान को प्राथमिकता के तौर पर प्रति शपथ हाईकोर्ट में दायर करने का निर्देश दिया । उन्होंने कहा कि सभी शाखा के वरीय पदाधिकारी अपने संबंधित शाखा में लॉग बुक के संधारण पर पूरा ध्यान देंगे, जिससे आदेश पत्रों का ससमय अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके ।उन्होंने उपस्थित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि जन शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ समय से निष्पादन करना सुनिश्चित करें ।श्री समीर ने स्पष्ट रूप से कहा कि साप्ताहिक समीक्षा बैठक मैं दिए गए निदेर्शों का परिणाम नजर आना चाहिए ।लंबित मामलों को हर हाल में शून्य करें ।उन्होंने सभी को कार्य संस्कृति का माहौल बनाने के क्रम में सभी महत्वपूर्ण पंजियो को नियम के अनुसार नियमित रूप से अद्यतन करते रहने को निर्देशित किया ।जाति आधारित गणना के कार्य को हर हाल में कल तक समाप्त करने का सख्त निर्देश दिया।

कवि सम्मान समारोह सह कवि गोष्ठी का आयोजन

प्रात : किरण ब्यूरो, मुंगेर

मुंगेर। साहित्यक सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक संस्था जागृति मंच के तत्वाधान में रविवार के दिन प्रतीक आईटीआई प्राइवेट कॉलेज सितुहार के प्रशाल में महाकवि बटेश्वर दास मधुकर की स्मृति दिवस पर भव्य कवि सम्मान सह कवि सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता पूर्व प्राचार्य सह वरिष्ठ कवि डॉक्टर महेश चंद्र चौरसिया ने किया। जबकि कवि सम्मेलन मंच का संचालन डॉक्टर शशी आनंद अलबेला ने किया। अध्यक्षीय भाषण में डॉक्टर श्री चौरसिया ने कहा कि जागृति मंच के स्थापना 1990 में किया गया। था,तबसे अब तक वही संस्था जीवित रहता है जिसके संस्थापक सक्रिय रहता हैं। अनिल कुमार सिंह की सक्रियता के कारण जागृति मंच ज्योतिष चंद्र के अध्यक्षता में फल फूल रहा है। कार्यक्रम का आगाज करते हुए युवा कवि नरेश ने एक गीत यूं प्रस्तुत किए "ए कैसी घड़ी आई है, भाई भाई में लड़ाई है, सगे भाई को छोड़कर गैरों से प्रीति लगाई है" कवि साथी इंद्रदेव ने कुछ यूं कहा कि "मांझी रे ले चल नैया उसे पर , चारों तरफ अंधेरा है ऐसी विषम घड़ी है आई है" कवि कैलाश मंडल ने अपनी कविता में कहा "जमीन देखा आसमां देखा-- चांद सितारों का जहां देखा सभी मुश्किलों को लांघकर --हर तरफ यहां वहां देखा----" कवि अमरदीप कुमार अमर ने अपनी कविता पाठ करते हुए कहा "स्वार्थ में है किसी भी जान का दिल दुखाना ठीक नहीं, पर सेवा में कष्ट हो जितना मान कभी तकलीफ नहीं " प्रस्तुत किया। कवि सारथी सुरेश सूर्य ने गजल प्रस्तुत कर स्रोतों को झूमने के लिए मजबूर कर दिया। इन कवियों के अलावे कवि राज किशोर केशरी, शशि आनंद अलबेला ,युवा कवि प्रदीप पाल नरेश कुमार सिंह, अजीत कुमार संत ,कैलाश मंडल संजय प्रियदर्शी , कवि सह वैध पुरुषोत्तम शास्त्री नवोदित कवि कोमल कुमारी ने अपनी अपनी कविता पाठ की। कार्यक्रम के दौरान संजीव प्रियदर्शी, साथी सुरेश सूर्य एवं साथी इंद्रदेव को महाकवि बटेश्वर दास मधुकर सम्मान से सम्मानित किया गया। इस मौके पर दर्जनों श्रोता कवियों की कविता पाठ सुनने को मौजूद थे।

अवैध खनन की रोकथाम के लिए रास्ते को कटवाया

प्रात : किरण ब्यूरो, मुंगेर

संग्रामपुर (मुंगेर)। संग्रामपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बदुआ नदी में बालू के अवैध खनन और परिवहन की रोकथाम के लिए जिला खनन पदाधिकारी एवं संग्रामपुर थानाध्यक्ष की ओर से बालू घाटों से खनन पर रोक के बाद सभी बालू घाटों के रास्तों को जेसीबी के माध्यम से अवरुद्ध कर दिया गया है। रविवार को विभिन्न थाना क्षेत्र के कहुआ ,सन्हौली,पृथ्वीचक बालू घाटों के रास्ते में खुदाई की गई जिससे अवैध खनन एवं परिवहन को रोका जा सके ।थानाध्यक्ष रंजन कुमार ने कहा कि किसी भी शर्त पर अवैध बालू का खनन व परिवहन कदापि होने नहीं देंगे। इस बार बालू घाट जाने के समीप कटिंग किया गया है। अगर कोई असामाजिक तत्व,बालू माफिया या जेसीबी वाला कटिंग को भरने का काम करता है तो वैसे व्यक्ति के ऊपर कानूनी करवाई की जाएगी ।खनन निरीक्षक राजू कुमार, एस आई शेखर सौरभ नीति एवं भारी संख्या में पुलिस बल शामिल थे।

पालीगंज भाजपा की ओर से किया गया वोटर चेतना कार्यशाला का आयोजन

प्रात : किरण ब्यूरो, मुंगेर

पालीगंज/ सोमवार को प्रखण्ड क्षेत्र के धरहरा गांव स्थित मैरेज हॉल में भाजपा कार्यकताओं की ओर से एक दिवसीय वोटर चेतना कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जानकारी के अनुसार कार्यक्रम की अध्यक्षता रघुवेन्द्र कुमार शाही ने किया। वही संचालन भाजपा के पालीगंज विधानसभा संयोजक बिनोद कुमार ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत भाजपा के संस्थापक सदस्य पं. दिन दयाल उपाध्याय व श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तस्वीर पर माल्यार्पण के साथ किया गया। मौके पर पर बी एल ए वन पालीगंज विधानसभा प्रभारी रामजन्म शर्मा ने भाजपा कार्यकताओं को 2024 की लोकसभा चुनाव के तहत नए मतदाताओं का वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने और संशोधन करने को लेकर कार्यकताओं को प्रशिक्षित किया। वही उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने बूथ के वोटरो को विश्वास में लाने का प्रयास करना है। वही जिला महामंत्री नीरज तिवारी ने कहा कि सरकार की योजनाओं की जानकारी और उनके लाभ भी जनता को बताना है। बुथ मजबूत हो तो चुनाव में जीत सुनिश्चित हो जाती है। इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता बूथ स्तर पर अपनी जिम्मेदारियां का निर्वहन ईमानदारी से करें। वही सांसद रामकृपाल यादव ने कहा कि वोटर चेतन महा अभियान समिति घर-घर जाकर 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं के नाम को वोटर लिस्ट में जुड़वाएगी। इस कार्य में किसी तरह की चुक ना हो इसके लिए कार्यकर्ता शक्ति केंद्र पर निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने के लिए स्थानीय पदाधिकारी का भी सहयोग लेंगे। मौके पर भाजपा के पटना जिला महामंत्री रवि कुमार, युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष दीपक कुमार, मंडल अध्यक्ष जीत कुमार, अभिमन्यु कुशवाहा, रविंद्र रंजन आलोक शर्मा, कुंदन कुमार, मिथुन कुमार, राम निवास शर्मा, मधुसूदन कुमार व सिंधु कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

डॉ. हुस्न आरा को कुलपति ने अंगवस्त्र देकर किया सम्मानित

छपरा। डॉ. हुस्न आरा ने जयप्रकाश विश्विद्यालय के स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग से पीएच डी की उपाधि प्राप्त किया है। कुलपति प्रोफेसर फारूक अली ने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय की डॉ हुस्न आरा की नियुक्ति ट्रेनिंग को पूर्ण करके महिला थाना मधेपुरा में हुई है ।इसके पूर्व एक साल की ट्रेनिंग बिहार पुलिस एकेडेमी राजगीर से इन्होंने पूरा किया ।कुलपति ने कहा कि समाज को ऐसे ही लोगों की जरूरत है ।डॉक्टर हुस्न आरा अपना एनजीओ भी चलाती हैं।

इस अवसर पर प्रोफेसर हरिश्चंद्र समायोजक महाविद्यालय विकास परिषद,डीन कामर्स प्रोफेसर लक्ष्मण सिंह ,वित्त परामर्शी ए के पाठक भी मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

तैलिक साहू सभा की जिला ईकाई की बैठक

आरा। मौला बाग साहू कंपलेक्स आरा में तैलिक साहू सभा की भोजपुर जिला ईकाई की एक बैठक तैलिक साहू सभा के भोजपुर जिला के अध्यक्ष शिवकुमार साह की अध्यक्षता में हुई। शिव कुमार साह संबोधित करते हुए कहा कि 2 अक्टूबर को बड़े धूमधाम से गांधी जयंती मनाया जाएगा जिसमें भोजपुर के पूरे व्यावसायिक व वैश्य समाज को हम लोग एकत्रित करेंगे चाहे किसी भी समाज के हो वह हमारे समाज के हैं और 2 अक्टूबर को पूरे नागरिक प्रचारिणी सभागार को हम लोग भरने का काम करेंगे संचालन राजेंद्र प्रसाद ने किया और धन्यवाद ज्ञापन प्रेमचंद प्रसाद ने किया। जिसमें सर्वसम्मति से 2 अक्टूबर 2023 को गांधी जयंती आरा में भव्य रूप से मनाने का निर्णय लिया गया। जिसके लिए एक कार्य समिति का भी गठन हुआ। इस बैठक में बहुत सारे साथियों ने अपना विचार व्यक्त किया और भाग लिया। जिसमें मुख्य रूप से प्रोफेसर राजेंद्र मणियारा ,राजेंद्र प्रसाद ,डॉ शिलभद्र जी, प्रेमचंद जी ,अशोक साह, मनीष जी, सुरेश जी, कमला जी ,बुधन साह जी ,कमलेश साह, दुर्गेश साह, दिनेश साह वगैरह।

लकड़बग्घा के डर से दहशत में ग्रामीण

मसौढ़ी। मसौढ़ी नगर परिषद के मलमाचक और महाराजचक के लोग दो दिनों से रात में घूम रहे लकड़बग्घा के डर से दहशत में है लकड़बग्घा कही से भटक कर आ गया है।जो शिकार की तलाश में रात को निकलता है।लोगों ने इसकी सुचना वन विभाग के अधिकारियों को दिया है।और पकड़ने की गुहार लगाया है।लकड़बग्घा को लोगों ने पटाखा फोड़कर उसे भगाने का कोशिश किया। लेकिन ग्रामीण अभी भी दहशत में है।

चरपोखरी पुलिस ने गड़हनी नगर के वार्ड से शुरू किया सर्वे कार्य

गड़हनी।भोजपुर जिले के नगर पंचायत गड़हनी में सोमवार को चरपोखरी पुलिस वार्ड 1 के घर घर जाकर सर्वे कर रही है। लोगों से उनका परिचय पूछ रही है।चरपोखरी थाना प्रभारी संजय कुमार सिन्हा के नेतृत्व में एसआई डीके निराला अपने सहयोगी पुलिस कर्मी और वार्ड पार्षद प्रतिनिधि अविनाश राव के साथ साथ घर घर जाकर लोगों से बात की। उनका परिचय जाना।क्या वो स्थायी निवासी हैं या किराएदार। वो क्या काम करते है।क्या पुलिस से उनको कोई सहयोग की जरूरत है ? सहित कई तरह के सवाल पुलिस पूछ रही है।इससे पुलिस को अपने क्षेत्र के लोगों के बारे में पूरी जानकारी रहेगी जिससे क्राइम कंट्रोल में मदत मिलेगी। थाना प्रभारी ने बताया कि नगर पंचायत के सभी वार्डों में पुलिस घर घर जाएगी।उन्होंने लोगों से सहयोग की अपील की। मौके पर नगर पंचायत गड़हनी वार्ड 1 के पार्षद प्रतिनिधि सह पत्रकार अविनाश कुमार राव स्थानीय चौकीदार कुंज बिहारी सहित अन्य पुलिस कर्मी उपस्थित थे।

सिविल सर्जन के निर्देश पर छः खाद्य प्रतिष्ठान में छापामारी

गया। सिविल सर्जन, गया के निर्देश पर सोमवार को गया में स्थित 06 खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर छापामारी किया गया जो निम्नलिखित हैः- मोबाईल पर शिकायत प्राप्त होने पर सबसे पहले मनोज मिष्ठान भंडार, प्रो० मनोज कुमार बागेश्वरी गुमटी नियर बागेश्वरी मंदिर, गया के प्रतिष्ठान में छापामारी कर रसमलाई एवं पनीर का नमूना संग्रह किया गया। दुर्गा शंकर ऑयल इंडस्ट्री, प्रो० सुजित कुमार गुप्ता के० पी० रोड गया के प्रतिष्ठान से रिफाईन राइस ब्राण्ड तेल का नमूना संग्रह किया गया है । अनपुर्णा ट्रेडिंग, प्रो० राहुल कुमार कठोकर तलाब गया के प्रतिष्ठान से रिफाईन पामोलिन, सरसो तेल एवं रिफाईन राइस ब्राण्ड तेल का नमूना संग्रह किया गया। सुभद्रा ट्रेडिंग, प्रो० राम बाबु, मिरसफायत रोड, पुरानी गोदाम, गया के प्रतिष्ठान से सरसो तेल, रिफाईन सोयाबिन तेल एवं रिफाईन राइस ब्राण्ड तेल का नमूना संग्रह किया गया। नम्रता ट्रेडर्स, प्रो० सुजित कुमार गुप्ता मिरसफायत रोड, पुरानी गोदाम, गया के प्रतिष्ठान से रिफाईन सोयाबिन तेल एवं सरसो तेल का नमुना संग्रह किया गया। चन्द्र प्रभु ट्रेडर्स, प्रो० रिंकी जैन, मिरसफायत रोड, पुरानी गोदाम, गया के प्रतिष्ठान से रिफाईन सोयाबिन तेल सरसो तेल एवं सरसो तेल का नमुना संग्रह किया गया है। इसके साथ ही सभी प्रतिष्ठानो को पैकिंग डेट, बेस्ट बिफोर बैच नंबर देखकर ही खरिदने एवं बेचने का निर्देश दिया गया साथ ही कुल 14 नमूना संग्रह किया गया है।

बड़गांव में लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत अपशिष्ट संस्करण इकाई का शुभारंभ

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने किया उद्घाटन, बोले -बड़गांव में खेल मैदान बनाएंगे

आरके सिंह को चांदी के मुकुट और 51 किलो के माला से किया गया स्वागत

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। अगिआंव प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बड़गांव पंचायत में लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान अंतर्गत अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय सह आरा सांसद राज कुमार सिंह मौजूद थे। केंद्रीय मंत्री ने उद्घाटन के पश्चात अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई का अवलोकन किया। वही समारोह स्थल पर अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया था। जहाँ 51 किलो के फूल के माला से मंत्री का स्वागत किया गया। तत्पश्चात करनी सेना के प्रदेश अध्यक्ष रिंकू सिंह मुखिया ने केंद्रीय मंत्री को बुके देकर, अंग वस्त्र व चांदी का मुकुट पहनाकर और अभिनंदन पत्र पढ़ कर उनका अभिनंदन किया। इसके पूर्व स्कूल की छात्राओं ने स्वागत गीत गाकर केंद्रीय मंत्री समेत अन्य अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुग्रह नारायण सिंह व संचालन पत्रकार चंदन मिश्रा ने किया। इस दौरान रिंकू सिंह मुखिया ने मंच से बड़ागांव के किसानों की जो दस हजार बीघा की खेती होती है लेकिन इन किसानों को पर्याप्त पानी नहीं मिलता है इसको लेकर उन्होंने नहर की क्षमता बढ़ाने की ओर केंद्रीय ऊर्जा मंत्री का ध्यान आकृष्ट

करवाया। वही अगिआंव से बड़गांव का जो 6 किलोमीटर का सड़क है उसको बनवाने की ओर भी रिंकू सिंह ने केंद्रीय मंत्री का ध्यान आकृष्ट करवाया, साथ ही ट्रांसफॉर्मर लगाने, चिल्हर का एक युवक जो वेंडीलेशन पर है उसकी मदद करने समेत अन्य समस्याओं को लेकर केंद्रीय मंत्री का ध्यान आकृष्ट करवाया। साथ ही रिंकू सिंह ने आशा कर्मियों की मांगों को भी मंत्री के समक्ष रखा। वही केंद्रीय मंत्री आर के सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि आपकी जो मांगे है उसको नोट कर लिए है, इसे पूरा करने का पूरा प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बड़गांव में खेल मैदान के लिए मंच से ही उपस्थित लोगों से पूछा कि आपके पास जमीन है तो बोलिये, इस पर लोगो ने कहा कि है तो खेल मैदान की स्वीकृति मंत्री ने मंच से ही दे दी, पीएचसी की बात पर भी उन्होंने अपनी सहमति जताई। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने कहा कि जो युवक के युवक बीमार है उसके लिए वह डॉक्टर से खुद बात करेंगे, जो भी सहायता होगा उसको करेंगे। जरूरत पड़ी तो प्रधानमंत्री कोष से भी मदद दिलवाने के लिए पत्र लिखेंगे। कई कंपनियां है जिससे भी मदद मिल सकती है। पानी की समस्या पर कहा कि इसके लिए फंड की आवश्यकता है जिसका बंदोबस्त तो हमने कर लिया था, उसे यहां से पास करवा कर भेजना था। लेकिन नीतीश कुमार जी चुपचाप बैठे रहे जबकि उनको कुछ करना नहीं था सिर्फ पास करके भेजना था। जिसके बाद सारा नहर चौड़ीकरण हो जाता और नहर के अंतिम छोर तक पानी पहुंच जाता है। ट्रांसफॉर्मर लगवाने पर कहा कि जितनी भी जरूरत है ट्रांसफॉर्मर लगवाने की समझिये ये मेरे हाथ का है, ये तुरंत हो गया। आगे आर के सिंह ने कहा कि अगली बार आएंगे तो बड़गांव को गोद लेंगे। इस दौरान आर के सिंह भ्ष्टाचार के मुद्दे पर भी खूब बोले। मौके पर बीडीओ अगिआंव मुकेश कुमार, पंचायत सचिव, प्रखंड प्रमुख, प्रखण्ड समन्वयक अभय कुमार, प्रखंड कार्यालय के अन्य पदाधिकारी गण, बड़गांव मुखिया सुरेन्द्र ठाकुर, स्वच्छता पर्यवेक्षक, स्वच्छता कर्मी, आशा कर्मी, भाजपा नेता विजय सिंह, जिला परिषद सदस्य पूनम कुशवाहा, शंभु चौरसिया, सोनू गुप्ता, भरत सिंह सहयोगी, अजय सिंह, विनय बेलाउर, प्रवक्ता संजय सिंह, पवना मुखिया मंटू सिंह, कुंदन सिंह तोमर, उपेन्द्र सिंह, रघुनंदन सिंह, करनी सेना के भी कई जिलों से पदाधिकारी समेत काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

सीपीआईएम कार्यकर्ताओं ने प्रखंड कार्यालय पर दिया धरना

प्रात : किरण संवाददाता

परसा। प्रखंड कार्यालय पर 16 सूत्री मांग को लेकर सीपीआई एम द्वारा धरना प्रदर्शन किया गया।धारणा प्रदर्शन के पूर्व डाक बंगला परिसर से बिनोद कुमार के नेतृत्व में जुलूस निकाली गई।जो परसा हाई स्कूल चौक,चेतन परसा होते हुए प्रखंड कार्यालय पहुँच सभा में तब्दील हो गई।जुलूस में महिला पुरुष कार्यकर्ताओ द्वारा केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज नाथ राय ने कहा कि देश के मणिपुर में महिलाओं पर हुई अत्यचार के बाद भी पीएम सुधि लेने नही गया।भाजपा की सरकार में देश के जनता,किसान,युवा सभी असुरक्षित है।आगामी

चुनाव में सत्ता से हटाने के लिए एक जुट होने के लिए अपील किया।वही शिव शंकर प्रसाद ने कहा कि परसा की जनता की हक की लड़ाई के लिए धरना प्रदर्शन किया गया है।भूमिहीन को दस डिसमिल भूमि उपलब्ध कराने,बस किराया निर्धारित करने,गरीबो के बस्ती में सड़क निर्माण कराने,ब्लॉक से घुस खोरी बन्द करने समेत कई आरोप लगाया और उस पर पहल करने के लिए बीडीओ सीओ से अपील किया।वही विनोद कुमार ने कहा कि ग्रामीण जनता की 16 सूत्री मांग को लेकर प्रखंड कार्यलय पर प्रदर्शन किया गया है।यदि पदाधिकारी हमारी मांगों को पूरा नही करते है तो बाध्य होकर सीआईआई एम के द्वारा विशाल धरना प्रदर्शन करेगी।कार्यक्रम को सुभाष माझी,संजन सावंत, भोला सिंह,भुनेश्वर दास,अमरेंद्र कुमार,अजय कुमार,कृति कुमारी,शम्भू चौहान,नग नारायण राय ने अपना विचार प्रकट किया।प्रदर्शन के उपरांत शिष्टमंडल द्वारा अपनी मांग पत्र पदाधिकारी को सौंपा।

अनुसूचित जनजाति आयोग अध्यक्ष द्वारा योजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा की गई

प्रात : किरण संवाददाता

गया। जिला समाहरणालय सभागार में आज सोमवार को राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष शंभु कुमार सुमन की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों के साथ अनुसूचित जनजाति के लोगों के विकास के लिए संचालित योजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा की गई है।

इस महत्त्वपूर्ण बैठक में जनजातिय मामलों के विशेषज्ञ प्रमोद कुमार सिंह, जिलाधिकारी डॉ त्यागराजन एसएम, नगर पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी समेत अन्य पदाधिकारियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए हैं।आयोग के अध्यक्ष शंभु कुमार सुमन ने कहा कि आवासविहीन समुदाय के लाभुकों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। मनरेगा के जॉब कार्डधारियों को काम देने के मामले में विशेष प्रोत्साहन देने की

जरूरत है। अनुसूचित जाति के बच्चों के लिए संचालित आवासीय विद्यालयों में निर्धारित सीट नहीं भरने की बात पर आयोग ने निर्देश दिया कि इन आवासीय विद्यालयों में रिक्त सीट को अनुसूचित जनजाति के बच्चों से न्यूनतम 10 प्रतिशत सीट को आधार बनाकर नामांकन लिए जाएँ, ताकि वंचित अनुसूचित जनजाति के बच्चों को भी गुणात्मक शिक्षा का लाभ मिल सके।

आयोग की टीम ने कहा है कि नक्सल प्रभावित क्षेत्र गया जिला में एकलव्य मोकल आवासीय विद्यालय की स्थापना सिर्फ जमीन की अनुपलब्धता के कारण रूका हुआ है। इसलिए जिला प्रशासन बाँके बाजार प्रखण्ड में 5 एकड़ जमीन शीघ्रातिशीघ्र चिन्हित करें, जिसके लिए जिला पदाधिकारी ने अपनी सहमति जताई है।

जिलाधिकारी ने अनुसूचित जनजाति विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह के विकास के लिए उनकी बसावट को चिन्हित करने एवं योजनाबद्ध प्रक्रिया अपनाने के लिए जल्द ही जिला स्तरीय बैठक आयोजित कर आवश्यक निर्देश देंगे। एक प्रतिशत आरक्षण के हिसाब से 19 पी० डी० एस० डीलर बनाने पर सहमति जताई गई है। आयोग ने निर्देश दिया कि विशेष कमजोर जनजाति समूह के गाँव एवं टोला में सामुदायिक शौचालय एवं सामुदायिक के गाँव एव टोला में सामुदायिक शौचालय एवं सामुदायिक भवन -सह- वर्कशेड के निर्माण को प्राथमिकता दी जाए।

बड़ौरा स्कूल निर्माण के सवाल पर सड़क पर चला स्कूल

प्रात : किरण / बंटी राठौर

गड़हनी(भोजपुर)।जिले के चरपोखरी थाना क्षेत्र के आरा-सासाराम मुख्य सड़क के गड़हनी बाजार पर सोमवार को सड़क पर स्कूल आंदोलन चलाया गया। सड़क पर स्कूल की शुरूआत सोमवार के सुबह 11 बजे प्रार्थना और राष्ट्रगान से सड़क पर स्कूल शुरू किया गया, बाकायदा घंटी बजाकर क्लास में हर घण्टी में अलग अलग विषयों की कक्षाएं चली।स्कुल के शुरूआती दौर में छात्रा द्वारा गीत कहत बानी साहब.....भले माटी में मिलम.... बाकी नाही हिलम....।आपन स्कुलीया के..... बिना बनवले नाही हिलाम.. ।2013 से गोले गोले घुमाइल..... कबहु दालान में त कबहु रोड पर पढाईल.....हमनी के स्कुलीया के माटी में मिलाईल.....।आपन स्कुलीया के..... बिना बनवले नाही हिलाम.. ।के साथ शुरू किया गया।आंदोलन के दौरान इमरजेंसी सेवा, एम्बुलेंस,स्कूली गाड़ियां आदि को छोड़ा गया। वही कई गांव के लोग व जनप्रतिनिधियों भी शिक्षा के सवाल पर आंदोलन में शामिल हुए। वही गड़हनी बीडीओ

बिरेन्द्र कुमार व सीईओ आंदोलन के दौरान मंचासीन दिखे।वही बच्चों को मिड-डे-मील के तर्ज पर खिचड़ी चोखा खिलाया गया।मौजूद नेताओ व पदाधिकारी ने खिचड़ी चोखा का आंनद लिया।विधायक मनोज मंजिल ने कहा कि गड़हनी प्रखण्ड अंतर्गत उर्दू प्राथमिक विद्यालय, बडौरा,सन 1947 में स्थापित हुआ था, विगत 15 सालों से जर्जर और खंडहर हो चूका था, स्कूल के निर्माण के सवाल पर भाकपा-माले, छात्र संगठन आइसा और आरवाईए के नेतृत्व में 2018 में गड़हनी ब्लॉक कैंपस में स्कूल आन्दोलन हुआ था,वार्ता में अधिकारीयों ने स्कूल बनाने का वादा किया था,तब जाकर आन्दोलन समाप्त किया गया। स्कूल निर्माण के सवाल पर 6न बार विधानसभा में सवाल भी किया,शिक्षा मंत्री व पूर्व व अपर मुख्य सचिव,पूर्व व वर्तमान जिलाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी से कई बार मिला, जबाब में विभाग द्वारा स्कूल बनाने की बात भी कही गई लेकिन अभी तक स्कूल निर्माण की दिशा में कोई कार्रवाई नही की गई। स्कूल निर्माण कराना तो दूर की बात 14 अगस्त को प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी गड़हनी द्वारा ग्रामीणों से झूठ बोलकर की स्कूल निर्माण शुरू किया जाएगा,स्कूल को ही जेसीबी से जमींदोज कर दिया गया और कहा गया की पंचायत सरकार भवन के गार्ड रूम में स्कूल कान संचालन और पढाई शुरू कर दिया । यह सरासर धोखा है।बीते दिन स्कूल तोड़ने के विरोध में ग्रामीणों ने स्कूल के जमीन पर ही तिरपाल टांगकर अपने बच्चों की खुद ही पढाई शुरू कर दिया । अभिभावकों ने स्कूल निर्माण कार्य शुरू नहीं होने की दशा में पूर्व नियोजित कार्यक्रम के तहत 4 सितम्बर से आरा-सासाराम स्टेट हाईवे के गड़हनी बाजार पर सड़क जाम कर स्कूल संचालन शुरू किया है । खबर लिखे जाने तक कोई अधिकारी वार्ता के लिए नहीं आये हैं।

भाजपा ने संदेश विधानसभा मतदाता चेतना अभियान कार्यक्रम का किया बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय मे जिलाध्यक्ष दुर्गा राज की अध्यक्षता मे मतदाता चेतना अभियान के लिए संदेश विधानसभा का कार्यशाला किया गया।कार्यशाला का संचालन गजराजगंज मंडल अध्यक्ष विरेन्द्र कुमार ने किया। कार्यशाला मे उपस्थित कार्यकताओ को मतदाता सूची की त्रुटि मे सुधार के साथ-साथ नए मतदताओं को मतदाता सूची मे नाम जोड़वाने के लिए कहा गया। विधानसभा के प्रत्येक बूथ पर बीएलए 2 बनाने पर जोड़ दिया गया। प्रत्येक बूथ केन्द्र का जाँच कर नए बूथ केन्द्र बनवाने के लिए भी कार्यकताओ को कहा गया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता हर समय पार्टी के मजबूती के लिए लगे रहते है। 2024 लोकसभा चुनाव की तैयारी मे कार्यकर्ता लग गए है। संदेश विधानसभा के लिए बीएलए एक रामदिनेश यादव को बनाया गया है। उक्त कार्यशाला मे संदेश विधान सभा के बूथ,शक्तिकेन्द्र, मंडल पदाधिकारी सहित जिला प्रभारी टीएन सिंह,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सीडी शर्मा, जिला उपाध्यक्ष मीरा यादव, कौशल यादव,राम दिनेश यादव, मतदाता चेतना अभियान के जिला संयोजक अजय सिंह,पूर्व महामंत्री श्रीभगवान सिंह कोईलवर नगर मंडल अध्यक्ष राकेश शर्मा,उदवंतनगर मंडल संयोजक रविकांत कुमार सहित अन्य सक्रिय कार्यकर्ता शामिल थे।

डीएम ने एन एच 82 सड़क के सिता कुंड ब्रिज को ठीक करने का निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

गया। जिला पदाधिकारी गया डॉ त्यागराजन एसएम ने आगामी पितृपक्ष मेला 2023 के अवसर पर तीर्थयात्री को सुविधा प्रदान किये जाने हेतु किये जा रहे विभिन्न प्रकार की तैयारियों का जायजा लिया गया है।बायपास सीता कुंड ब्रिज निरीक्षण के क्रम में एन एच 82 सड़क के कार्यपालक अभियंता को निर्देश दिया कि और मैन पावर एवं मशीनरी को लगा कर सड़क निर्माण तेजी से करवाये। निर्देश दिया कि जगह जगह में एक रोड से दुशरे रोड में जाने हेतु डायवर्शन देना सुनिश्चित करे। सड़क चौड़ीकरण के पश्चात वर्तमान समय में अब सीताकुंड के पास पुराने ब्रिज की ओर 14 मीटर एवं नए ब्रिज की 9 मीटर सड़क

की चौड़ाइ है। इसपर निर्देश दिया कि बिपार्ड ब्रह्म वन होते हुए बाईपास सीताकुंड वाली सड़क जहां पर खराब है उसे समतल करवाये। बाईपास मेन चौमोहनी पास सड़क के दोनों लेन के बीच मे गढ़े को समतल करवाने को कहा गया है। सीताकुंड का निरीक्षण किया गया है। प्रोपर साफ सफाई करवाने को कहा गया है। बैनर फ्लेक्स को बदलवाने को कहा गया है। शमशान घाट निरीक्षण करते हुए घाट पर पसरे लकड़ी के गठरी को हटवाने का निर्देश दिए हैं उसे नगर आयुक्त को निर्देश दिया कि घाट पर विभिन्न दुकान खुले हुए हैं उसे किसी दूसरे स्थान पर शिफ्ट करवाये। इसके बाद विष्णुपद क्षेत्र के निचले सतह, लक्ष्मीबाग, तुल्सीबाग आदि का निरीक्षण किया गया है। नगर निगम के सहायक अभियंता सफाई प्रभारी शैलेंद्र कुमार को निर्देश दिया कि विष्णुपद के परिधि में जहां भी गंदगी है उसे तुरंत ठीक करवाये। जहां भी स्लैब टूटा हुआ है , पानी का जमाव है उसे तुरंत ठीक करवाये। इस अवसर पर नगर पुलिस अधीक्षक, नगर आयुक्त गया नगर निगम, सहायक समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी सदर सहित पंडा समाज के पुरोहित, विभिन्न कोषांगों के वरीय पदाधिकारी एव नोडल पदाधिकारी तथा अभियंता गण उपस्थित थे।

विकास क्रांति द्वारा हस्तशील कारीगरों के साथ चौपाल कार्यक्रम आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

आरा : जगदीशपुर के नयका टोला में हस्तशिल्प सेवा केंद्र पटना ,नाबार्ड भोजपुर के तत्वाधान में स्वयं सेवी संस्था "जन विकास क्रांति" द्वारा हस्तशील कारीगरों के साथ चौपाल कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रंजीत कुमार सिन्हा जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड भोजपुर और संचालन डॉ हिमराज सिंह महासचिव जन विकास क्रांति ने किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि हस्तशिल्प सेवा केंद्र पटना बिहार के सहायक निदेशक मुकेश कुमार ने कहा कि देश में बने हैंडीक्राफ्ट का अपने देश सहित विश्व स्तर पर व्यापक मांग है, जिसमें आप सभी अपने उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय मापदंड के अनुरूप तैयार कर उन्हें भेज सकते हैं और अच्छा आय प्राप्त कर सकते हैं आप सभी राज सरकार द्वारा आयोजित होने वाले पुरस्कार में भी भाग लेकर अपनी प्रतिभा को दिखा सकते है।

कार्यक्रम में 110 हस्तशील कारीगरों को हस्त शिल्प मंत्रालय द्वारा निर्गत शिल्पी पहचान पत्र अतिथियों द्वारा वितरित किया गया. कार्यक्रम में मुख्य रूप से कुमारी स्नेहा सिंह, विकास चौधरी,उमाशंकर सिंह, मो. शाहिद, दिनेश्वर शर्मा ,साधु शर्मा आरती कुमारी, राखी कुमारी, मुन्ना कुमार,शिवजी यादव, मिथिलेश कुमार, रंजीत पासवान, संजीव कुमार सिंह,पंकज कुमार, उषा देवी, खुशबू सिंह ,माधुरी कुमारी सहित अन्य लोगों ने भाग लिया।

अनुसूचित जाति मोर्चा कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष का किया अभिनंदन

प्रात : किरण संवाददाता

गया।बिहार प्रदेश भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश कार्यालय में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया है इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बिहार प्रदेश भाजपा मूल कमिटी के प्रदेश मंत्री गुरु प्रकाश निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष श अजित चौधरी का पदमुक्त समारोह अभिनंदन मौजुद थे। इसके साथ ही साथ निमनोनीत प्रदेश अध्यक्ष लखेन्दर पासवान ,उपाध्यक्ष मनोज कुमार चौधरी, महामंत्री संजय राम प्रदेश प्रभारी प्रवीण ताँती को भव्य स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया है।इस कार्यक्रम में बिहार के सभी जिला अध्यक्ष , प्रदेश के निवर्तमान

प्रदेश महामंत्री राजीव पासवान, भारती सुमन ,उपाध्यक्ष मिलन रजक ,भोला भास्कर, संजय महतो ,बिनोद पासवान, दिलीप ताँती, सुनीता पासवान सचिन राम ,गौरव चौधरी, प्रमोद तुरी, नरेश तुरी ,बिनोद कुमार,सहित सैकड़ों कार्यकर्ता अभिनंदन समारोह में उपस्थित हुये इसकी जानकारी निवर्तमान प्रदेश मीडिया प्रभारी अशोक प्रसाद भारती ने दिया है।

शहर में नगर विधायक ने किया मुख्यमंत्री विकास योजना द्वारा शिलान्यास

प्रात : किरण संवाददाता

गया।पूर्व मंत्री सह गया नगर विधायक डॉ प्रेम कुमार ने मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना अंतर्गत विभिन्न निर्माण कार्यों का उद्घाटन किया गया है। विधायक ने वार्ड नं 44 के मां मंगला गौरी मंदिर के नजदीक सेड निर्माण का उद्घाटन 9 लाख 99 हजार के लागत से हुआ है।

वार्ड नं 30 मुस्तफाबाद में शिव मंदिर से सरस्वती मंदिर तक नाली निर्माण का उद्घाटन 9 लाख के लागत से हुआ है।वार्ड नं 09 में मां मंगला बंगला स्थान से उतर दिशा में सतीश पासवान के घर के नजदीक पथ का निर्माण का उद्घाटन 5 लाख 50 हजार के लागत से हुआ है।इस मौके पर स्थानीय निवासियों ने बताया की यहां नाली,गली, सेड के निर्माण से लोगों को अत्यधिक सुविधा मिल रही है।पहले हमारे मोहल्लों में चार पहिए व तीन पहिए वाहन नहीं आ पाते थे।अब विधायक के सहयोग से आकस्मिक समय में वाहन के जरिए मरीजों को आने जाने में सुविधा मिल रही है।

इस मौके पर मौजूद उतरी मंडल अध्यक्ष संभू यादव, धीरज रौनीयार,राजू सिन्हा,प्रेम सागर,आकाश गिरी,ऋषि लोहानी,सुरेंद्र यादव,विकास कुमार, विनोद पासवान,देवानंद पासवान,धीरू कुमार,शिवनारायण चंद्रवंशी, टिंकू गोस्वामी,कमल बारीक, डॉ राज कुमार,राजेंद्र गांधी,रंजीत कुमार,डब्लू कुमार,मनोज चंद्रवंशी,गुड्डू कुमार सहित बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कुलपति ने किया पी जी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा का औचक निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। कुलपति ने सोमवार को पूर्वाह्न में पीजी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा का औचक निरीक्षण किया।कुलपतिमहोदय सर्वप्रथम इगनू के पास की बिल्डिंग में गये।तत्पश्चात कुलपति प्रोफेसर फारूक अली इगनू सेन्टर गये।विदित हो कि छात्रों की अधिकता के कारण इग्नू सेन्टर में भी पीजी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा चल रही है। डिस्टेंस एजुकेशन की बिल्डिंग में भी परीक्षा हो रही है।कुलपतिमहोदय ने वहां का औचक निरीक्षण किया।वहां से निरीक्षण के बाद कुलपति साइंस ब्लाक में निरीक्षण के लिए गये। केन्द्राधीक्षक प्रोफेसर सैयद रजा ने बताया किसभी स्थानों पर परीक्षा शांतिपूर्ण एवं कदाचार मुक्त माहौल में चल रही है।

इस अवसर पर प्रोफेसर अनिल कुमार सिंह संकायाध्यक्ष सह परीक्षा नियंत्रक,प्रोफेसर हरिश्चंद्र समायोजक महाविद्यालय विकास परिषद ,प्रोफेसर सैयद रजा केन्द्राधीक्षक,प्रोफेसर सुधीर कुमार सिंह , कुलपति के साथ मौजूद थे।

इस बार की पी जी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा का यह कुलपति का प्रथम औचक निरीक्षण था।

अदाणी पोर्ट्स के बारे में आई सकारात्मक खबर, कंपनी के कार्गो वॉल्यूम में 17 प्रतिशत का इजाफा

नई दिल्ल, एजेंसी। अदाणी समूह की कंपनी अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन के लिए एक अच्छी खबर है। अगस्त में कंपनी के कार्गो वॉल्यूम में जरबदस्त इजाफा हुआ है। कंपनी ने शेयर बाजार को भेजी गई अपनी फाइलिंग में बताया है कि कंपनी के कार्गो वॉल्यम में अगस्त महीने में 17 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक अगस्त, 2023 में अदाणी पोर्ट और एसईजेड का कार्गो वॉल्यूम बढ़कर 34.2 एमएमटी रहा, जिसकमें सालाना आधार पर 17 प्रतिशत का इजाफा हुआ। कार्गो वॉल्यूम ग्रोथ के पीछे कंटेनर ग्रोथ और लिक्विड-गैस ग्रोथ का बड़ा योगदान रहा। इस दौरान कंटेनर ग्रोथ 27.6 प्रतिशत रही है, जबकि लिक्विड और गैस ग्रोथ 69 प्रतिशत दर्ज की गई। कंपनी के मुंद्रा पोर्ट में कार्गो वॉल्यूम में सबसे ज्यादा वृद्धि दर्ज की गई। यह 15.32 एमएमटी रहा है। मुंद्रा पोर्ट से कुल 1776 ट्रेनों का परिचालन किया गया, ये भी अभी तक का सबसे अधिक आंकड़ा है, इनमें 1532 कंटेनर ट्रेनें शामिल रहीं।

अदाणी पोर्ट ने एक्सचेंज फाइलिंग में जो जानकारी दी है उसके अनुसार वित्त वर्ष 2024 के

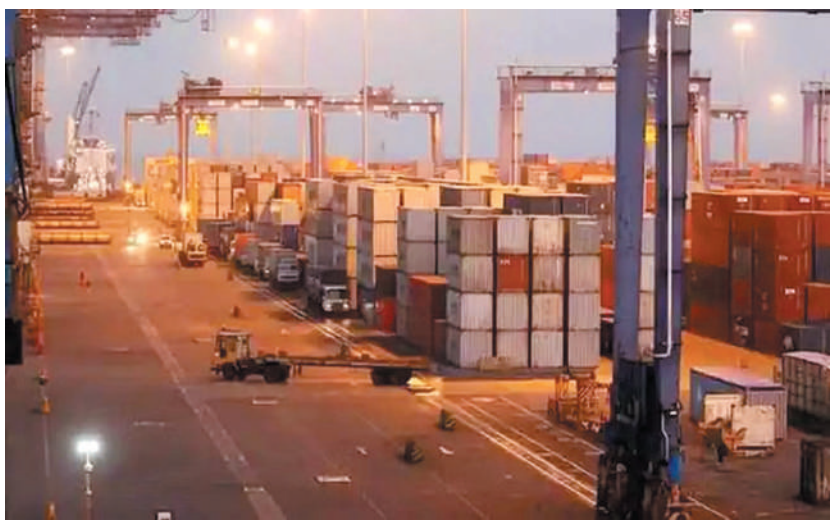

शुरुआती पांच महीने (अप्रैल-अगस्त) के दौरान कंपनी ने कुल 169.6 एमएमटी कार्गो का परिचालन किया, इसमें सालाना आधार पर 12 प्रतिशत की वृद्धि आई है। अदाणी पोर्ट्स ने फाइलिंग में कहा, हमारे प्रमुख बंदरगाह मुंद्रा ने 1.53 करोड़ मेट्रिक टन की अपनी अब तक की उच्चतम मासिक कार्गो मात्रा दर्ज की है। बंदरगाह ने 1776 ट्रेनों की अब तक की सबसे अधिक संख्या को भी संभाला, जिसमें 1532 कंटेनर ट्रेनें शामिल हैं।

पहली तिमाही के आंकड़ों में दिखी मजबूती: जुलाई में जब कंपनी ने अपने आंकड़े जारी किए थे तब तब बताया गया था कि अदाणी पोर्ट्स की कार्गो हैंडलिंग एफवाय24 की अप्रैल-जून तिमाही में 11.5 प्रतिशत बढ़ी यह 101.4 एमएमटी रहा। पहली तिमाही में कंटेनर में ग्रोथ 19 प्रतिशत, लिक्विड और गैस में 8 प्रतिशत और ड्राई बल्क में 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। कंपनी के लॉजिस्टिक्स बिजनेस में भी महत्वपूर्ण इजाफा हुआ है। सालाना आधार पर यह 24 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड रेल वॉल्यूम 231,689 टीईयूएस पर पहुंच गया।

एपीएसईजेड भारत का सबसे बड़ा कमर्शियल पोर्ट्स ऑपरेटर: एपीएसईजेड भारत में सबसे बड़ा कमर्शियल पोर्ट्स ऑपरेटर है। देश के कार्गो मूवमेंट में इसका करीब एक चौथाई हिस्सा है। कंपनी की मौजूदगी देश के सात समुद्री राज्यों में हैं। इनमें गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, केरल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और ओडिशा में स्थित 13 बंदरगाह शामिल हैं।0

सरपट भाग रहा गेमिंग कंपनी नजारा का शेयर, बनाया नया 52 वीक हाई लेवल

नई दिल्ल, एजेंसी। गेमिंग और मीडिया फर्म नजारा टेक्नोलॉजीज के शेयर में सोमवार को बंपर तेजी देखने को मिल रही है। सोमवार दोपहर कंपनी का शेयर 9.70 फीसदी या 73.65 रुपये की बढ़त के साथ 832.85 पर ट्रेड करता दिखाई दिया। शुरुआती कारोबार में इस शेयर ने आज 853.80 रुपये के साथ नया 52 वीक हाई लेवल भी बनाया है। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 5,502.71 करोड़ पर पहुंच गया है।

क्यों भाग रहा शेयर: नजारा टेक्नोलॉजीज ने सोमवार को कहा कि वह रिटेल स्टॉकब्रोकर जेरोधा के को-फाउंडर निखिल कामथ से एक इक्विटी शेयर इश्यू के जरिए 100 करोड़ रुपये जुटा रही है। कंपनी ने कहा कि वह कामथ को 714 रुपये के भाव से शेयर जारी कर रही है। इसके बाद सोमवार को शुरुआती कारोबार में कंपनी के शेयर में भारी खरीदारी देखने को मिल रही है। 10 जुलाई को नजारा के बोर्ड ने इक्विटी शेयरों के जरिए 750 करोड़ रुपये तक धन जुटाने को मंजूरी दी थी।

निखिल कामथ ने क्या कहा: कामथ ने एक बयान में कहा, भारत में गेमिंग आने वाले वर्षों में मजबूत ग्रोथ के लिए तैयार है। नजारा ने एक अच्छी तरह से विविध, लाभदायक गेमिंग प्लेटफॉर्म बनाया है, जो आने वाले वर्षों में अवसरों का लाभ उठाने के लिए अच्छी तरह से अनुकूल है। हम नितीश और उनकी टीम को नजारा की ग्रोथ के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सपोर्ट करने के लिए तत्पर हैं।

महंगा हुआ सोना, चांदी के भी बढ़ गए भाव

नई दिल्ल, एजेंसी। सोने-चांदी की कीमतों में हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शुरुआती कारोबार में बढ़त देखने को मिली है। घरेलू वायदा बाजार में भी सोना-चांदी बढ़त के साथ ट्रेड करते दिखे। एमसीएक्स एक्सचेंज पर सोमवार सुबह 5 अक्टूबर 2023 की डिलीवरी वाला सोना 0.23 फीसदी या 135 रुपये की बढ़त के साथ 59,530 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता दिखाई दिया। उधर वैश्विक बाजार में भी शुरुआती कारोबार में सोने-चांदी के भाव में तेजी देखी गई।

चांदी का वायदा भाव: सोने के साथ ही चांदी की वायदा कीमतों में भी सोमवार सुबह उछाल देखने को मिला। एमसीएक्स एक्सचेंज पर शुरुआती कारोबार में 5 दिसंबर 2023 की डिलीवरी वाली चांदी 0.17 फीसदी या 126 रुपये की बढ़त के साथ 75,215 रुपये प्रति किलोग्राम पर ट्रेड करती दिखी।

सोने की वैश्विक कीमतें: सोमवार सुबह सोने की वैश्विक कीमतों में भी तेजी देखने को मिली। कॉमेक्स पर सोने का वैश्विक वायदा भाव 0.21 फीसदी या 4.10 डॉलर की बढ़त के साथ 1971.30 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। वहीं, सोने का वैश्विक हाजिर भाव इस समय 0.25 फीसदी या 4.80 डॉलर की बढ़त के साथ 1944.86 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा।

चांदी का वैश्विक भाव: सोने के साथ ही चांदी के वैश्विक भाव में भी सोमवार सुबह तेजी देखने को मिली। कॉमेक्स पर चांदी का वायदा भाव 0.26 फीसदी या 0.06 डॉलर की बढ़त के साथ 24.63 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। वहीं, चांदी का वैश्विक हाजिर भाव 0.31 फीसदी या 0.07 डॉलर की बढ़त के साथ 24.26 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा।

पोर्ट टालबोट संयंत्र के लिए धन जुटाने को लेकर ब्रिटेन सरकार से बात कर रहा टाटा स्टील, अंतिम चरण में वार्ता

नई दिल्ल, एजेंसी। टाटा स्टील साउथ वेल्स में अपने पोर्ट टालबोट संयंत्र के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए ब्रिटेन की सरकार के साथ बातचीत कर रही है।

ब्रिटेन के मीडिया की खबरों के मुताबिक, टाटा स्टील साउथ वेल्स में अपने पोर्ट टालबोट संयंत्र के लिए ब्रिटेन सरकार से करीब 500 मिलियन पाउंड (जीबीपी) के वित्तपोषण पर सहमति बनाने के लिए बातचीत के अंतिम दौर में है।

टाटा स्टील ब्रिटेन के सबसे बड़े इस्पात कारखानों के महत्वपूर्ण हरित संक्रमण (ग्रीन ट्रांजिशन) के संबंध में लंबे समय से चर्चा कर रही है। इसमें देश के इस्पात उद्योग की हजारों नौकरियां शामिल हैं।स्काई न्यूज की खबर के मुताबिक, दोनों पक्ष अब एक समझौते पर सहमत होने के करीब हैं, जो पोर्ट टालबोट स्टीलवर्क्स के भविष्य के लिए लाखों लोगों को प्रतिबद्ध करेगा।

भारतीय इस्पात कंपनी के प्रवक्ता ने कहा,टाटा स्टील ब्रिटेन में इस्पात उत्पादन को जारी रखने और उसे कार्बन मुक्त करने की रूपरेखा पर ब्रिटेन सरकार के साथ लगातार चर्चा कर रही है।

उन्होंने कहा, हमारे ब्रिटेन के व्यवसाय की वित्तीय रूप से विवश स्थिति में कोई भी महत्वपूर्ण बदलाव केवल सरकारी निवेश और समर्थन के साथ संभव है, जैसा कि यूरोप के अन्य इस्पात बनाने वाले देशों में भी देखा गया है, जहां सरकारें कार्बन-मुक्त पहल में कंपनियों का सक्रिय रूप से समर्थन कर रही हैं। ब्रिटेन के मीडिया की खबरों के मुताबिक, मसौदा योजना को अंतिम रूप दिया जाना है जिसमें ब्रिटेन सरकार करीब 500 मिलियन पाउंड का वित्तपोषण करने और टाटा समूह द्वारा 700 मिलियन पाउंड पूंजीगत व्यय पर सहमति जताना शामिल है। एबेरवॉन के सांसद और विपक्षी लेबर पार्टी के नेता स्टीफन किनॉक ने जोर देकर कहा कि यूनियनों को पूरी तरह से शामिल होना चाहिए और कार्यबल को योजना का समर्थन करना चाहिए। उन्होंने कहा, इस्पात एक रणनीतिक उद्योग है जो हमारी पूरी अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाता है। यह हजारों उच्च कुशल नौकरियां प्रदान करता है, यह हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। हमारे इस्पात उद्योग में निवेश करने में विफलता झूठी अर्थव्यवस्था की परिभाषा होगी। इस बीच, यूनियनों ने उन रिपोर्टों पर चिंता व्यक्त की है, जिनमें कहा गया है कि टाटा के स्वामित्व वाले पोर्ट टालबोट स्टीलवर्क्स में कुछ हजार नौकरियों के नुकसान की आशंका है, जिसमें लगभग 4,000 कर्मचारी कार्यरत हैं।

टमाटर के बाद अब रुलाएगा प्याज, दो हफ्ते में ढाई गुना तक बढ़ी कीमतें

नई दिल्ल, एजेंसी। टमाटर के बाद प्याज के दामों ने आम आदमी की चिंता बढ़ा दी है। टमाटर के दाम बाजार में धीरे-धीरे कम हो रहे हैं तो वहीं, प्याज के दाम दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं। जुलाई के महीने में टमाटर की कीमतें 250 प्रति किलो के भाव के ऊपर चली गई थीं। पिछले एक महीने में प्याज की कीमतें करीब ढाई गुना तक बढ़ गई हैं। हालांकि, सरकार ने कीमतों पर लगाम लगाने के लिए प्याज के निर्यात पर 40 प्रतिशत तक टैक्स लगाने का ऐलान किया है। बावजूद इसके प्याज की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। एक एक रिपोर्ट के मुताबिक, तेलंगाना में होलसेल बाजार में प्याज की कीमत 28 से 30 रुपये प्रति किग्रा है। वहीं, शहर में यह कीमत 30-35 रुपये प्रति किग्रा तक पहुंच गई हैं। इसके पीछे की वजह मांग ज्यादा होना और सप्लाई कम होना बताया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, महाराष्ट्र और कर्नाटक से प्रतिदिन 15 टन प्याज प्याज पहुंच रहा है। कम क्वालिटी की प्याज बाजार में 25-30 रुपये प्रति किलो बिक रही है। कुछ हफ्ते पहले किसान से 5 किग्रा प्याज 100 रुपये में मिल रहा था। अब किसान 100 रुपये में 3 किग्रा प्याज बेच रहा है।

एक किसान ने प्याज की बढ़ती कीमतों को लेकर बताया, कम उत्पादन की वजह से प्याज की दाम पिछले कुछ महीने से बढ़ रहे हैं और आने वाले दिनों में यह ट्रेंड जारी रहेगा। वहीं, आंध्र प्रदेश के स्थानीय बाजारों में पिछले 10 दिनों में प्याज की कीमतें दोगुना हो गई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 20 अगस्त को बी ग्रेड का प्याज 19 रुपये प्रति किग्रा मिल रहा था। 1 सितंबर तक उसकी कीमत बढ़कर 44 रुपये प्रति किग्रा हो गई है।

छह सदस्यों के जुड़ने से वैश्विक जीडीपी में 30 प्रतिशत हो जाएगी ब्रिक्स की हिस्सेदारी, एसबीआई का विश्लेषण

नई दिल्ल, एजेंसी। उभरती अर्थव्यवस्थाओं के समूह ब्रिक्स में जनवरी, 2024 से छह देशों के जुड़ने से वैश्विक जीडीपी में समूह की हिस्सेदारी मौजूदा 26 फीसदी से बढ़कर 30 फीसदी हो जाएगी। साथ ही, समूह का वैश्विक आबादी में हिस्सा 46 फीसदी के स्तर पर पहुंच जाएगा।

एसबीआई रिसर्च के विश्लेषण के मुताबिक, पांच सदस्यीय ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन एवं दक्षिण अफ्रीका) से जुड़ने जा रहे 6 देशों अर्जेंटीना, इथियोपिया, मिस्र, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की समूह की जीडीपी में हिस्सेदारी सिर्फ 11 फीसदी होगी। इसमें भी सर्वाधिक 4 फीसदी हिस्सा सऊदी अरब का होगा। एक जनवरी, 2024 से प्रभावी हो रहे विस्तार की घोषणा ब्रिक्स की हाल में दक्षिण अफ्रीका में हुई बैठक में की गई।

विश्लेषण के मुताबिक, ब्रिक्स की जीडीपी में फिलहाल चीन की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा 70 फीसदी है, जो एक जनवरी, 2024 को घटकर 62 फीसदी के स्तर पर आ जाएगी। भारत की हिस्सेदारी मौजूदा 13 फीसदी से घटकर 12 फीसदी रह जाएगी। समूह की जीडीपी में रूस का हिस्सा आठ फीसदी से कम होकर सात फीसदी और दक्षिण अफ्रीका का दो फीसदी से घटकर एक फीसदी रह जाएगा। ब्राजील की मौजूदा हिस्सेदारी सात फीसदी है, जिसमें विस्तार के बाद भी कोई बदलाव नहीं होगा। एसबीआई के मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष ने कहा, नई जुड़ने वाली इन छह अर्थव्यवस्थाओं में वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान हुए द्विपक्षीय व्यापार में 6,81,259 करोड़ के साथ संयुक्त अरब अमीरात भारत का सबसे बड़ा कारोबारी भागीदार रहा है। सऊदी अरब 4,23,834 करोड़ रुपये के साथ भारत का दूसरा सबसे बड़ा कारोबारी भागीदार रहा। इस मामले में मिस्र (48,792 करोड़ रुपये) तीसरे, अर्जेंटीना (39,100 करोड़) चौथे, ईरान (18,680 करोड़ रुपये) पांचवें और इथियोपिया (5,154 करोड़ रुपये) छठे स्थान पर रहा।

नवीन जिंदल को राहत, पासपोर्ट के नवीनीकरण के लिए कोर्ट से मिली एनओसी

नई दिल्ल, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने कोयला घोटाला मामले में आरोपी कांग्रेस नेता और उद्योगपति नवीन जिंदल को राहत दे दी है। कार्ट ने उनके पासपोर्ट के नवीनीकरण के लिए अनापत्ति यानी एनओसी दे दी है। इस बीच विशेष न्यायाधीश अरुण भारद्वाज ने कहा कि आदेश केवल अनापत्ति के लिए था। जिंदल के पासपोर्ट के नवीनीकरण के लिए किसी प्राधिकारी को कोई निर्देश नहीं दिया गया है।

न्यायाधीश ने दो सितंबर को पारित आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता के वकील पर भरोसा करते हुए विभिन्न फैसलों पर विचार करने के बाद यह अदालत आरोपी के पासपोर्ट के नवीनीकरण को लेकर इसे 10 साल की पूरी अवधि की वैधता के साथ अनापत्ति देना उचित समझती है। जिंदल झारखंड में अमरकोंडा मुर्गदंगल कोयला खान आवंटन में कथित अनियमितताओं से संबंधित मामले में आरोपी हैं। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनकी याचिका का विरोध नहीं किया था। जिंदल के पासपोर्ट की वैधता अवधि अगले साल मई में खत्म हो जाएगी।

वॉलमार्ट ने 3.5 अरब डॉलर से फ्लिपकार्ट में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई

नई दिल्ल, एजेंसी। खुदरा क्षेत्र की दिग्गज अमेरिकी कंपनी वॉलमार्ट ने अपनी भारतीय ई-कॉमर्स सहायक फ्लिपकार्ट में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा दी है। वॉलमार्ट ने 31 जुलाई, 2023 तक छह महीने में अपने गैर-नियंत्रित हितधारकों से शेयर हासिल करने के लिए 3.5 अरब डालर (लगभग 28,953 करोड़ रुपए) का भुगतान किया है। खुदरा कंपनी ने अमेरिकी शेयर बाजार (यूएस एसईसी) को दी जानकारी में कहा कि इसके अलावा, इन छह महीनों के दौरान कंपनी को उसकी बहुलांश हिस्सेदारी वाली सहायक कंपनी फोनपे के लिए इक्विटी वित्तपोषण के नए चरण से 70 करोड़ डॉलर प्राप्त हुए।

वॉलमार्ट ने बताया, छह महीनों के दौरान कंपनी ने फ्लिपकार्ट के कुछ गैर-नियंत्रित हितधारकों से शेयर हासिल करने और फोनपे के पूर्व गैर-नियंत्रित हितधारकों की देनदारी का निपटान करने के लिए 3.5 अरब डॉलर का वॉलमार्ट किया। कुछ रिपोर्ट के अनुसार, इस सौदे के बाद भारतीय ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट में वॉलमार्ट की हिस्सेदारी बढ़कर 80.5 प्रतिशत हो जाएगी। फोनपे एक डिजिटल भुगतान कंपनी है, जिससे वॉलमार्ट की बहुलांश हिस्सेदारी है।

रियल एस्टेट पर रिकॉर्ड 28 लाख करोड़ बकाया, वाणिज्यिक कार्यालयों की मांग अधिक

नई दिल्ल, एजेंसी। आवासीय व वाणिज्यिक रियल एस्टेट क्षेत्र पर बैंकों का कुल कर्ज जुलाई में सालाना आधार पर 38 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 28 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। कर्ज, मकानों की कुल बिक्री और प्रमुख शहरों में नई परियोजनाओं के आंकड़ों से स्पष्ट है कि रियल एस्टेट क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहा है। आरबीआई के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, रियल एस्टेट उद्योग पर कुल बैंक कर्ज में आवासीय क्षेत्र (प्राथमिकता श्रेणी सहित) की हिस्सेदारी 24.28 लाख करोड़ रुपये है। यह आंकड़ा जुलाई, 2022 की तुलना में 37.4 फीसदी अधिक है।वहीं, वाणिज्यिक रियल एस्टेट क्षेत्र में बकाया कर्ज सालाना आधार पर 38.1 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 4.07 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

वाणिज्यिक कार्यालयों की मांग अधिक: केंद्रीय बैंक के ताजा आंकड़ों पर एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा, वाणिज्यिक कार्यालय श्रेणी पिछले साल महामारी के दबाव से जूझ रहा था क्योंकि कंपनियां पूर्ण रूप से कार्यालय से काम, घर से काम या हाइब्रिड मॉडल के आसपास

रणनीतियों पर विचार कर रहे थीं। स्थिति सामान्य होने के साथ कर्मचारी ऑफिस लौट आए और इस वर्ष अच्छी गुणवत्ता वाले वाणिज्यिक कार्यालयों की मांग अधिक है।

इस साल नई ऊंचाई पर पहुंचेगी बिक्री: पुरी ने बताया, इस साल मकानों की बिक्री नई ऊंचाई पर पहुंच जाएगी। 2022 में देश के सात प्रमुख शहरों में मकानों की बिक्री 2021 से 54 फीसदी अधिक रही थी। पिछले साल के मुकाबले जनवरी-जून, 2023 में 63 फीसदी अधिक मकान बिक चुके हैं।

बिक्री लक्ष्य पाने कोदिए प्रोत्साहन पर कर सकेंगे आईटीसी का दावा: कंपनियां पहले से तय बिक्री लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रोत्साहन योजना के तहत अगर डीलरों के जरिये सोने के सिक्के व व्हाइट गुड्स का वितरण करती हैं तो उन पर इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का दावा वैध है। ओरिएंट सीमेंट लि. के पूछने पर जीएसटी अग्रिम निर्णय प्राधिकरण (एएआर) की कर्नाटक पीठ ने आदेश में कहा, प्रोत्साहन योजना के तहत डीलर को व्हाइट गुड्स या सोने के सिक्के खरीदने के लिए किए भुगतान पर आईटीसी का लाभ उठा सकते हैं। एएआर की पीठ ने आदेश में कहा कि उपहार वह चीज है, जिसे बिना किसी शर्त के दिया जाता है। ऐसे में इसे उपहार के दायरे में नहीं रखा जा सकता है।

23 साल बाद मोहन बागान ने जीता डूरंड कप

मैच के लास्ट 30 मिनट 10 खिलाड़ियों के साथ खेला, फाइनल में ईस्ट बंगाल को हराया

कोलकाता (एजेंसी)। मोहन बागान सुपर जाइंट्स ने 23 साल बाद डूरंड कप का खिताब जीत लिया है। रविवार को कोलकाता में खेले गए फाइनल में मोहन बागान ने ईस्ट बंगाल को 1-0 से हराया। 62वें मिनट में मोहन बागान के एक खिलाड़ी को रेड कार्ड दिए जाने के बाद टीम को आखिरी समय तक 10 खिलाड़ियों से खेलना पड़ा।

मोहन बागान का यह 17वां खिताब है। आखिरी बार साल 2000 में महिंद्रा यूनाईटेड को गोल्डन गोल के जरिए हराकर खिताब जीता था।

मोहन बागान के लिए इकलौता गोल दिमित्री पेट्राटो ने की- हाफ तक दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर सकी। वहीं मैच के 62वें मिनट में मोहन बागान के अनिरुद्ध थापा को रेड कार्ड दिए जाने पर बाहर जाना पड़ा। जिसके बाद मोहन बागान को करीब 30 मिनट तक 10 खिलाड़ियों के साथ ही खेलना पड़ा। वहीं मैच के 71वें मिनट में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी दिमित्री पेट्राटोस ने गोल कर मोहन बागान को 1-0 से बढ़त दिला दी। ये बढ़त अंत तक बरकरार रहा।

मोहन बागान ने डूरंड कप आखिरी बार साल 2000 में महिंद्रा यूनाईटेड को गोल्डन गोल के जरिए हराकर खिताब जीता था।

मोहन बागान ने 2004 के हार का बदला लिया

मोहन बागान ने ईस्ट बंगाल से 2004 के फाइनल में हार का बदला ले लिया। इस मैच में उन्हें 1-2 से शिकस्त मिली थी। वहीं ईस्ट बंगाल 11 साल से राष्ट्रीय स्तर पर कोई खिताब नहीं जीत पाई हैं। ईस्ट बंगाल ने आखिरी खिताब 2012 में फेडरेशन कप में जीता था।

मोहन बागान को मिले 60 लाख रुपए

वहीं डूरंड कप विजेता मोहन बागान को 60 लाख रुपए मिले। जबकि रनरअप रही ईस्ट बंगाल को 30 लाख रुपए मिले। वहीं मोहम्मदन स्पोर्टिंग क्लब के डेविड लालह्लानसांग गोल्ड बूट रहे। उन्हें लाख मिले। जबकि इमामी ईस्ट बंगाल के प्रभाशुकन गिल गोल्ड गलव्स रहे। उन्हें 3 लाख रुपए मिले। वहीं इमामी ईस्ट बंगाल के नंदकुमार शेखर को गोल्डन बॉल का खिताब दिया गया।

23 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता जोकोविच

● 13वीं बार यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे ● रोजर फेडरर और आंद्रे अगासी के रिकॉर्ड की बराबरी की ● डिफेंडिंग चैम्पियन स्वितेक बाहर

यूएस (एजेंसी)। स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच साल के आखिरी ग्रैंडस्लैम स ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। वो 13वीं बार टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। इसी के साथ जोकोविच ने टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी रोजर फेडरर और आंद्रे अगासी के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। वहीं विमेंस सिगल्स की डिफेंडिंग चैम्पियन इगा स्वितेक हारकर बाहर हो गई हैं।

क्वार्टर फाइनल में जोकोविच का सामना फ्रिट्ज से होगा- 23 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता जोकोविच ने चौथे राउंड में 105वीं रैंकिंग वाले क्रोएशियाई क्वालिफायर बोर्ना गोजो को सीधे सेटों में 6-2, 7-5, 6-4 से हराया।

तीन बार के यूएस ओपन विजेता जोकोविच का अंतिम-8 में सामना अमेरिक के नंबर-1 खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज से होगा। फ्रिट्ज पहली बार यूएस ओपन के अंतिम-8 में पहुंचे हैं। जोकोविच ने क्रोएशियाई क्वालिफायर बोर्ना गोजो को 6-2, 7-5, 6-4 से हराया

ओस्टापेंको ने स्वितेक को हराया- चार ग्रैंडस्लैम जीत चुकी स्वितेक विमेंस सिंगल्स के राउंड ऑफ 16 में दुनिया की 21वें नंबर की जेलेना ओस्टापेंको से 6-3, 3-6, 1-6 से हारकर यूएस ओपन से बाहर हो गईं। 1 घंटे 48 मिनट तक चले मैच में पहला सेट हारने के बाद ओस्टापेंको ने शानदार वापसी की। अब मंगलवार को क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला अमेरिका की छठी सीड कोको गॉफ से होगा। ओस्टापेंको ने स्वितेक को 6-3, 3-6, 1-6 से हराया। हारकर कोर्ट से बाहर जाती इगा स्वितेक।

जोकोविच ने फेडरर और अगासी के रिकॉर्ड की बराबरी की- फेडरर और अगासी भी अपने करियर में 13-13 बार यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। फिलहाल ये दोनों खिलाड़ी टेनिस को अलविदा कह चुके हैं। फेडरर ने सितंबर 2022 और अगासी ने सितंबर 2006 में टेनिस से संन्यास लिया था।

जोकोविच का यूएस ओपन में यह 17वां अपियरेंस है, जिसमें वो 13वीं बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। यह कुल ग्रैंडस्लैम में उनका 57वां क्वार्टर फाइनल भी है।

17 बार यूएस ओपन खेलने वाले जोकोविच पिछले 16 बार में 11 बार सेमीफाइनल में पहुंचे। नौ बार फाइनल खेले, छह बार फाइनल में हारे, और तीन बार (2011, 2015 और 2018 में) खिताब अपने नाम किया। फेडररर अपने 13 यूएस ओपन क्वार्टर फाइनल मैचों में 10 बार सेमीफाइनल में पहुंचे, दो बार रनर-अप रहे और पांच बार (2004, 2005, 2006, 2007 और 2008) टाइटल जीता।

अगासी 13 क्वार्टर फाइनल में से आठ बार सेमीफाइनल में पहुंचे और चार बार रनर-अप रहे। वो दो बार चैम्पियन (1994 और 1999 में) बने।

जसप्रीत बुमराह बने पिता, पत्नी संजना गणेशन ने बेटे को दिया जन्म

मुंबई (एजेंसी)। शीर्ष भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पिता बन गए हैं। उनकी पत्नी संजना गणेशन ने बेटे को जन्म दिया है। उन्होंने माइक्रोब्लॉगिंग वेबसाइट ट्विटर पर इस बात की पुष्टि की है।

बुमराह ने ट्विटर पर इस बात की जानकारी शेयर करते हुए लिखा, हमारा छोटा परिवार बड़ा हो गया है और हमारा दिल जितना हमने कभी सोचा था उससे कहीं अधिक भरा हुआ है! आज सुबह हमने अपने बेटे अंगद जसप्रीत बुमराह का दुनिया में स्वागत किया। हम बहुत खुश हैं और हमारे जीवन का यह नया अध्याय अपने साथ जो कुछ भी लेकर आया है, उसके लिए हम इंतजार नहीं कर सकते ?? जसप्रीत और संजना।

गौर हो कि अपने पहले बच्चे के जन्म में शामिल होने के लिए बुमराह ने रविवार को एशिया कप 2023 में भारतीय कैंप छोड़ दिया। वह वापस श्रीलंका के लिए उड़ान भरेंगे और महाद्वीपीय आयोजन के सुपर फोर चरण के लिए उपलब्ध होंगे।

दिव्या देशमुख नें जीता टाटा स्टील रैपिड महिला शतरंज का खिताब

कोलकाता (एजेंसी)। टाटा स्टील रैपिड और ब्लिट्ज इंटरनेशनल शतरंज का तीसरा संसकरण कोलकाता के भाषा भवन में इस समय खेला जा रहा है और आज इसका रैपिड टूर्नामेंट वर्तमान एशियन चैम्पियन दिव्या देशमुख के विजेता बनने के साथ सम्पन्न हो गया। पहले दिन के खेल के बाद ही बढ़त हासिल करने वाली भारत की दिव्या देशमुख नें आखिरी राउंड तक अपनी बढ़त को कायम रखा और खिताब हासिल किया। वैशाली आर के अंतिम समय मे टूर्नामेंट में हटने के चलते अंतिम समय में टूर्नामेंट में शामिल हुई दिव्या नें अपने चयन को सही साबित करते हुए अंतिम राउंड में भारत की सबसे महान महिला खिलाड़ी पूर्व विश्व रैपिड चैम्पियन कोनेरु हम्पी को पराजित करते हुए ख़िताबी जीत दर्ज की। 9 राउंड के बाद दिव्या 7 अंक बनाकर पहले स्थान पर रही जबकि 6.5 अंक बनाकर वर्तमान विश्व चैम्पियन चीन की जू वेंजून नें दूसरा स्थान हासिल किया जबकि रूस की पोलिना शुवालोवा 5.5 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर रही।

रहकीम कॉर्नवाल की सीपीएल में धमाकेदार पारी

12 छक्कों और 4 चौकों की मदद से लगाया तूफानी शतक

ओवल (एजेंसी)। रहकीम कॉर्नवाल ने ब्रिजटाउन, बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2023 में बारबाडोस रॉयल्स को सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स से 8 विकेट से हराकर अपना पहला सीपीएल शतक बनाया। कॉर्नवाल ने 48 गेंदों में 102 रन बनाए जिसमें 45 गेंदों में 12 छक्कों और 4 चौकों की मदद से शतक शामिल था। उनके कारनामे से बारबाडोस रॉयल्स ने सीपीएल इतिहास का रिकॉर्ड तीसरा सबसे बड़ा लक्ष्य चेज किया।

221 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉयल्स के लिए बल्लेबाजी की शुरुआत करने वाले कॉर्नवाल ने रिटायर आउट होने से पहले काइल मेयर्स (13 में से 22), लॉरी इवांस (14 में से 24) और रोवमैन पॉवेल (26 गेंदों में नाबाद 49) के साथ साझेदारी की। उनके 12 छक्कों में से दो में 110 मीटर और 111 मीटर की दूरी शामिल थी। कॉर्नवाल को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया, ने अपने बेटे को उसके जन्मदिन के लिए यह पारी समर्पित की और समर्थन के लिए बारबाडोस की भीड़ को धन्यवाद दिया।

मैच के बाद कॉर्नवाल ने कहा, आज मेरे बेटे का जन्मदिन है, मैं यह पारी उसे समर्पित करता हूं। मेरे दोनों बेटे हमेशा मेरा समर्थन करते हैं। पिच वास्तव में अच्छी थी और मैंने खुद का समर्थन किया।

मेरा पहला शतक। मैं अपनी टीम को अच्छी शुरुआत दिलाने के लिए खुद का समर्थन करता हूं। वे (भीड़) मुझे आगे बढ़ाते रहते हैं, इसलिए मैं उन्हें खुश करने के लिए कुछ देना चाहता हूं। मैं पावरप्ले से आगे नहीं गया हूं, एक बार जब मैं इससे आगे निकल जाऊंगा तो बड़ा हो सकता हूं। मेरा समर्थन करने के लिए मेरे परिवार को धन्यवाद।

इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स ने आंद्रे फ्लेचर (56), विल स्मीड (63) और शेफ्रेन रदरफोर्ड (नाबाद 65) के अर्धशतकों की मदद से 20 ओवरों में 220/4 का विशाल स्कोर बनाया। लेकिन कॉर्नवाल की उस दस्तक ने लक्ष्य को भेद दिया।

इस जीत के साथ बारबाडोस रॉयल्स गुयाना अमेजॉन वॉरियर्स और ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के साथ 7 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गया जिनके पास क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर कब्जा करने के लिए बेहतर नेट रन रेट है। रॉयल्स ने दोनों की तुलना में अधिक मैच खेले हैं। दूसरी ओर सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स 8 मैचों में केवल दो अंकों के साथ तालिका में सबसे निचले स्थान पर बने हुए हैं।

टखने की चोट के कारण भारत के खिलाफ वनडे श्रृखंला से हट सकते हैं मैक्सवेल

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के स्टार आल राउंडर ग्लेन मैक्सवेल विश्व कप से पहले सतर्कता बरतते हुए इस महीने के अंत में भारत के खिलाफ होने वाली वनडे श्रृंखला से हट सकते हैं। मैक्सवेल को पिछले साल बायें टखने में चोट लगी थी और वह इससे उबर चुके हैं, पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में उन्हें टखने में दर्द महसूस हो रहा था।

मैक्सवेल के हवाले से एक रिपोर्ट में लिखा, 'मैं भारत के खिलाफ श्रृंखला के कुछ हिस्से में खेलना चाहता हूं। लेकिन मुझ पर इसे लेकर कोई दबाव नहीं है। ऑस्ट्रेलियाई टीम विश्व कप से पहले तीन मैच की वनडे श्रृंखला के लिए भारत आयेगी जिसकी शुरुआत 22 सितंबर को मोहाली मुकाबले से होगी। उन्होंने कहा, 'चयनकर्ता और स्टाफ मेरा काफी सहयोग कर रहे हैं। वे मुझ पर ज्यादा दबाव नहीं बनाना चाहते कि मैं किसी तरह की तारीख निर्धारित करूं क्योंकि वे जानते हैं कि विश्व कप से पहले उनके पास थोड़ा अतिरिक्त समय है।

मैक्सवेल ने कहा, 'इसलिए जल्दबाजी करने के बजाय मैं खुद को अतिरिक्त समय देना चाहता हूं ताकि सुनिश्चित कर सकूं कि हम पूरे टूर्नामेंट में खेल सकें। सभी टीमों को विश्व कप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम पांच सितंबर तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद

(आईसीसी) को सौंपनी है जबकि 27 सितंबर तक बदलाव किये जा सकते हैं। पिछले साल नवंबर में जन्मदिन की पार्टी के दौरान हुई दुर्घटना में उनके बायें पैर में फ्रेक्चर हो गया था और अब उनके पैर में धातु की प्लेट डली हुई है। टखने में दर्द के कारण टीम के पहले ट्रेनिंग सत्र के बाद ही उन्हें दक्षिण अफ्रीका से स्वदेश रवाना होना पड़ा था।

उन्होंने कहा, 'जब मैं दक्षिण अफ्रीका गया तो मुझे नहीं पता था कि इसमें दर्द होगा। मैं जब उस दिन ट्रेनिंग के लिए गया था तो भी ठीक था। कुछ भी नहीं हो रहा था। लेकिन फिर मेरे टखने में सूजन और दर्द होने लगा। मैक्सवेल ने कहा, 'उम्मीद करता हूं कि मैं वैसे ही ठीक हो जाऊं जैसा में दक्षिण अफ्रीका जाने से पहले था।

कोलंबो से शिफ्ट हो सकते हैं एशिया कप मुकाबले

शहर में बाढ़ जैसे हालात, सुपर-4 स्टेज के लिए कैंडी और दाम्बुला के ऑप्शन

कोलंबो (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के बीच श्रीलंका में हुआ मुकाबला बारिश के कारण बेनतीजा रहा था। अब कोलंबो में भी बारिश हो रही है, जिस कारण यहां होने वाले सुपर-4 स्टेज के मैच किसी और शहर में शिफ्ट हो सकते हैं। अब कोलंबो में भी बारिश हो रही है, जिस कारण यहां होने वाले सुपर-4 स्टेज के मैच किसी और शहर में शिफ्ट हो सकते हैं।

एशिया कप 2023 में सुपर-4 स्टेज के मैच कोलंबो से किसी और शहर में शिफ्ट हो सकते हैं। कोलंबो में इस वक्त बाढ़ जैसे हालात हैं, जिसे देखते हुए श्रीलंका के कैंडी या दाम्बुला शहर में मैच कराए जा सकते हैं। कोलंबो में फाइनल और सुपर-4 स्टेज के 5 मैच होने हैं।

एशिया कप में सुपर-4 स्टेज 6 सितंबर से शुरू होगा। पहला मुकाबला पाकिस्तान के लाहौर में खेला जाएगा, वहीं बाकी मुकाबले कोलंबो में होंगे।

कोलंबो में लगातार बारिश हो रही

एशियन क्रिकेट काउंसिल के सूत्रों के अनुसार, कोलंबो में पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश हो रही है। शहर में बाढ़ जैसे हालात हो रहे हैं और अगले कुछ दिन भी भारी बारिश का अनुमान लगाया गया है। जिसे देखते हुए कोलंबो में होने वाले सुपर-4 स्टेज के मैच कहीं और कराए जा सकते हैं।

कोलंबो में सुपर-4 स्टेज का पहला मैच 9 सितंबर को होगा, शहर में इसके बाद 15 सितंबर तक 4 और मैच होंगे। 17 सितंबर को एशिया कप का फाइनल मुकाबला भी कोलंबो में ही होने वाला है।

एशिया कप 2023: सुपर-4 पर नजरें, श्रीलंका को हराने के इरादे से उतरेगा अफगानिस्तान

लाहौर (एजेंसी)। अफगानिस्तान को एशिया कप सुपर फोर की दौड़ में अपना दावा पुख्ता करने के लिए श्रीलंका के खिलाफ गेंदबाजी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। बांग्लादेश से हारने के बाद अफगानिस्तान के लिए यह 'करो या मरो' का मुकाबला है। उसे ग्रुप बी में शीर्ष दो में रहने के लिए बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी। रविवार की रात को मिली हार के बाद अफगानिस्तान का रनरेट नेगेटिव में है जबकि पहले मैच में बांग्लादेश को हराने वाली श्रीलंका का रनरेट पॉजिटिव 0.951 है।

अफगानिस्तान के खिलाफ 300 से अधिक रन बनाने के बाद बांग्लादेश का रनरेट काफी बेहतर है और उसका सुपर फोर में जाना लगभग तय है। गद्दाफी स्टेडियम पर यह दूसरा मैच है और इसमें भी रनों का अंबार लगने की उम्मीद है। तेज गेंदबाजों के अभाव में अफगानिस्तान की गेंदबाजी का दारोमदार स्पिनर राशिद खान और मुजीब

जदरान पर है। राशिद को एक भी विकेट नहीं मिल सका और उनकी टीम को श्रीलंका के खिलाफ उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

अफगानिस्तान की फील्डिंग में भी काफी सुधार की जरूरत है। उनके लिए हालांकि सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जदरान का फॉर्म अच्छा संकेत है। दूसरी ओर श्रीलंका को उम्मीद होगी कि बांग्लादेश के खिलाफ नाकाम रहा उनका शीर्षक्रम तेजी से रन बनाए। तीन चोटिल तेज गेंदबाजों की गैर मौजूदगी में युवा मथीषा पथिराना ने पहले मैच में चार विकेट लिए और एक बार फिर उस प्रदर्शन को दोहराना चाहेंगे।

बांग्लादेश के खिलाफ नई गेंद संभालने वाले पथिराना को फिर यह जिम्मेदारी दी जा सकती है। अफगान कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने रविवार की हार के बाद कहा था, 'हमें सभी विभागों में सुधार करना होगा। हमारी गेंदबाजी अच्छी नहीं थी और ना ही क्षेत्ररक्षण। लाहौर हमारे देश के पास है लिहाजा हमारे प्रशंसक इसका इंतजार कर रहे होंगे। उम्मीद है कि वे अगले मैच में हमारी हौसलाअफजाई के लिए आएंगे।

संभावित प्लेइंग 11

अफगानिस्तान - रहमानुल्लाह गुरबाज़ (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, रहमत शाह, हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नायब, करीम जनत, राशिद खान, मुजीब उर रहमान, फजलहक फारूकी

श्रीलंका - दिमुथ करुणारत्ने, पथुम निसांका, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), सदीरा समरविक्रमा, चैरिथ असलांका, धनंजय डी सिल्वा, दासुन शनाका (कप्तान), दुशान हेमंथा/डुनिथ वेलालेज, महेश थीक्षाना, कसुन राजिथा, मथीशा पथिराना

समय दोपहर 3 बजे।

संक्षिप्त समाचार

अरुणाचल प्रदेश में कई छात्राओं के साथ दुष्कर्म, आरोपी शिक्षक सहित स्कूल का प्रिंसिपल गिरफ्तार

ईटानगर, एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश में एक शिक्षक द्वारा कई छात्राओं के साथ छेड़छाड़ और दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि राज्य के निचले सुबनसिरी जिले में एक निजी स्कूल के 50 साल के एक शिक्षक को कई छात्राओं के साथ छेड़छाड़ और दुष्कर्म के आरोप में रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस मामले की जानकारी स्कूल के प्रिंसिपल को भी थी। इस अपराध पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं करने के कारण हापोली इलाके में स्कूल के प्रिंसिपल को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं, सुबनसिरी के पुलिस अधीक्षक केनी बागरा के मुताबिक, अभिभावक ने इस मामले की शिकायत दर्ज कराई थी, जिस पर कार्रवाई करते हुए रविवार आरोपी शिक्षक और प्रिंसिपल दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी ने कथित तौर पर कक्षा पांच और छह के लगभग दो से तीन छात्रों के साथ दुष्कर्म किया था। आरोपी के खिलाफ हापोली के महिला पुलिस थाने में पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है और इस मामले में आगे की जांच की जा रही है। मालूम हो कि पिछले साल नवंबर में शि-योमी जिले में ऐसा ही मामला सामने आया था, जिसमें एक स्कूल के वार्डन को छह लड़कों और 15 लड़कियों के साथ यौन उत्पीड़न के मामले में गिरफ्तार किया गया था।

मादक पदार्थों की तस्करी मामले में इटली का एक नागरिक सहित दो गिरफ्तार, 55 लाख रुपये की एलएसडी और चरस बरामद

पणजी, एजेंसी। गोवा में इटली के एक नागरिक को अपने कमरे में 55 लाख रुपये मूल्य के मादक पदार्थ रखने के मामले में गिरफ्तार किया गया है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने पुलिस के हवाले से यह जानकारी दी है। पुलिस ने बताया कि यह गिरफ्तारी उत्तरी गोवा के तटीय असगाओ गांव से हुई है। आरोपी के किराए के कमरे से 55 लाख रुपये मूल्य की एलएसडी और चरस सहित भारी मात्रा में ड्रग्स बरामद किया गया है। एंटी-नारकोटिक्स सेल के पुलिस अधीक्षक बोसुएट सिल्वा ने बताया कि मूल रूप से इटली के रहने वाले माइकल लॉरेंस स्टेफेनोनी को एक अन्य व्यक्ति नील वाल्टर के साथ गिरफ्तार किया गया है। माइकल लॉरेंस स्टेफेनोनी को को उनके स्टेज नाम डीजे बॉबलहेड के नाम से भी जाना जाता है। मालूम हो कि स्टेफेनोनी उत्तरी गोवा के कई नाइट क्लबों में काम करता है। पुलिस अधीक्षक सिल्वा ने बताया कि स्टेफेनोनी दो सितंबर और तीन सितंबर को अंजुना और वागाटोर में दो हाई-प्रोफाइल शो में परफॉर्म करने वाला था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उसको कमरे से एलएसडी और चरस सहित 55 लाख रुपये की मादक पदार्थ दवाएं जब्त की है। उन्होंने आगे कहा कि शुरुआती जांच से पता चला है कि जिस शो में वह परफॉर्म करने वाला था, वहीं पर वह इसकी तस्करी भी करने वाला था।

89 वर्षीय पंचायत अध्यक्ष की फिटनेस देखकर आईएएस अफसर रह गईं हैरान, बताया स्वस्थ जीवन का राज

मदुरै, एजेंसी। हमारे देश में आज के समय भी कई ऐसे बुजुर्ग मौजूद हैं, जो अपनी फिटनेस से 20-25 साल के युवाओं को टक्कर दे सकते हैं। तमिलनाडु के मदुरै जिले के अरिटापट्टी की पंचायत अध्यक्ष 89 वर्षीय वीरम्मल अम्मा की फिटनेस को देखकर आप भी आश्चर्यचकित रह जाएंगे। अरिटपट्टी पाती के नाम से मशहूर वीरम्मल तमिलनाडु की सबसे उम्रदराज पंचायत अध्यक्ष हैं। भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी सुप्रिया साहू ने कुछ दिनों पहले उनसे मुलाकात की और अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक मनमोहक पोस्ट लिखा। सुप्रिया ने वीरम्मला अम्मा से जब पूछा कि 89 की उम्र में वो इतनी स्वस्थ और फिट कैसे हैं? इस सवाल का जवाब देते हुए वीरम्मला अम्मा ने कहा कि वो घर पर बने साधारण पारंपरिक भोजन जैसे बाजरा का सेवन करती हैं और पूरे दिन अपने खेत में काम करती हैं, जिसकी वजह से वो इस उम्र में भी इतनी फिट हैं। सुप्रिया ने आगे लिखा, उनकी पॉजीटिव मुस्कान और बेलगाम उत्साह बहुत ही आकर्षक है। उनसे मिलना और अरिटापट्टी के विकास के लिए चर्चा करना एक सम्मान की बात है। सुप्रिया के इस पोस्ट पर कई यूजर्स ने दिलचस्प कमेंट्स भी किए। गौरतलब है कि एक यूजर ने सुप्रिया से पूछा कि जब आपने उनसे (वीरम्मल अम्मा) से पूछा कि वो चाय पीती हैं तो उन्होंने क्या कहा। इस सवाल पर सुप्रिया ने कहा कि जी हां वीरम्मल अम्मा चीनी के साथ चाय पीती हैं। एक अन्य यूजर ने लिखा, ऐसे लोगों से हमें कई चीजें सिखने के लिए मिलती है। सादा जीवन उच्च विचार का ये एक शानदार उदाहरण है।

बिना इंजन दौड़ पड़ी ट्रेन, मच गया हड़कंप; टला बड़ा हादसा

साहेबगंज, एजेंसी। झारखंड के साहेबगंज में बुधवार को एक बड़ा रेल हादसा टल गया। यहां बरहड़वा रैक लोडिंग प्वॉइंट पर बिना इंजन के पटरी पर पांच डिब्बे अचानक चल पड़ने से बड़ा हादसा होने से बच गया। इससे बरहड़वा-राजमहल रोड पर फाटक के आसपास रहने वाले लोगों में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। पुराना आरपीएफ बैरक के पास से रेलगाड़ी के पांच डिब्बे बिना इंजन के आते देख लोगों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। इतने में एक प्वॉइंट्स मैन विजय कुमार शर्मा की नजर पड़ गई और उन्होंने जान की बाजी लगाकर डिब्बों में गुटका लगाकर रोका। डिब्बे तब तक करीब 200 से 300 मीटर तक का सफर बिना इंजन के ही तय कर चुके थे। जानकारी के मुताबिक, बरहरवा-राजमहल मुख्य पथ पर रोजाना सैकड़ों की संख्या में छोटे-बड़े वाहन फाटक पार करते हैं। अगर अंधेरा होता तो जान माल का बड़ा नुकसान हो सकता था। रेलवे स्टेशन से हल साइड तक हाईटेंशन तार लगा है। ऐसे में अगर डिब्बे बेपटरी होते तो बड़ा हादसा हो सकता था। इतना ही नहीं अगर प्वॉइंट्स मैन विजय कुमार शर्मा ने अपनी हिम्मत नहीं दिखाई होती तो पांच डिब्बे बरहड़वा रेलवे स्टेशन के एक नंबर प्लेटफार्म होते हुए गुजर सकते थे।

नोएडा में घर बनाना अब होगा दोगुना महंगा, मकान का नक्शा पास कराने की फीस डबल

नई दिल्ली, एजेंसी।
नोएडा प्राधिकरण से संबंधित आवंटित संपत्ति का नक्शा पास कराना और पूर्णता प्रमाणपत्र लेना आज से महंगा हो जाएगा। अब नक्शा पास कराने के लिए 30 और पूर्णता प्रमाण पत्र लेने के लिए 35 रुपये प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से फीस देनी होगी। अभी तक दोनों मामलों में यह शुल्क 15 रुपये प्रति वर्ग मीटर लगता था।

12 अगस्त को नोएडा प्राधिकरण की हुई 210 वीं बोर्ड में ये शुल्क बढ़ाने का निर्णय लिया गया था। बोर्ड बैठक अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त एवं नोएडा प्राधिकरण के चेयरमैन मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई थी। अब इनको सोमवार से लागू किया जा रहा है। नई दरें लागू होने से अब घर बनाने के लिए नक्शा पास कराना और काम पूरा होने पर नोएडा प्राधिकरण से पूर्णता प्रमाणपत्र लेने के अधिक जेब ढीली करनी होगी।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2010 के बाद नक्शा पास कराने

और पूर्णता प्रमाणपत्र शुल्क में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई थी। जबकि जो शुल्क नोएडा प्राधिकरण ने अब तय किए हैं, वे पहले से ही ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में लागू हैं। उन्हीं शुल्क को नोएडा में भी लागू करने का निर्णय लिया गया था। अधिकारियों ने बताया कि सभी प्रकार के भवनों का नक्शा पास कराने के लिए प्रत्येक मंजिलों के ढके हुए क्षेत्र पर 30 रुपये प्रति वर्ग मीटर से शुल्क देना होगा। इसके अलावा अभिन्यास योजना के लिए 4 हेक्टेयर तक के भूखंड क्षेत्र के लिए 2 रुपये प्रति वर्ग मीटर और इससे बड़े आकार के भूखंड के लिए 1 रुपये प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से शुल्क देना होगा। इसी तरह पूर्णता प्रमाणपत्र लेने के लिए सभी प्रकार के भवनों के लिए सभी मंजिलों के ढके हुए क्षेत्र पर 35 रुपये प्रति वर्ग मीटर और अभिन्यास योजना के लिए 4 हेक्टेयर क्षेत्र तक के भूखंड के लिए 1 रुपये 50 पैसे प्रति वर्ग मीटर और इससे बड़े एरिया के भूखंड के लिए 75 पैसे प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से शुल्क देना होगा। शहर में मंजूर नक्शे से अलग हटकर लोग निर्माण करा रहे हैं। इस पर प्राधिकरण का नियोजन विभाग लगाम नहीं लगा पा रहा है। यह प्राधिकरण से मंजूर नक्शे से अलग अवैध निर्माण की श्रेणी में आता है। इससे शहर की सूरत बिगड़ रही है। ऐसे में बोर्ड बैठक में ही ऐसे निर्माण पर कार्रवाई के लिए प्रवर्तन खंड बनाने को मंजूरी दी गई थी। अधिकारियों ने बताया कि प्रवर्तन खंड बनाने के लिए आउटसोर्सिंग के माध्यम से विभाग में सिविल में सहायक प्रबंधक की नियुक्ति की जाएगी। इसमें करीब 20 पद पर भर्ती की जाएगी। नोएडा प्राधिकरण में नक्शे व पूर्णता प्रमाण पत्र लेने के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होता है। अधिकारियों ने बताया कि दोनों में से किसी भी काम के लिए आवेदन करने के लिए प्राधिकरण की वेबसाइट जाना होगा। वेबसाइट का होम पेज खुलने के बाद उस पर अलग-अलग काम से संबंधित आवेदन करने को विकल्प दिए गए हैं। नक्शा पास कराने के लिए एप्लाई ऑनलाइन फॉर बिल्डिंग प्लान एप्रूवल पर क्लिक करना होगा। इसके बाद यूजर आईडी-पासवर्ड बनाकर आगे की प्रक्रिया की जाएगी। पूर्णता प्रमाण पत्र लेने के लिए एप्लाई ऑनलाइन फॉर कंपलीशन सर्टिफिकेट पर क्लिक कर आगे की प्रक्रिया करनी होगी। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि नोएडा प्राधिकरण में हर महीने नक्शे और पूर्णता प्रमाणपत्र के लिए करीब 70-80 आवेदन को मंजूरी दी जाती है।

राजस्थान बीजेपी में नहीं थम रही गुटबाजी

जयपुर, एजेंसी।
राजस्थान में पूर्व सीएम वसुंधरा राजे हथियार डालने के लिए तैयार नहीं है। सियासी जानकारों का कहना है कि वसुंधरा राजे को लेकर बीजेपी आलाकमान पशोपेश में है। बगावत के डर से ही बीजेपी ने किसी स्थानीय नेता को आगे नहीं किया है। माना जा रहा है कि बीजेपी सत्ता में आती है तो वसुंधरा राजे की नाराजगी बीजेपी को वैसी ही भारी पड़ सकती है, जैसे कांग्रेस को सचिन पायलट की पड़ी थी। वसुंधरा राजे ने धार्मिक यात्राओं के जरिए इशारों में संकेत भी दे दिए है। आगामी दिनों में वसुंधरा राजे का नया रूप देखने को मिल सकता है। सियासी जानकारों का कहना है कि बीजेपी आलाकमान के सामने वसुंधरा राजे कैंप को साधना बड़ी चुनौती हो सकता है। राजस्थान बीजेपी मौजूद समय में प्रदेश भर में गहलोत सरकार के खिलाफ परिवर्तन यात्रा निकाल रही है। वसुँधरा राजे ने जेपी नड्डा और अमित शाह की मौजूदगी में गहलोत सरकार को निशाने पर लिया। ऐसे में साफ संकेत है कि वसुंधरा राजे राजस्थान में केंद्रीय भूमिका में ही रहना चाहती है। हालांकि, इस बार पार्टी आलाकमान ने वसुंधरा राजे के सीएम फेस घोषित नहीं किया, लेकिन इसके बावजूद वसुंधरा राजे की मौजूदगी के अलग-अलग सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि वसुंधरा राजे आसानी हथियार नहीं डालेगी। राजस्थान में विधानसभा चुनाव के लिए बहुत ज्यादा समय नहीं है। बीजेपी प्रदेश भर में गहलोत सरकार के खिलाफ माहौल बना रही है। जबकि दूसरी तरफ वसुंधरा राजे समर्थक माने जाने वाले पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने मोर्चा खोल दिया है। पार्टी ने आलाकमान ने मेघवाल को नोटिस भी थमा दिया है।

सियासी जानकारों का कहना है कि वसुंधरा राजे को कमजोर करने के लिए ही कैलाश मेघवाल को नोटिस दिया है। इससे पहले भी वसुंधरा राजे समर्थक माने जाने वाले पूर्व मंत्री रोहिताश्व शर्मा को पार्टी से निकाल दिया था। जबकि पूर्व मंत्री देवी सिंह भाटी की घर वापसी फिलहाल अधर में लटकी हुई है। सियासी जानकारों का कहना है कि वसुंधरा राजे के धुर विरोधी माने जाने वाले केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल वसुंधरा राजे समर्थकों की घर वापसी नहीं चाहते हैं। बता दें अर्जुन मेघवाल की अध्यक्षता में गठित समिति की अनुशंषा पर घर वापसी होती है। अर्जुन मेघवाल वसुंधरा राजे का नाम लिए बिना उन्हें डूबता सूरज बता चुके हैं।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस की बैठक में दावेदारों के नामों पर मंथन

रायपुर, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। भाजपा ने 21 सीटों और बसपा ने 9 सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। अब कांग्रेस भी अपने प्रत्याशियों की पहली सूची जारी करने की कवायद में जुट गई है। सूत्रों की मानें तो प्रदेश चुनाव समिति एकल नाम वाली सीटों पर रायशुमारी लेगी। कांग्रेस की पहली सूची जल्द फाइनल हो जाने के संकेत हैं। इसके बाद केंद्रीय नेतृत्व को नाम भेजे जाएंगे। 6 सितंबर को कांग्रेस प्रत्याशियों की पहली सूची जारी की जा सकती है। ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि कांग्रेस कुछ मौजदा विधायकों का टिकट काटेगी।

रायपुर स्थित कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में देर शाम प्रदेश चुनाव समिति ने बैठक की। ब्लॉक और जिला स्तर पर दावेदारों को लेकर आए सीलबंद लिफाफे खोले गए। समिति के संयोजक और पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज की अध्यक्षता में हो रही बैठक में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा, विधानसभा अध्यक्ष चरणदास महंत, उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, मंत्री रविन्द्र चौबे, मंत्री मोहम्मद अकबर, मंत्री शिव डहरिया, पूर्व पीपीसी चीफ एवं मंत्री मोहन मरकाम सहित प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेता मौजूद रहे। सूत्रों की मानें तो कांग्रेस की पहली सूची में 25 से 30 सीटों पर नाम सामने आ सकते हैं। प्रदेश कांग्रेस की विस्तारित कार्यकारिणी की बैठक के बाद चुनाव समिति की बैठक हुई। बैठक देर रात तक चली। बैठक से पहले कांग्रेस संचार विभाग के चेयरमैन सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि 6 सितंबर को कांग्रेस की पहली लिस्ट आएगी। समिति के सामने जिलों से प्रत्याशियों की जो अनुशंसाएं आई हैं, उन पर विचार किया जाएगा। एक-एक नामों पर मंथन होगा। 4 और 5 सितंबर को स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक होगी और फिर 6 सितंबर को उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी जाएगी।

यात्रीगण कृपया ध्यान दें... दिल्ली में 3 दिन तक 39 मेट्रो स्टेशन के 69 गेट रहेंगे बंद

नईदिल्ली, एजेंसी।
भारत की राजधानी दिल्ली में होने वाले त-20 शिखर सम्मेलन के लिए दिल्ली मेट्रो ने भी अपनी कमर कस ली है। इस दौरान त-20 समिट के मद्देनजर दिल्ली में 9 से 10 सितंबर तक होने वाले आयोजनों को देखते हुए दिल्ली मेट्रो ने सोमवार को एक एडवाइजरी जारी की है। इस एडवाइजरी में कहा गया कि कुछ मेट्रो स्टेशन के गेट 8 से 10 सितंबर तक बंद रहेंगे। अचूक सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिल्ली पुलिस मेट्रो यूनिट ने मुख्य सुरक्षा आयुक्त से 8 से 10 सितंबर तक वीवीआईपी रूट/सम्मेलन स्थल की ओर खुलने वाले कुछ मेट्रो स्टेशन गेट बंद करने के लिए कहा है। एडवाइजरी में यह भी कहा गया है कि केवल वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान कुछ मेट्रो स्टेशन के गेट बंद रहेंगे। इसमें कहा गया है कि निर्दिष्ट गेटों के अलावा, दिल्ली मेट्रो सामान्य रूप से चलती रहेगी। इसके अलावा, जी-

20 समिट के दौरान मेट्रो में सफर करने वाले यात्रियों की संख्या में वृद्धि होने की संभावना को देखते हुए दिल्ली मेट्रो 4 से 13 सितंबर के बीच अपने 36 स्टेशनों पर विशेष काउंटर के जरिये च्टूरिस्ट स्मार्ट कार्डज की बिक्री करेगी। अधिकारियों ने बताया कि च्टूरिस्ट स्मार्ट कार्डज की दो श्रेणी होंगी जिनमें पहले की वैधता एक दिन के लिए होगी, जबकि दूसरे की वैधता तीन दिन होगी और इसके जरिये यात्री च्असीमित बारज मेट्रो की सवारी कर सकेंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि च्टूरिस्ट स्मार्ट कार्डज की नियमित तौर पर बिक्री की जाती है, लेकिन जी-20 समिट को देखते हुए इन कार्ड की बिक्री के लिए विशेष काउंटर बनाए गए हैं, जहां सोमवार से लेकर अगले 10 दिन तक इनकी बिक्री होगी। जी-20 नेताओं का शिखर सम्मेलन नई दिल्ली में नौ सितंबर से 10 सितंबर के बीच प्रस्तावित है। दिल्ली मेट्रो ने बताया कि एक दिन की वैधता वाले कार्ड की कीमत 200 रुपये होगी, जबकि तीन दिन की वैधता वाले कार्ड की कीमत 500 रुपये होगी जिसमें 50 रुपये की सुरक्षा राशि भी शामिल है। बार दिन की पहली सेवा से लेकर आखिरी सेवा तक यात्रा कर सकते हैं। डीएमआरसी के मुताबिक, जिन 36 स्टेशनों पर इन कार्ड की बिक्री के लिए समर्पित काउंटर बनाए जाएंगे उनमें कश्मीरी गेट, चांदनी चौक, चावड़ी बाजार, नयी दिल्ली, राजीव चौक, पटेल चौक, केंद्रीय सचिवालय, लोक कल्याण मार्ग और सुप्रीम कोर्ट मेट्रो, आईटीओ, हौज खास, नेहरू प्लेस, कालकाजी मंदिर, अक्षरधाम, आईजीआई एयरपोर्ट टर्मिनल-1 स्टेशन भी शामिल हैं।

म्यांमार लड़ाकू विमानों को लेकर हुआ पाकिस्तान से नाराज, आपूर्ति किए गए जेएफ-17 फाइटर जेट निकले कबाड़

नेपीडॉ [म्यांमार], एजेंसी।
पाकिस्तान और म्यांमार के बीच साल 2019 में एक रक्षा सौदा हुआ था। इस सौदे में पाकिस्तान, म्यांमार को जेएफ-17 थंडर नामक लड़ाकू विमान देने का करार किया था। इस सौदे के अंतर्गत पाकिस्तान ने 2019 और 2021 के बीच म्यांमार को कई जेएफ-17 थंडर लड़ाकू विमानों की आपूर्ति की।

म्यांमार ने जब पाकिस्तान द्वारा दिए गए सभी विमानों का जब इस्तेमाल किया गया तो सभी लड़ाकू जेट ऑपरेशन के लिए अयोग्य घोषित हुए। इस बात के कारण म्यांमार अब पाकिस्तान से नाराज चल रहा है। अब म्यांमार ने सभी लड़ाकू विमान में गड़बड़ी पाए जाने के लिए इस्लामाबाद को एक कड़ा संदेश भेजा है। म्यांमार के स्थानीय समाचार एजेंसी नरिंजरा न्यूज ने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। म्यांमार को दिए गए विमान उस सौदे का हिस्सा थे जिस पर बर्मी सैन्य शासन ने 2016 में पाकिस्तान एयरोनॉटिकल कॉम्प्लेक्स और चीन के चेंगदू एयरक्राफ्ट इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित जेएफ-17 खरीदने के लिए हस्ताक्षर किए थे। म्यांमार को जैसे ही विमान डिलीवरी की गई उसके तुरंत बाद खराबी और संरचनात्मक खामियों का पता चलने पर बर्मी वायु सेना को विमानों के उपयोग को रोकने के लिए मजबूर होना पड़ा। मीडिया सूत्रों के जानकारी के अनुसार ऐसा प्रतीत होता है कि जेएफ-17 की

विफलता से इस्लामाबाद और नेपीडॉ के बीच तनाव बढ़ गया है। जिसके बाद इस सौदे में शामिल चीन को हस्तक्षेप करने के लिए मजबूर होना पड़ा है।म्यांमार के स्थानीय समाचार एजेंसी नरिंजरा न्यूज के अनुसार, म्यांमार के चीनी दूत की हालिया नेपीडॉ की यात्रा में सीसीपी के शीर्ष नेतृत्व से जनरल मिन आंग ह्लाइंग को एक संदेश दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान जेएफ-17 के नए संस्करणों के साथ सौदे पर दोबारा बातचीत करने की पुरजोर कोशिश कर रहा है। पूरी संभावना है कि इन नए वर्जन को पाकिस्तान एयरोनॉटिकल कॉम्प्लेक्स और चीन के चेंगदू एयरक्राफ्ट इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन के एक ही संयोजन द्वारा विकसित किया जाएगा। हालांकि, अब तक इस बारे में बहुत कम जानकारी है कि म्यांमार द्वारा पुन-बातचीत किए गए सौदे को स्वीकार किया गया है या नहीं। म्यांमार के नरिंजरा न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, जेएफ-17 की खराबी से उत्पन्न संकट की खबर के बाद जो भी देश पाकिस्तान से जेएफ-17 चाहता था उसने अब अपने कदम पीछे कर लिए हैं। खासकर लैटिन अमेरिकी देशों को इसी तरह के विमान बेचने के पाकिस्तान के प्रयासों में बाधा उत्पन्न हुई है। इसके बाद, सैन्य जुंटा ने पाकिस्तान से विमान खरीदने पर किसी भी नई बातचीत में शामिल होने से इनकार कर दिया है। इसी तरह अन्य देशों ने भी पाकिस्तान के साथ जुड़ने के लिए अनिच्छुक रहे हैं। विशेष रूप से, चीन ने आज तक अपनी सूची में एक भी जेएफ-17 को शामिल नहीं किया है।

जेलेंस्की ने युद्ध के बीच रक्षा मंत्री ओलेक्सी को किया बर्खास्त, अब रुस्तम को मिलेगी कमान

कीव, एजेंसी।
रूस से युद्ध के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बड़ा कदम उठाया है। रविवार को जेलेंस्की ने रक्षा मंत्री ओलेक्सी रेजनिकोव को बर्खास्त कर दिया है। ओलेक्सी की जगह क्रीमिया के सांसद रुस्तम उमेरोव को नियुक्त किया जाएगा।

जेलेंस्की ने अपने आधिकारिक टेलीग्राम अकाउंट पर यह घोषणा करते हुए कहा कि 550 दिनों से ज्यादा चल रहे इस युद्ध को उमेरोव जैसे नए नेतृत्व की आवश्यकता थी। जेलेंस्की ने आगे कहा कि उनका मानना है कि रक्षा मंत्रालय को सेना और आम लोगों दोनों के साथ नए दृष्टिकोण और विभिन्न प्रारूपों के तहत बातचीत बढ़ाने की आवश्यकता है।

विपक्षी होलोस पार्टी के 41 वर्षीय उमेरोव ने सितंबर 2022 से यूक्रेन के राज्य संपत्ति कोष के प्रमुख के रूप में कार्य किया है। वह युद्धबंदियों, कब्जे वाले क्षेत्रों से नागरिकों और बच्चों की सुरक्षित निकासी में भी शामिल थे।उमेरोव संयुक्त राष्ट्र समर्थित अनाज सौदे पर रूस के साथ बातचीत में यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल का भी हिस्सा थे।

अगस्त में, रक्षा मंत्रालय द्वारा सैन्य जैकेटों की खरीद को लेकर एक घोटाला सामने आया था, जिसके बाद ओलेक्सी को हटाए जाने की बातें चल रही थी। यूक्रेनी खोजी पत्रकारों ने खुलासा किया था कि सैन्य सामग्री सामान्य से तीन गुना अधिक कीमत पर खरीदी गई थी और सर्दियों की जैकेटों के बजाय गर्मियों की जैकेट का ऑर्डर दिया गया था।

आपूर्तिकर्ता के सीमा शुल्क दस्तावेजों में, जैकेट की कीमत 29 अमेरिकी डॉलर प्रति यूनिट थी, लेकिन रक्षा मंत्रालय ने 86 अमेरिकी डॉलर प्रति यूनिट का भुगतान किया। रेजनिकोव ने पिछले सप्ताह एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान आरोपों से इनकार किया था। उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने रविवार को डेलावेयर में कहा कि उन्हें पता है कि जेलेंस्की ने उनके रक्षा प्रमुख की जगह ले ली है।

निक्की हेली को लगता है कि वह रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के लिए चुनी जाएंगी : रिपोर्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। यह कहते हुए कि कोई भी रिपब्लिकन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनकी साथी कमला हैरिस से बेहतर है, भारतीय-अमेरिकी निक्की हेली ने कहा है कि 2024 के राष्ट्रपति चुनावों के लिए वही रिपब्लिकन उम्मीदवार होंगी। पिछले महीने के अंत में पहली रिपब्लिकन प्राथमिक बहस से बाहर निकलते हुए, हेली ने सीबीएस न्यूज को बताया कि उन्हें नहीं लगता कि पूर्व बॉस डोनाल्ड ट्रम्प राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने जा रहे हैं।हेली ने फेस द नेशन को बताया, मुझे नहीं लगता कि राष्ट्रपति ट्रंप उम्मीदवार होंगे। मुझे लगता है कि मैं ही उम्मीदवार बनूंगी। लेकिन मैं आपको बताऊंगी कि जो बाइडेन और कमला हैरिस जो कर रहे हैं, उससे कोई भी रिपब्लिकन बेहतर है। उन्होंने कहा, अमेरिकी लोग किसी सजायाफ्ता अपराधी को वोट नहीं देने जा रहे हैं। अमेरिकी लोग ऐसे व्यक्ति को वोट देने जा रहे हैं जो आम चुनाव जीत सकता है। मुझे अमेरिकी लोगों पर भरोसा है, वे जानते हैं कि उन्हें क्या करने की ज़रूरत है। लेकिन दक्षिण कैरोलिना की पूर्व गवर्नर ने कहा कि अगर ट्रम्प अंतिम रिपब्लिकन उम्मीदवार के रूप में उभरते हैं, तो वह उनका समर्थन करेंगी, भले ही उन्हें दोषी ठहराया गया हो, उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसी स्थिति की उम्मीद नहीं है। हेली ने पूर्व राष्ट्रपति के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करते हुए सीबीएस से कहा, दोषी साबित होने तक वह निर्दोष हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति और साथी भारतीय-अमेरिकी के खिलाफ हमला जारी रखते हुए, हेली ने कहा कि वह यह सुनिश्चित करेंगी कि रिपब्लिकन उम्मीदवार ऐसा हो, जो कमला हैरिस को हरा सके।

कनाडा में भी रद्द हुआ विवादित खालिस्तान जनमत संग्रह

पोस्टर पर एके-47 लहराने के बाद स्कूल ने दिया झटका

टोरंटो, एजेंसी।
कनाडा में 10 सितंबर को प्रस्तावित तथाकथित खालिस्तान जनमत संग्रह के आयोजकों को बड़ा झटका लगा है। कनाडाई अधिकारियों ने एक पब्लिक स्कूल में जनमत संग्रह के लिए मतदान कराने की अनुमति वापस ले ली है। इससे पहले आस्ट्रेलिया में भी खालिस्तान जनमत संग्रह रद्द हो चुका है। कनाडा में यह जनमत संग्रह 10 सितंबर को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे शहर के तमनविस सेकेंडरी स्कूल में निर्धारित किया गया था। रविवार को सरे डिस्ट्रिक्ट स्कूल बोर्ड के एक प्रवक्ता ने एक विज्ञप्ति में कहा हमारे किराये समझौते का उल्लंघन करने के कारण हमने स्कूल को सामुदायिक कार्य के लिए किराए पर देने का एग्रीमेंट रद्द कर दिया है। विज्ञप्ति में बताया गया है कि स्कूल में कार्यक्रम की अनुमति वापस लेने का स्पष्ट कारण यह था कि कार्यक्रम की प्रचार सामग्री में हथियार की छवियों के साथ-साथ स्कूल की तस्वीरें भी जारी की गई थीं। जनमत संग्रह के पोस्टर पर एके-47 मशीन गन के साथ-साथ कृपाण भी दिखाया गया था। डिस्ट्रिक्ट स्कूल बोर्ड ने इसे एग्रीमेंट का उल्लंघन करार दिया है।

विज्ञप्ति में कहा गया है, इस मुद्दे को सुलझाने की बार-बार की

कोशिशों के बावजूद कार्यक्रम के आयोजकों ने पोस्टर से विवादित तस्वीरें नहीं हटाईं और आपत्तिजनक सामग्री पूरे सरे और सोशल मीडिया पर पोस्ट की जाती रहीं। आयोजकों की तरफ से सकारात्मक कदम नहीं उठाए जाने के बाद कार्यक्रम को रद्द कर फैसले के बारे में कार्यक्रम आयोजकों को बता दिया गया है।

बयान में कहा गया है, एक स्कूल के रूप में हमारा प्राथमिक मिशन छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सहायता प्रदान करना और हमारे स्कूल से संबंधित समुदायों के लिए एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना है। किराये सहित हमारे समझौते, नीतियां और दिशानिर्देश, हमारे समुदाय के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाने में हमारे मिशन का समर्थन करते हैं। हमारी सुविधाओं को किराए पर लेने वाले किसी भी व्यक्ति या समूह को इसका पालन करना होगा। सरे स्थित फ्रेंड्स ऑफ कनाडा एंड इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष मनिंदर गिल ने अपने संगठन की ओर से निर्णय का स्वागत किया है। पिछले हफ्ते की शुरुआत में, जनमत संग्रह और इस उद्देश्य के लिए एक सरकारी स्कूल का इस्तेमाल किए जाने से परेशान भारतीय-कनाडाई लोगों ने स्कूल बोर्ड से शिकायत की थी कि स्कूल परिसर के चारों ओर तलविंदर सिंह परमार के पोस्टर चिपकाए गए हैं। परमार को एयर इंडिया की उड़ान 182, कनिष्क पर आतंकवादी बम विस्फोट का मास्टरमाइंड माना जाता है, जिसमें 23 जून 1985 को 329 लोगों की जान चली गई थी। छवि का भी जिक्र किया गया था। इसमें कहा गया था, स्कूल बोर्ड, सरे शहर और बीसी की प्रांतीय सरकार बंदूक हिंसा को दिन-दहाड़े बढ़ावा देने के लिए अभिभावकों के प्रति जवाबदेह है। पत्र में उठाए गए मुद्दों को शनिवार को आउटलेट सरे टॉक रेडियो के साथ एक साक्षात्कार के दौरान सरे मेयर ब्रेंडा लॉक के सामने रखा गया था।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129